

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

संस्कृत विभाग, साहित्य विद्यापीठ



एल ओ सी एफ (LOCF) प्रारूप

बी. ए. (संस्कृत) पाठ्यक्रम

सत्र - 2020-2023



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

संस्कृत विभाग , साहित्य विद्यापीठ
संस्कृत विभाग
बी.ए पाठ्यक्रम LOCF प्रारूप

1. विभाग/केंद्र का नाम : संस्कृत
(Name of the Department/Centre)
2. पाठ्यक्रम का नाम : बी.ए संस्कृत
(Name of the Programme)
3. पाठ्यक्रम कोड: BSAN
(Code of the Programme)
4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
(Programme Learning Outcomes)

बी.ए संस्कृत पाठ्यक्रम संस्कृत वाङ्मय की मूल परम्परा को केन्द्र में रखकर अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना (LOCF) प्रारूप के आधार पर निर्मित है। इस पाठ्यक्रम के ज्ञानात्मक , कौशलात्मक एवं रोजगार परक अभीष्ट परिणाम अधोलिखित हैं।

पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणाम	
ज्ञान संबंधी	बी.ए संस्कृत पाठ्यक्रम संस्कृत वाङ्मय पर केन्द्रित है। इस पाठ्यक्रम में वैदिक साहित्य, संस्कृत व्याकरणशास्त्र, भारतीय दर्शन , संस्कृत साहित्य ,धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास तथा संस्कृत ज्ञान परम्परा के आधारभूत विषयों की जानकारी प्रदान की गई है। यह पाठ्यक्रम संस्कृत विद्यार्थियों को प्रारम्भिक एवं आधारात्मक ज्ञान प्राप्त करवाने में पूर्णतः सक्षम है। इसके ज्ञानात्मक पक्ष के महत्वपूर्ण बिंदु अधोलिखित हैं। • वैदिक साहित्य का प्रारम्भिक संरचनात्मक ज्ञान । • वेदांग परम्परा एवं वैदिक सूक्त एवं आख्यानो का परिचयात्मक ज्ञान । • संस्कृत भाषा विज्ञान का आधारभूत ज्ञान । • संस्कृत साहित्य में महाकाव्य, नाटक , गद्य ,पद्य आदि का ज्ञान । • भारतीय दर्शन की मूल अवधारणाओं एवं सिद्धान्तों का ज्ञान ।

कौशल / दक्षता संबंधी	1. संस्कृत साहित्य एवं आधुनिक विषयों में दक्षता प्राप्त होना । 2. संस्कृत व्याकरण द्वारा भाषापरक दक्षता प्राप्त होना । 3. संस्कृत साहित्य विधाओं द्वारा लेखन में दक्षता होना । 4. भारतीय दर्शन के आध्यात्मिक विषयों का परिचयात्मक दक्षता प्राप्त होना ।
रोजगार संबंधी	1. विद्यालय स्तर पर अध्यापन कार्य । 2. योग एवं आध्यात्म विषयों में सहभागिता कार्य । 3. संस्कृत भाषा में लेखन एवं पठन कार्य । 4.. साहित्य एवं संस्कृत विषयों में प्रशिक्षक कार्य ।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure):

विषय समूह	पहला सेमेस्टर	दूसरा सेमेस्टर	तीसरा सेमेस्टर	चौथा सेमेस्टर	पांचवा सेमेस्टर	छठा सेमेस्टर
	कंप्यूटर दक्षता (अतिरिक्त अनिवार्य- 1) 04 क्रेडिट	पर्यावरण (अनिवार्य- 1) 04 क्रेडिट	भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार (अनिवार्य-2) 04 क्रेडिट	भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी भाषाओं (हिंदी के अतिरिक्त) में से कोई एक भाषा	भारतीय संस्कृति (अनिवार्य- 3) 02 क्रेडिट	भारतीय चिंतक (अनिवार्य- 4) 02 क्रेडिट

				(अतिरिक्त अनिवार्य-2) 04 क्रेडिट		
अनिवार्य (हिंदी)	समूह क 06 क्रेडिट	समूह क 06 क्रेडिट	समूह क 06 क्रेडिट	समूह क 06 क्रेडिट	समूह क 09 क्रेडिट	समूह क 09 क्रेडिट
विकल्प 1	समूह ख 06 क्रेडिट	समूह ख 06 क्रेडिट	समूह ख 06 क्रेडिट	समूह ख 06 क्रेडिट	कोई एक चयनित विषय 09+ 09=18 क्रेडिट	
	समूह ग 06 क्रेडिट	समूह ग 06 क्रेडिट	समूह ग 06 क्रेडिट	समूह ग 06 क्रेडिट		
विकल्प 2	समूह ग 12 क्रेडिट	समूह ग 12 क्रेडिट	समूह ग 12 क्रेडिट	समूह ग 12 क्रेडिट	कोई एक चयनित विषय 09+ 09=18 क्रेडिट	
	18 क्रेडिट	22 क्रेडिट	22 क्रेडिट	18 क्रेडिट	20 क्रेडिट	20 क्रेडिट
कुल क्रेडिट : 120 क्रेडिट+ 08 अतिरिक्त क्रेडिट						

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु विषय समूह विवरण

समूह-क	समूह-ख	समूह-ग	अनिवार्यपाठ्यचर्या	अतिरिक्त अनिवार्यपाठ्यचर्या*
हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	1.संस्कृत 2.मराठी 3.उर्दू 4.अंग्रेज़ी 5.फ्रांसीसी 6.स्पैनिश 7.जापानी 8.चीनी	1. भाषाविज्ञान 2. इतिहास/राज नीतिविज्ञान 3. समाजशास्त्र/ मानवविज्ञान 4. मनोविज्ञान/ दर्शनशास्त्र	1.पर्यावरण 2.भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार 3.भारतीय संस्कृति 4.भारतीय चिंतक	1.कंप्यूटर दक्षता 2. भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या (*स्नातक उपाधि के लिए 50% अंकों के साथ इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा, किंतु इनके अंक/क्रेडिट मुख्य परीक्षा परिणाम में सम्मिलित नहीं होंगे।)

टिप्पणी:

1. समूह-क सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है।
2. विद्यार्थी समूह-ख एवं समूह-ग से एक-एक विषय का चयन कर सकते हैं अथवा समूह-ग में उपरि लिखित विषयों में से किन्हीं दो विषयों का चयन कर सकते हैं। विद्यार्थी किसी भी स्थिति में समूह-ख से 2 विषयों का चयन नहीं कर सकेंगे।

प्रथम वर्ष**प्रथम षण्मासिक****06 क्रेडिट**

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
समूह ख संस्कृत पाठ्यक्रम	BSAN 01	संस्कृत व्याकरण (परिचयात्मक)	04	60
	BSAN 02	संस्कृत साहित्य (परिचय एवं इतिहास)	02	30

द्वितीय षण्मासिक**06 क्रेडिट**

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
समूह ख संस्कृत पाठ्यक्रम	BSAN 03	संस्कृत साहित्यम्- 1	04	60
	BSAN 04	संस्कृत व्याकरणशास्त्र -1	02	30

द्वितीय वर्ष

तृतीय षण्मासिक

06 क्रेडिट

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
समूह ख संस्कृत पाठ्यक्रम	BSAN 05	भारतीयदर्शनम् - I	04	60
	BSAN 06	संस्कृत व्याकरणशास्त्र -II	02	30

चतुर्थ षण्मासिक

06 क्रेडिट

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
समूह ख संस्कृत पाठ्यक्रम	BSAN 07	वैदिकसाहित्यम् - I	04	60
	BSAN 08	संस्कृत व्याकरणशास्त्र -III	02	30

तृतीय वर्ष

पञ्चम षण्मासिक

09 क्रेडिट

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
समूह ख संस्कृत पाठ्यक्रम	BSAN 09	संस्कृतसाहित्यम् - II	04	60
	BSAN 10	भारतीय दर्शनम् -II	03	45
	BSAN 11	धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास - 1	02	30

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
समूह ख संस्कृत पाठ्यक्रम	BSAN 12	वैदिकसाहित्यम् – II	04	60
	BSAN 13	संस्कृत साहित्यम् – III	03	45
	BSAN 14	धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास – II	02	30

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएंगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

संस्कृत विभाग, साहित्य विद्यापीठ
एल ओ सी एफ (LOCF) प्रारूप
बी.ए. सामान्य (संस्कृत)

प्रथम सेमेस्टर
प्रथम पत्र

1. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत व्याकरण (परिचयात्मक)

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: BSAN 01

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 4 __ 4. सेमेस्टर: प्रथम सेमेस्टर

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत संस्कृत व्याकरण (परिचयात्मक) विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या शब्दरूप, धातुरूप, अव्यय, प्रत्यय एवं संभाषण ज्ञान तथा संज्ञा प्रकरण सहित निबन्ध लेखन आदि का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी शब्दरूप, धातुरूप, अव्यय, प्रत्यय का ज्ञान ग्रहण करेगा
- विद्यार्थी संभाषण के विभिन्न बिन्दुओं की जानकारी प्राप्त करेगा
- पाठक संज्ञा प्रकरण द्वारा सूत्र आदि से परिचित होगा।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	9+6=15
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	शब्दरूप धातुरूप, अव्यय, प्रत्यय एवं संभाषण वाक्य	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -2	लघुसिद्धान्त कौमुदी संज्ञा प्रकरण सन्धि प्रकरण प्रमुख सूत्र	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -3	निबन्ध लेखन अनुच्छेद लेखन (अनुवाद) अपठित गद्यांश	15	3	2	20	33.3%

योग		45	9	6	60	100%

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , अलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की	√	√	-	-	-	-	-	-

प्राप्ति								

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)	मौखिकी (20%)

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. कौशल किशोर पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी - 221002, प्रथम संस्करण, 1995 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, पं. श्रीगोमतीप्रसाद शास्त्री मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221001, दशम संस्करण, 1985
2	संदर्भ-ग्रंथ	3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, पं. श्रीसूर्यनारायण शुक्ल, वाराणसेय संस्कृत संस्थान, वाराणसी - 2, द्वितीय संस्करण, 1988 4. प्रौढ-रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नखास चौक, गोरखपुर, प्रथम संस्करण, सन् 1961
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब

		द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

द्वितीय पत्र

1. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत साहित्य (परिचय एवं इतिहास)

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: BSAN 02

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 2 __ **4. सेमेस्टर:** प्रथम सेमेस्टर

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य के परिचय एवं इतिहास विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या वेद, उपनिषद्, ब्राह्मण, वेदांग सहित लौकिक साहित्य सामान्य परिचय में रामायण, महाभारत, पुराण, महाकाव्य, नाटक, कथा-साहित्य एवं प्रसिद्ध काव्यशास्त्रीयों आदि का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- पाठक शब्दरूप, धातुरूप, अव्यय, प्रत्यय का ज्ञान ग्रहण करेगा
- शिक्षार्थी संभाषण के विभिन्न बिन्दुओं की जानकारी प्राप्त करेगा
- विद्यार्थी संज्ञा प्रकरण द्वारा सूत्र आदि से परिचित होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

संख्या		व्याख्या न	ट्यूटोरिय ल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Int eraction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent age share to the Course)
अन्विति -1	वैदिक साहित्य सामान्य परिचय वेद ,उपनिषद्, ब्राह्मण, वेदांग	10	3	2	15	50%
अन्विति -2	लौकिक साहित्य सामान्य परिचय रामायण, महाभारत, पुराण, महाकाव्य परिचय, नाटक परिचय, कथा- साहित्य , कवि एवं कृति परिचय ,भरत, भामह, वामन,मम्मट कुन्तक,	10	3	2	15	50%

	विश्वनाथ पण्डित जगन्नाथ आदि का विवेचन					
योग		20	6	4	30	100%

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण , श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8

पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी , 2008 2. भारतीय साहित्यशास्त्र , बलदेव उपाध्याय , चौखम्बा प्रकाशन , वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 2. संस्कृत कवि दर्शन , डॉ० भोला शंकर

		व्यास , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

द्वितीय सेमेस्टर

तृतीय पत्र

1.पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत साहित्यम्- 1

(Name of the Course)

2.पाठ्यचर्या का कोड: BSAN 03

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 4 __ 4. सेमेस्टर: द्वितीय सेमेस्टर

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या महाकाव्य, गद्यकाव्य , नाटक , छन्द एवं अंलकार आदि का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर

विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी महाकाव्य विधा को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

- विद्यार्थी गद्यकाव्य विधा को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठों को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी नाटक विधा को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी छन्द एवं अलंकार विधा को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	महाकाव्य रघुवंशम् प्रथम सर्ग द्वितीय सर्ग पञ्चमसर्ग	15	2	1	18	25%
अन्विति -2	गद्यकाव्य दशमकुमार चरितम् (सोमदत्त कथा) कादम्बरी (शुकनासोप	15	2	1	18	25%

	देश)					
अन्विति -3	नाटक अभिज्ञान शाकुंतलम् प्रथम एवं चतुर्थ अंक स्वप्नसवदत्तम् प्रथम एवं चतुर्थ	10	1	1	12	25%
अन्विति -4	छंद एवं अलंकार परिचय	10	1	1	12	25%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

5. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण , श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित	05	05	07	08	

अंक					
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. रघुवंशम् , मल्लिनाथ , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी 2. दशमकुमारचरितम् (सोमदत्त कथा) ,

		चन्द्रकला व्या. शेषराज शर्मा रेग्मी , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 3. कादम्बरी (शुकनासोपदेश), भट्ट मथुरा नाथ शास्त्री , निर्णय सागर प्रेस , मुम्बई 4. अभिज्ञानशाकुंतलम् (प्रथम एवं चतुर्थ अंक) , सुधाकर मालवीय , सरला हिन्दी व्या. , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. स्वप्नवसवदत्तम् (प्रथम एवं चतुर्थ) , कलमेश्वरी , हिंदी व्या, बाल गोविन्द झा , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. अलंकारसर्वस्वम् , हिंदी टीका सहित , रेवाप्रसाद द्विवेदी , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

चतुर्थ पत्र

1. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत व्याकरणशास्त्र -1

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: BSAN 04

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 2 __ **4. सेमेस्टर:** द्वितीय सेमेस्टर

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरणशास्त्र विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरण के सुबन्त प्रकरण एवं स्त्री प्रत्यय प्रकरण आदि का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरण के सुबन्त प्रकरण को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरण के स्त्री प्रत्यय प्रकरण को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	24
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4+2=6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

						share to the Course)
अन्विति -1	लघुसिद्धान्त कौमुदी- सुवन्त प्रकरण	12	2	1	15	50%
अन्विति -2	स्त्री प्रत्यय प्रकरण , प्रयोगात्मक वाक्य निर्माण	12	2	1	15	50%
योग		24	4	2	30	100%

टिप्पणी:

7. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
8. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	-	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

7. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. कौशल किशोर पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी - 221002, प्रथम संस्करण, 1995

		2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, पं. श्रीगोमतीप्रसाद शास्त्री मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221001, दशम संस्करण, 1985
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. प्रौढ-रचनानुवादकौमुदी – डॉ.कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नखास चौक, गोरखपुर, प्रथमसंस्करण, सन् 1961
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

तृतीय सेमेस्टर

पंचम – पत्र

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारतीयदर्शनम् - I

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: BSAN 05

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 4 __ 4. सेमेस्टर: तृतीय सेमेस्टर

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या भारतीय आस्तिक एवं नास्तिक दर्शनों के प्रमुख तत्त्व एवं अवधारणाओं का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर

विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी भारतीय दर्शन की आस्तिक ज्ञान परम्परा को जानने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी भारतीय दर्शन की नास्तिक ज्ञान परम्परा को जानने में सक्षम होगा।
- भारतीय दर्शनों के परस्पर अन्तःसम्बन्ध को जानने में सक्षम होगा।
- दर्शन के संदर्भ में आधुनिक विज्ञान को आत्मसात करने में सक्षम होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/		

				Laboratory)		age share to the Course)
अन्विति -1	भारतीय दर्शन परिचय सांख्य दर्शन (साङ्ख्य कारिका की सिद्धांतपरक कारिकाएँ) योग दर्शन (समाधि एवं साधना पाद के प्रमुख सूत्र) न्याय दर्शन परिचय (प्रमुख बिंदु, तत्व एवं अवधारणा)	25	3	2	30	50%
अन्विति -2	वैशेषिक परिचय (तर्कसंग्रह) पूर्व मीमांसा परिचय उत्तरमीमांसा परिचय द्वैत, अद्वैत, विशिष्टाद्वैत	25	3	2	30	50%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

9. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
10. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

9. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)	मौखिकी (20%)

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. सर्वदर्शनसंग्रह, माधवाचार्य , प्रो० उमा शङ्कर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी , 1964 2. सांख्यकारिका , ईश्वरकृष्ण मिश्र (व्याख्याकार) , राकेश शास्त्री, संस्कृत ग्रन्थागार , दिल्ली , 2004 3. तर्कसंग्रह , गोविन्दाचार्य , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , 2017 4. पातञ्जलयोगदर्शनम् , पतञ्जलि (व्याख्याकार) , सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , 1993
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. भारतीय दर्शन , भारतीय दर्शन की रूपरेखा , प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली , 1995 2. भारतीय दर्शन , राधा कृष्णन , राजपाल

		एण्ड सन्ज , कश्मीरी गेट, दिल्ली , 2015
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

षष्ठ पत्र

1.पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत व्याकरणशास्त्र –II

(Name of the Course)

2.पाठ्यचर्या का कोड: BSAN 06

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 2 __ **4. सेमेस्टर:** तृतीय सेमेस्टर

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरणशास्त्र विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरण के कारक प्रकरण एवं समास प्रकरण का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर

विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरणशास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरणशास्त्र के कारक प्रकरण एवं वाक्य निर्माण का ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरणशास्त्र के समास प्रकरण का ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होगा।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	24
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4+2=6
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	कारक प्रकरण लघुसिद्धान्त कौमुदी प्रमुख सूत्र	12	2	1	15	50%
अन्विति -2	समास - प्रकरण लघुसिद्धान्त कौमुदी प्रमुख सूत्र	12	2	1	15	50%
योग		24	4	2	30	100%

टिप्पणी:

11. मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
12. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

- 11.** X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
- 12.** एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक	30%	50%	20%

प्रतिशत			

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, पं. श्रीगोमतीप्रसाद शास्त्री मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221001, दशम संस्करण, 1985 2. लघुसिद्धान्त कौमुदी प्रकाशिका , डॉ० जीत सिंह खोखर , अल्का हिंदी व्याख्या सहित, चौखम्बा पब्लिशर्स , वाराणसी, 2002
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. कौशल किशोर पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी - 221002, प्रथम संस्करण, 1995
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

चतुर्थ सेमेस्टर

सप्तम पत्र

1. पाठ्यचर्या का नाम: वैदिकसाहित्यम् - I

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: BSAN 07

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 4 __ **4. सेमेस्टर:** चतुर्थ सेमेस्टर

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या वैदिक साहित्य विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या वैदिक साहित्य के प्रमुख सूक्तों एवं उपनिषदों की शिक्षा वल्लियों सहित निरुक्तशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्तों का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर

विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी वैदिक सूक्त ज्ञान विधा को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत सूक्त को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी उपनिषदों की शिक्षा वल्लियों को जानने में सक्षम होगा एवं शैक्षिक ज्ञान ग्रहण करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी निरुक्तशास्त्र के प्रमुख विषयों को आत्मसात करने में सक्षम होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	9+6=15
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/		

			अपेक्षित हैं)	Training/ Laboratory)	घंटे	(Percent age share to the Course)
अन्विति -1	ऋग्वेद अग्नि 1/1, उषा 3/61, नदी 3/33, हिरण्यगर्भ 10/121 यजुर्वेद शिवसंकल्प सूक्त 34/1-6 अथर्ववेद सामनस्य 3.30, भूमि- 12.1-12	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -2	ईशोपनिषद् तैत्तरीय उपनिषद् शिक्षा वल्ली, कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय)	15	3	2	20	33.3%
अन्विति	निरुक्त परिचय एवं	15	3	2	20	33.3%

-3	प्रमुख सिद्धान्त					
योग		45	9	6	60	100%

टिप्पणी:

13. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

14. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम	√	√	-	-	-	-	-	-

परिणाम की प्राप्ति								

टिप्पणी:

13. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
14. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- वैदिक सूक्त मञ्जरी, रघुवीर वेदालङ्कार, चौखम्बा ओरियण्टालिया, दिल्ली, 2009 - ऋगसूक्त सन्दर्शिका, डॉ० बालगोविन्द झा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005 - निरुक्त, यास्क, प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि, सम्पादक, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2001

2	संदर्भ-ग्रंथ	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी , 2008 2. वैदिक देवता उद्भव एवं विकास , गया चरण त्रिपाठी , राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान , नई दिल्ली
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

अष्टम पत्र

1. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत व्याकरणशास्त्र –III

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: BSAN 08

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 2 __ **4. सेमेस्टर:** चतुर्थ सेमेस्टर

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरणशास्त्र विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या लघुसिद्धान्त कौमुदी के धातुपाठ के प्रथमगण समूह एवं द्वितीय गण समूह की प्रमुख धातुओं का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	24
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4+2=6
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरणशास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त करने में सक्षम होगा ।
- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरणशास्त्र धातुपाठ के प्रथमगण धातुओं का ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरणशास्त्र धातुपाठ के द्वितीय गण धातुओं का ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	लघुसिद्धान्त कौमुदी प्रथमगण भ्वादिगण, दिवादिगण, तुदादिगण, चुरादिगण सार्वधातुक लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्	12	2	1	15	50%
अन्विति	लघुसिद्धान्त कौमुदी	12	2	1	15	50%

-2	द्वितीय गण समूह अदादि, जुहो त्यादि , स्वादि, रुधादि, तनादि, क्र्यादि सार्वधातुक खण्ड लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्					
योग		24	4	2	30	100%

टिप्पणी:

15. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

16. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

15. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
16. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित	05	05	07	08	

अंक					
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविन्दप्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी -

		221001, प्रथम संस्करण, 2007 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी भैमीव्याख्या (प्रथम भाग), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन 537, लाजपतराय मार्केट, दिल्ली - 110006, तृतीय संस्करण, 1993
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. कौशल किशोर पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी - 221002, प्रथम संस्करण, 1995 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, पं. श्रीगोमतीप्रसाद शास्त्री मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221001, दशम संस्करण, 1985 3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, पं.श्रीसूर्यनारायण शुक्ल, वाराणसेय संस्कृत संस्थान, वाराणसी - ,द्वितीय संस्करण, 1988
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

नवम पत्र

(Name of the Course)

(Code of the Course)

(Credit) **(Semester)**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या पद्यकाव्य, नाटक एवं पंचतन्त्र आदि का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर

विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी संस्कृत पद्यकाव्य विधा को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- अध्येता संस्कृत नाटक विधा को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी पंचतन्त्र के शैक्षिक महत्त्व को समझने में सक्षम होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent
		व्याख्या न	ट्यूटोरिय ल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Int eration/ Training/		

				Laboratory)		age share to the Course)
अन्विति -1	पद्यकाव्य कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) गद्यकाव्य , शिवराज विजयम् (द्वुतपाठ)	22	5	3	30	50%
अन्विति -2	पञ्चतन्त्र अपरीक्षित कारकम्, मित्रलाभ नाटक कर्णभारम् (द्वुतपाठ)	22	5	3	30	50%
योग		44	10	6	60	100%

टिप्पणी:

17. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

18. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग

विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

17. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
18. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक	30%	50%	20%

प्रतिशत			

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. कुमारसम्भवम् , मल्लिनाथ , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी । 2. शिवराजविजयम् , अम्बिकादत्त , हिंदी टीका सहित , डॉ० रमा शंकर मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी । 3. पञ्चतन्त्र, विष्णु शर्मा , हिन्दी व्या. डॉ० सुधाकर मालवीय , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी । 4. कर्णभारम्, इन्दुकला हिंदी व्याख्या सहित , वैद्यनाथ झा , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी ।
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 2. भारतीय साहित्यशास्त्र , बलदेव उपाध्याय , चौखम्बा प्रकाशन , वाराणसी ।
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

दशम पत्र

1.पाठ्यचर्या का नाम: भारतीय दर्शनम् -II

(Name of the Course)

2.पाठ्यचर्या का कोड: BSAN 10

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 3 __ **4. सेमेस्टर:** पंचम सेमेस्टर

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या सांख्यकारिका, वेदान्तसार, तर्कसंग्रह, पातञ्जलयोगसूत्रम् तथा शैवदर्शन के प्रत्यभिज्ञाहृदयम् ग्रन्थ के सिद्धान्तों का प्रवेशात्मक ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर

विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी वेदान्त दर्शन के प्रकरण ग्रन्थ वेदान्तसार से परिचित होगा और इसके सिद्धान्तों को पाठ के द्वारा व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- शिक्षार्थी सांख्य दर्शन के प्रकरण ग्रन्थ सांख्यकारिका से परिचित होगा और इसकी कारिकाओं द्वारा विवेचित विषयों को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- पाठक योग दर्शन के प्रसिद्ध ग्रन्थ पातञ्जलयोगसूत्र से परिचित होगा और इसके यौगिक विषयों को आत्मसात करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी वैशेषिक दर्शन के प्रकरण ग्रन्थ तर्कसंग्रह अवगत होगा।
- छात्र शैवदर्शन से परिचित होगा एवं प्रत्यभिज्ञाहृदयम् ग्रन्थ के सूत्रों द्वारा शैवसिद्धान्तों को आत्मसात हेतु प्रवेश करने के लिए सक्षम होगा।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	39
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	3+3=6
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	45

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	वेदान्तसार अनुबन्धचतुष्टय, अज्ञान, सूक्ष्मप्रपञ्च, स्थूलप्रपञ्च, लिंगशरीर, पञ्चीकरण, महावाक्यार्थ, जीवन्मुक्त	13	1	1	15	33.3%
अन्विति -2	योगदर्शन (प्रथम एवं द्वितीय पाद) सांख्यदर्शन सांख्यकारिका (01 से 40 कारिका) न्याय तर्कसंग्रह	13	1	1	15	33.3%

	(प्रमुख तत्व एवं अवधारणा)					
अन्विति -3	शैवदर्शन परिचय एवं प्रमुख अवधारणा , प्रत्यभिज्ञा-हृदयम् (द्वुतपाठ)	13	1	1	15	33.3%
योग		39	3	3	45	100%

टिप्पणी:

19. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
20. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

19. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
20. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित	05	05	07	08	

अंक					
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वेदान्तसार , वेदान्तसार, सदानन्द , राकेश शास्त्री , परिमल पब्लिकेशन्स , दिल्ली , 2004 2. सांख्यकारिका , ईश्वरकृष्ण मिश्र

		(व्याख्याकार) , राकेश शास्त्री, संस्कृत ग्रन्थागार , दिल्ली , 2004 3. तर्कसंग्रह , गोविन्दाचार्य , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , 2017 4. पातञ्जलयोगदर्शनम् , पतञ्जलि (व्याख्याकार) , सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , 1993 5. प्रत्यभिज्ञाहृदयम् , स्वामे जी महाराज , पीताम्बरा पीठ दत्तिया, प्रकाशक , श्री पीताम्बरपीठ संस्कृत परिषद् , दत्तिया , मध्य प्रदेश
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. भारतीय दर्शन , भारतीय दर्शन की रूपरेखा , प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली , 1995 2. सर्वदर्शनसंग्रह, माधवाचार्य , प्रो० उमा शङ्कर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी , 1964
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

एकादश पत्र

1. पाठ्यचर्या का नाम: धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास - 1

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: BSAN 11

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 2 __ **4. सेमेस्टर:** पंचम सेमेस्टर

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या भारतीय धर्मशास्त्र के प्रसिद्ध ग्रन्थ मनुस्मृति, अर्थशास्त्र एवं महाभारत के सामान्य परिचय से करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर

विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी भारतीय धर्मशास्त्र का सामान्य ज्ञान से परिचित होगा।
- अध्येता संस्कृत धर्मशास्त्र विधा को जानने में सक्षम होगा।
- अध्येता मनुस्मृति को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- अर्थशास्त्र के विषयों को जानने में सक्षम होगा।
- पाठक महाभारत के उद्योग पर्व से शैक्षिक ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	24
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	3+3=6
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/		

			अपेक्षित हैं)	Laboratory)		age share to the Course)
अन्विति -1	मनुस्मृति सप्तम अध्याय	8	1	1	10	33.3%
अन्विति -2	अर्थशास्त्र विद्यासमुद्देश प्रकरण, गूढपुरुष प्रकरण	8	1	1	10	33.3%
अन्विति -3	महाभारत उद्योग पर्व (विदुरनीति) 1,2,3 अध्याय	8	1	1	10	33.3%
योग		24	3	3	30	100%

टिप्पणी:

21. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
22. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण

	श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

21. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
22. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक	30%	50%	20%

प्रतिशत			

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. मनुस्मृति, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1983 2. कौटिल्य अर्थशास्त्र, वाचस्पति गैरोला, सम्पादक, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी 3. महाभारत, हिंदी अनुवाद सहित 06 vol., गीताप्रेस गोरखपुर, 2000
2	संदर्भ-ग्रंथ	1.संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

षष्ठम सेमेस्टर

द्वादश पत्र

1. पाठ्यचर्या का नाम: वैदिकसाहित्यम् – II

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: BSAN 12

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 4 __ **4. सेमेस्टर:** षष्ठ सेमेस्टर

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या वैदिक साहित्य विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या वैदिक आख्यान, संवाद एवं ईशोपनीषद् और कठोपनिषद् के सारगर्भित विषयों का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर

विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी वैदिक आख्यानों को जानने में सक्षम होगा।
- अध्येता वैदिक संवाद विधा को जानने में सक्षम होगा एवं उनमें प्रस्तुत विषय को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी उपनिषदों से परिचित होगा एवं उनके शैक्षिक महत्त्व को समझने में सक्षम होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/		

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

			अपेक्षित हैं)	Training/ Laboratory)	घंटे	(Percent age share to the Course)
अन्विति -1	वैदिक संवाद एवं आख्यान पुरुषवा-उर्वशी संवाद, यम- यमी संवाद, सरमा-पणि संवाद, शुनः शेष आख्यान, वाङ्.मनस आख्यान का विवेचन	15	3	2	30	50%
अन्विति -2	उपनिषद् अर्थ एवं प्रमुख विषयवस्तु, ईशोपनिषद्, कठोपनिषद् (सम्पूर्ण)	15	3	2	30	50%
योग		30	6	4	60	100%

टिप्पणी:

23. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
24. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

23. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

24. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक	30%	50%	20%

प्रतिशत			

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वैदिक सूक्त मञ्जरी , रघुवीर वेदालङ्कार , चौखम्बा ओरियण्टालिया , दिल्ली, 2009 2. ऋग्सूक्त सन्दर्शिका , डॉ० बालगोविन्द झा , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , 2005 3. ईशादि नौपनिषद् , शङ्कराचार्य भाष्यार्थ सहित , गीताप्रेस गोरखपुर
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी , 2008
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

त्रयोदश पत्र

25. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत साहित्यम् – III
(Name of the Course)

26. पाठ्यचर्या का कोड: BSAN 13
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 3 __ 4. सेमेस्टर: : षष्ठ सेमेस्टर
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या किरातार्जुनीयम्, उत्तररामचरितम् एवं मेघदूतम् के प्रमुख तत्त्वों का ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के प्रमुख तत्त्वों को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी उत्तररामचरितम् के तृतीय अंक के प्रमुख तत्त्वों को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी मेघदूतम् के पूर्वमेघ में वर्णित प्रमुख तत्त्वों को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/		

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	39
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	3+3=6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	45

			अपेक्षित हैं)	Laboratory)		age share to the Course)
अन्विति -1	किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)	15	1	1	17	33.3%
अन्विति -2	उत्तरराम चरितम् तृतीय अंक	11	1	1	13	33.3%
अन्विति -3	मेघदूतम् पूर्व मेघ	13	1	1	15	33.3%
योग		39	3	3	45	100%

टिप्पणी:

25. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
26. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

27. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
28. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	

निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) , मल्लिनाथ , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी । 2. उत्तररामचरितम् , उत्तररामचरितम् , रामाधार शर्मा , भारतीय विद्याभवन प्रकाशन

		, दिल्ली , 2005 3. मेघदूतम्, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी । 4. रत्नावली नाटिका , आचार्य रामचंद्र मिश्र चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 2. भारतीय साहित्यशास्त्र , बलदेव उपाध्याय , चौखम्बा प्रकाशन , वाराणसी ।
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

चतुर्दश पत्र

29. पाठ्यचर्या का नाम: धर्मशास्त्र एवं

पुराणेतिहास - ॥

(Name of the Course)

30. पाठ्यचर्या का कोड: BSAN 14

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: षष्ठ सेमेस्टर

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या भारतीय धर्मशास्त्र के प्रसिद्ध ग्रन्थ मनुस्मृति, शुक्रनीति, चाणक्य नीति एवं पुराण साहित्य का सामान्य परिचय करवाने में पूर्ण सक्षम है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	24
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4+2=6
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास का सामान्य ज्ञान से परिचित होगा ।
- अध्येता मनुस्मृति के प्रमुख तत्त्वों को जानने में सक्षम होगा ।
- अध्येता चाणक्य नीति एवं शुक्रनीति के प्रमुख तत्त्वों को जानने में सक्षम होगा एवं प्रस्तुत पुराण साहित्य पाठ को व्याख्यायित करने में सक्षम होगा ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
1	परिचय	1	1	1	3	10
2	परिचय	1	1	1	3	10
3	परिचय	1	1	1	3	10
4	परिचय	1	1	1	3	10
5	परिचय	1	1	1	3	10
6	परिचय	1	1	1	3	10
7	परिचय	1	1	1	3	10
8	परिचय	1	1	1	3	10
9	परिचय	1	1	1	3	10
10	परिचय	1	1	1	3	10
11	परिचय	1	1	1	3	10
12	परिचय	1	1	1	3	10
13	परिचय	1	1	1	3	10
14	परिचय	1	1	1	3	10
15	परिचय	1	1	1	3	10
16	परिचय	1	1	1	3	10
17	परिचय	1	1	1	3	10
18	परिचय	1	1	1	3	10
19	परिचय	1	1	1	3	10
20	परिचय	1	1	1	3	10
21	परिचय	1	1	1	3	10
22	परिचय	1	1	1	3	10
23	परिचय	1	1	1	3	10
24	परिचय	1	1	1	3	10
25	परिचय	1	1	1	3	10
26	परिचय	1	1	1	3	10
27	परिचय	1	1	1	3	10
28	परिचय	1	1	1	3	10
29	परिचय	1	1	1	3	10
30	परिचय	1	1	1	3	10
31	परिचय	1	1	1	3	10
32	परिचय	1	1	1	3	10
33	परिचय	1	1	1	3	10
34	परिचय	1	1	1	3	10
35	परिचय	1	1	1	3	10
36	परिचय	1	1	1	3	10
37	परिचय	1	1	1	3	10
38	परिचय	1	1	1	3	10
39	परिचय	1	1	1	3	10
40	परिचय	1	1	1	3	10
41	परिचय	1	1	1	3	10
42	परिचय	1	1	1	3	10
43	परिचय	1	1	1	3	10
44	परिचय	1	1	1	3	10
45	परिचय	1	1	1	3	10
46	परिचय	1	1	1	3	10
47	परिचय	1	1	1	3	10
48	परिचय	1	1	1	3	10
49	परिचय	1	1	1	3	10
50	परिचय	1	1	1	3	10
51	परिचय	1	1	1	3	10
52	परिचय	1	1	1	3	10
53	परिचय	1	1	1	3	10
54	परिचय	1	1	1	3	10
55	परिचय	1	1	1	3	10
56	परिचय	1	1	1	3	10
57	परिचय	1	1	1	3	10
58	परिचय	1	1	1	3	10
59	परिचय	1	1	1	3	10
60	परिचय	1	1	1	3	10
61	परिचय	1	1	1	3	10
62	परिचय	1	1	1	3	10
63	परिचय	1	1	1	3	10
64	परिचय	1	1	1	3	10
65	परिचय	1	1	1	3	10

						share to the Course)
अन्विति -1	शुक्रनीति मनुस्मृति 01,02 अध्याय	12	2	1	15	50%
अन्विति -2	चाणक्य नीति (द्वुतपाठ) पुराण परिचय	12	2	1	15	50%
योग		24	4	2	30	100%

टिप्पणी:

27. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

28. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

31. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
32. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित	05	05	07	08	

अंक					
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. शुक्रनीति,डॉ. जगदीश चन्द्र मिश्र ,चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

		2. मनुस्मृति, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली , 1983 3. चाणक्यनीति, ओम बुक्स इंटरनेशनल , 2016 4. पुराण-विमर्श , बलदेव उपाध्याय , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1.संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग


 (विभागाध्यक्ष/निर्देशक)

(संकायाध्यक्ष)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

संस्कृत विभाग, साहित्य विद्यापीठ



एल ओ सी एफ (LOCF) प्रारूप

एम. ए. (संस्कृत) पाठ्यक्रम

(विशेषज्ञता - साहित्य, व्याकरण, दर्शन एवं वेद)

सत्र - 2020-2022



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)
संस्कृत विभाग , साहित्य विद्यापीठ
संस्कृत विभाग
एम.ए पाठ्यक्रम **LOCF** प्रारूप

1. विभाग/केंद्र का नाम : संस्कृत
(Name of the Department/Centre)

2. पाठ्यक्रम का नाम : एम.ए संस्कृत
(Name of the Programme)

3. पाठ्यक्रम कोड: MSAN
(Code of the Programme)

4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
(Programme Learning Outcomes)

एम.ए संस्कृत पाठ्यक्रम संस्कृत वाङ्मय की मूल परम्परा को केन्द्र में रखकर अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना (LOCF) प्रारूप के आधार पर निर्मित है। इस पाठ्यक्रम के ज्ञानात्मक , कौशलात्मक एवं रोजगार परक अभीष्ट परिणाम अधोलिखित हैं।

पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणाम	
ज्ञान संबंधी	एम.ए संस्कृत पाठ्यक्रम संस्कृत वाङ्मय ज्ञानधार के मूल स्रोत वैदिक साहित्य, व्याकरण, संस्कृत साहित्य एवं दर्शन पर केन्द्रित है। यह पाठ्यक्रम अधोलिखित ज्ञानपक्षों की प्राप्ति हेतु पूर्णतः सक्षम है। वेद • वैदिक साहित्य का संरचनात्मक ज्ञान । • वैदिक भाष्य एवं निरुक्तशास्त्र के विषयों का विशिष्ट ज्ञान । • वेदांग परम्परा एवं वैदिक सूक्त एवं आख्यानों का विश्लेषणात्मक ज्ञान । व्याकरण • संस्कृत भाषा की संरचनात्मक शैली का ज्ञान । • संस्कृत भाषा एवं भाषा विज्ञान का अन्तःसम्बन्धात्मक ज्ञान । • संस्कृत व्याकरण का प्रक्रियापरक एवं अर्थपरक ज्ञान । साहित्य • संस्कृत साहित्य ज्ञान परम्परा का संरचनात्मक ज्ञान । • साहित्यिक ज्ञानविधाओं में महाकाव्य, नाटक , गद्य , पद्य के विषयों का विशिष्ट ज्ञान । • संस्कृत साहित्य के लक्ष्य-लक्षण ग्रन्थों का अन्तःसम्बन्धात्मक ज्ञान । दर्शन • भारतीय दर्शन ज्ञान परम्परा का संरचनात्मक ज्ञान । • भारतीय दर्शन की मूल अवधारणाओं एवं सिद्धान्तों का विशिष्ट ज्ञान । • भारतीय दर्शन में प्रतिपादित विषयों का अन्तःसम्बन्धात्मक ज्ञान ।
कौशल / दक्षता संबंधी	1. वैदिक साहित्य एवं आधुनिक विज्ञान की अन्तःसम्बन्ध में दक्षता प्राप्त होना । 2. संस्कृत व्याकरण में प्रक्रियापरक एवं अर्थपरक दक्षता प्राप्त होना । 3. संस्कृत साहित्य विधाओं में लेखन एवं सृजन कला में दक्षता होना । 4. भारतीय दर्शन के योगात्मक एवं आध्यात्मिक विधा में दक्षता प्राप्त होना ।
रोजगार संबंधी	1. उच्च शिक्षा में अध्यापन कार्य । 2. राजकीय एवं राष्ट्रीय नियुक्तियों में सहभागिता । 3. संस्कृत भाषा में अनुवाद एवं निर्वचन कार्य । 4. भारतीय सेना में धर्मगुरु पद पर कार्य ।

	5. धर्म, अध्यात्म , दर्शन , योग , व्याकरण , भाषा , साहित्य एवं संस्कृत विषयों में प्रशिक्षक कार्य ।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure):

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	04 X 02 = 08 क्रेडिट	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	64 क्रेडिट	26 क्रेडिट	90 क्रेडिट

एम. ए. संस्कृत
प्रथम वर्ष

प्रथम षण्मासिक

क्रेडिट - 22

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSAN 01	व्याकरण एवं भाषा विज्ञान - I	4	60
	MSAN 02	संस्कृत साहित्य एवं काव्य शास्त्र - I	4	60
	MSAN 03	भारतीय दर्शनशास्त्र - I	4	60
	MSAN 04	वैदिक साहित्य - 1	4	60
ऐच्छिक	MSANO 01	धर्मशास्त्रम् एवं अर्थशास्त्रम्	4	60
	MSANO 02	आधुनिक संस्कृत साहित्य	2	30
	MSANO 03	संस्कृत भाषा परिचय - 1	4	60
	MSANO 04	संस्कृत साहित्य परिचय - 1	2	30
		कुल	22	

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSAN 05	व्याकरण एवं भाषा विज्ञान – 2	4	60
	MSAN 06	भारतीय दर्शनशास्त्र – 2	4	60
	MSAN 07	संस्कृत साहित्य एवं काव्य शास्त्र – 2	4	60
	MSAN 08	वैदिक साहित्य - 2	4	60
ऐच्छिक	MSANO 05	पुराणेतिहास एवं पुरालिपि	4	60
	MSANO 06	संस्कृतवादविमर्श	2	30
	MSANO 07	संस्कृत साहित्य परिचय - 2	4	60
	MSANO 08	संस्कृत भाषा परिचय – 2	2	30
		कुल	22	

एम. ए. संस्कृत
द्वितीय वर्ष

विषय विशेषज्ञता - साहित्यम्

तृतीय षण्मासिक

क्रेडिट - 24

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSANS 01	काव्यप्रकाश	4	60
	MSANS 02	वक्रोक्तिजीवितम् एवं काव्यमीमांसा	4	60
	MSANS 03	संस्कृत नाटक	4	60
	MSANS 04	संस्कृत काव्य एवं संस्कृत गद्य साहित्य	4	60
ऐच्छिक	MSANSO 01	वै.सिद्धान्तकौमुदी (अव्ययीभाव एवं तत्पुरुष समास) एवं अनुवाद	4	60
	MSANSO 02	दर्शनशास्त्रेतिहास	2	30
	MSANSO 03	वैदिकवाङ्मयेतिहासः	2	30
	MSANSO 04	भारतीय दर्शन परिचय	4	60
	MSANSO 05	पुराण एवं इतिहास परिचय	2	30
	MSANSO 06	वैदिक वाङ्मय परिचय एवं इतिहास	2	30
		कुल	24	

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSANS 05	ध्वन्यालोकः एवं काव्यप्रकाशः	4	60
	MSANS 06	रसगंगाधरः एवं काव्यप्रकाशः	4	60
	MSANS 07	नाट्यशास्त्रम् एवं दशरूपकम्	4	60
		परियोजना कार्य एवं मौखिकी	4	-
ऐच्छिक	MSANSO 07	योगदर्शनम् एवं पञ्चदशी	4	60
	MSANSO 08	वै.सिद्धान्तकौमुदी (बहुव्रीहि एवं द्वन्द्व समास) एवं अनुवाद	2	30
	MSANSO 09	संस्कृत काव्य	4	60
	MSANSO 10	संस्कृत गद्य साहित्य	2	60
		कुल	22	

एम. ए. संस्कृत
द्वितीय वर्ष

विषय विशेषज्ञता - व्याकरणम्

तृतीय षाण्मासिक

क्रेडिट - 24

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSANVY 01	वाक्यपदीयम् एवं पाणिनीय प्रविधि	4	60
	MSANVY 02	परमलघुमञ्जूषा एवं वै. सिद्धान्तकौमुदी (पूर्वकृदन्त प्रकरण)	4	60
	MSANVY 03	वै. सिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	4	60
	MSANVY 04	वै.सिद्धान्तकौमुदी (अव्ययीभाव एवं तत्पुरुष समास) एवं संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास	4	60
ऐच्छिक	MSANVYO 01	काव्यप्रकाश	4	60
	MSANVYO 02	दर्शनशास्त्रेतिहास	2	30
	MSANVYO 03	वैदिकवाङ्मयेतिहासः	2	30
	MSANVYO 04	भारतीय दर्शन परिचय	4	60
	MSANVYO 05	पुराण एवं इतिहास परिचय	2	30
	MSANVYO 06	वैदिक वाङ्मय परिचय एवं इतिहास	2	30
		कुल	24	

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSANVY 05	वै.भूषणसारः एवं वै.सिद्धान्तकौमुदी- बहुव्रीहि एवं द्वंद्व	4	60
	MSANVY 06	महाभाष्यम्(द्वितीयाह्निक) एवं पाणिनीय प्रविधि	4	60
	MSANVY 07	वै.सिद्धान्तकौमुदी – उत्तरकृदन्त एवं तद्धित प्रकरण	4	60
		परियोजना कार्य एवं मौखिकी	4	-
ऐच्छिक	MSANVYO 07	योगदर्शनम् एवं पञ्चदशी	4	60
	MSANVYO 08	काव्यमीमांसा	2	30
	MSANVYO 09	संस्कृत काव्य	4	60
	MSANVYO 10	संस्कृत गद्य साहित्य	2	30
		कुल	22	

एम. ए. संस्कृत
द्वितीय वर्ष

विषय विशेषज्ञता - दर्शनम्

तृतीय षण्मासिक

क्रेडिट - 24

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSAND 01	न्यायसूत्र एवं न्यायसिद्धांत मुक्तावली	4	60
	MSAND 02	साङ्ख्यतत्त्वकौमुदी एवं योगदर्शनम्	4	60
	MSAND 03	वेदान्तपरिभाषा एवं मीमांसापरिभाषा	4	60
	MSAND 04	न्याय बिन्दु एवं तत्त्वार्थसूत्र	4	60
ऐच्छिक	MSANDO 01	वै.सिद्धान्तकौमुदी (अव्ययीभाव एवं तत्पुरुष समास) एवं अनुवाद	4	60
	MSANDO 02	साहित्यशास्त्रेतिहास	2	30
	MSANDO 03	वैदिकवाङ्मयेतिहासः	2	30
	MSANDO 04	भारतीय दर्शन परिचय	4	60
	MSANDO 05	पुराण एवं इतिहास परिचय	2	30
	MSANDO 06	वैदिक वाङ्मय परिचय एवं इतिहास	2	30
		कुल	24	

चतुर्थ षण्मासिक

क्रेडिट - 22

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSAND 05	सर्वदर्शनसंग्रहः	4	60
	MSAND 06	शारीरकभाष्यम् एवं श्रीभाष्यम्	4	60
	MSAND 07	योगदर्शनम् एवं पञ्चदशी	4	60
		परियोजना कार्य एवं मौखिकी	4	-
ऐच्छिक	MSANDO 07	वै.सिद्धान्तकौमुदी (बहुव्रीहि एवं द्वन्द्व समास) एवं अनुवाद	4	60
	MSANDO 08	काव्यमीमांसा	2	30
	MSANDO 09	संस्कृत काव्य	4	60
	MSANDO 10	संस्कृत गद्य साहित्य	2	30
		कुल	22	

एम. ए. संस्कृत
द्वितीय वर्ष

विषय विशेषज्ञता - वैदिकवाङ्मयम्

तृतीय षण्मासिक

क्रेडिट - 24

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSANV 01	संहिता ग्रंथ	4	60
	MSANV 02	ब्राह्मण एवं उपनिषद् ग्रंथ	4	60
	MSANV 03	वेदांग एवं वैदिक व्याकरण	4	60
	MSANV 04	ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका (सायणाचार्य एवं दयानन्दाचार्य)	4	60
ऐच्छिक	MSANVO 01	वै.सिद्धान्तकौमुदी (अव्ययीभा एवं तत्पुरुष समास) एवं अनुवाद	4	60
	MSANVO 02	दर्शनशास्त्रेतिहास	2	30
	MSANVO 03	साहित्यशास्त्रेतिहास	2	30
	MSANVO 04	भारतीय दर्शन परिचय	4	60
	MSANVO 05	पुराण एवं इतिहास परिचय	2	30
	MSANVO 06	वैदिक वाङ्मय परिचय एवं इतिहास	2	30
		कुल	24	

चतुर्थ षाण्मासिक

क्रेडिट - 22

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSANV 05	शुक्लयजुर्वेद	4	60
	MSANV 06	अथर्ववेद एवं शतपथ ब्राह्मण	4	60
	MSANV 07	निरुक्त एवं वेद व्याख्या	4	60
		परियोजना कार्य एवं मौखिकी	4	-
ऐच्छिक	MSANVO 07	वै.सिद्धान्तकौमुदी (बहुव्रीहि एवं द्वन्द्व समास) एवं अनुवाद	4	60
	MSANVO 08	काव्यमीमांसा	2	30
	MSANVO 09	संस्कृत काव्य	4	60
	MSANVO 10	संस्कृत गद्य साहित्य	2	30
		कुल	22	

टिप्पणी :

1. मूल पाठ्यचर्या 16 क्रेडिट अनिवार्य है ।
2. प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ सेमेस्टर में 06 क्रेडिट तथा तृतीय सेमेस्टर में 08 क्रेडिट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएं हैं , जो मूल विभाग या अन्य विभागों से चयनित की जा सकती हैं ।
3. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित moocs अथवा किसी अन्य प्लेटफॉर्म से 18 क्रेडिट तक ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं को चयन किया जा सकता है ।

एम. ए. संस्कृत
प्रथम-वर्ष
मूल पत्र -1

1. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत व्याकरण एवं भाषा विज्ञान - I
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्याकाकोड: MSAN 01
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04
(Credit)

4. सेमेस्टर: प्रथम षाण्मासिक
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण :
(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या पाणिनीय व्याकरण के प्रारम्भिक विषयों वर्ण, प्रत्याहार, संज्ञा, संधि, आदि का ज्ञान कराने के साथ -2 शब्दरूप का ज्ञान, स्त्री प्रत्यय ज्ञान, शब्दशास्त्र का प्रयोजन तथा भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय कराने में समर्थ है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- पाणिनीय व्याकरण की प्रक्रिया पक्ष को जानते हुए विद्यार्थी वर्ण विज्ञान, संज्ञा सूत्र, परिभाषा सूत्र एवं संधि संरचना को जानने में सक्षम होगा।
- पाणिनीय व्याकरण के लौकिक एवं वैदिक प्रयोजनों को समझ सकेगा।
- पाणिनीय व्याकरण एवं भाषा विज्ञान के अन्तः सम्बन्ध को जान सकेगा।

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत साहित्य एवं काव्यशास्त्र-1

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSAN 02

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: ____ 4 ____ 4. सेमेस्टर: प्रथम षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत

पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य के सामान्य ग्रंथों - गद्य-काव्य, पद्य-काव्य, कथा, आख्यिका तथा नाटकों की सामान्य विधा से परिचित कराने हेतु पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर

विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम

होगा ।

- संस्कृत साहित्य की गद्य विधा से विद्यार्थी सामान्य ग्रहण करेगा
- संस्कृत साहित्य की पद्य विधा से विद्यार्थी सामान्य ग्रहण करेगा
- संस्कृत साहित्य की कथा-अख्यायिका विधा से विद्यार्थी लाभांविता होंगे
- संस्कृत साहित्य के नाटक परम्परा के प्रमुख विषयों को ग्रहण करने में विद्यार्थी समर्थ होगा
- विद्यार्थी नाट्यकला, कथा, आख्यायिका, साहित्य आदि के विषयों की जानकारी प्राप्त करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8+4=12
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	नाट्यकला एवं गद्य-पद्य काव्यात्मक विधाओं का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	60

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)	कुल

संख्या		व्या ख्यान	ट्यूटोरि यल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Inte raction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
अन्विति -1	संस्कृत साहित्य सामान्य ग्रन्थ परिचय पद्य-काव्य बुद्धचरितम्, रघुवंशम्, मेघदूतम्, कुमारसंभवम्, किरातार्जुनीय म्, शिशुपालवध म्, नैषधीयचरित म्	12	2	1	15	25%
अन्विति -2	गद्य काव्य कादम्बरी,हर्ष चरितम्,दशकु मारचरितम्, वासवदत्ता,	12	2	1	15	25%

	बृहत्कथामंजरी					
अन्विति -3	नाटक मृच्छकटिकम् , स्वप्नवासवदत्तम्, अभिज्ञान शाकुन्तलम्, उत्तररामचरितम् , मुद्राराक्षसम् , रत्नावली , वेणीसंहारम् , नागानन्दम्	12	2	1	15	25%
अन्विति -4	काव्यशास्त्र साहित्यदर्पणः काव्यपरिभाषा, शब्दशक्ति,रस एवं स्थायीभाव,रूपक के प्रकार,नाटक लक्षण,गद्य के प्रकार महाकाव्य के	12	2	1	15	25%

	लक्षण का विवेचन					
योग		48	8	4	60	100%

टिप्पणी:

1. माइयूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाल सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	√	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी - संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी - संस्कृत नाटक , ए.बी.कीथ, उदय भानु सिंह , मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली, 1965 - संस्कृत नाटककार , कान्ति किशोर भरतिया , सूचना विभाग , उत्तर प्रदेश , 1959

2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास , जगदीश चन्द्र मिश्र , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास , बलदेव उपध्याय , शारदा निकेतन , वाराणसी 3. Rajiv Malhotra and S Dasa Babaji – ‘The Sanskrit Non-translatables’ (2020: Published by Infinity Foundation, can be purchased through Amazon India 4. Professor Kapil Kapoor – “Sanskrit Literary Theory : A Rajoinder to Eleven Objections” (Source : website of infinity foundation <infintyfoundation.com>
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

4. पाठ्यचर्याका नाम: भारतीय दर्शनशास्त्र - I

(Name of the Course)

5. पाठ्यचर्याकाकोड: MSAN 03

(Code of the Course)

6. क्रेडिट: 4 4. सेमेस्टर: प्रथम षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य भारतीय दर्शनशास्त्र का सामान्य परिचय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को दर्शन विषय में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक प्रकरण ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) :- पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय ग्रहण कर पाएगा
- भारतीय दर्शन में प्रकरण ज्ञान विधा से अवगत हो सकेगा

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	9+6=15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	----
कौशल विकास गतिविधियाँ	तर्कशक्ति का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	60

- वैशेषिक दर्शन प्रतिपादित तर्कसंग्रह ग्रन्थ के विषयों का ज्ञान ग्रहण कर सकेगा
- न्याय दर्शन प्रतिपादित तर्कभाषा ग्रन्थ के विषयों का ज्ञान ग्रहण कर पाएगा
- सांख्यकारिका ग्रन्थ के विषयों का ज्ञान ग्रहण कर सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	तर्क संग्रह सप्तपदार्थ विवेचन गुण विवेचन प्रमाण विवेचन	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -2	तर्क भाषा प्रमातृ विवेचन प्रमेय विवेचन प्रमाण विवेचन प्रमिति की अवधारणाओं	15	3	2	20	33%

	का अध्ययन					
अन्विति -3	सांख्यकारिका (सम्पूर्ण कारिकाएँ) प्रकृतिज्ञान विवेचन सत्कार्यवाद विवेचन पुरुषबहुत्व विवेचन	15	3	2	20	33%
योग		45	9	6	60	100%

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी

	इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	√	-	-	-	-

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण

		(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. तर्कसंग्रह , गोविन्दाचार्य , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , 2017 2. तर्कभाषा , केशव मिश्र (व्याख्याकार) , श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार , मेरठ , 1972 3. साख्यकारिका , ईश्वरकृष्ण मिश्र (व्याख्याकार) , राकेश शास्त्री, संस्कृत ग्रन्थागार , दिल्ली , 2004
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. भारतीय दर्शन , जगदीश चन्द्र मिश्र , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , संस्करण , 2012 2. भारतीय दर्शन की रूपरेखा , प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली , 1995 3. तर्कभाषा , केशव मिश्र (व्याख्याकार) , आचार्य बदरीनाथ शुक्ल , मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 1968 4. साख्यकारिका , ईश्वरकृष्ण मिश्र (व्याख्याकार) , ब्रजमोहन चतुर्वेदी, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस , दिल्ली , 1968 5. Rajiv Malhotra – ‘India’s Net : Defending Hinduism’s Philosophical Unity’, NOIDA, HarperCollins, 2015
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी

		पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

7. पाठ्यचर्याका नाम: वैदिक साहित्य - 1

(Name of the Course)

8. पाठ्यचर्याकाकोड: MSAN 04

(Code of the Course)

9. क्रेडिट: ____ 4 ____ 4. सेमेस्टर: प्रथम षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत

पाठ्यचर्या का उद्देश्य वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को वैदिक विषय में प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक ज्ञान प्रदान करना है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर

विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+8=20
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	नैतिकता एवं आध्यात्मिक चेतना का विकास
कुल क्रेडिटघंटे	60

होगा ।

- वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- ऋग्वैदिक देवताओं के परिचय से अवगत होगा
- संवाद सूक्तों के विषयों का ज्ञान ग्रहण कर सकेगा
- वैदिक साहित्य के इतिहास से अवगत हो पाएगा
- वैदिक शब्दों की शब्द व्युत्पत्तियों का ज्ञान ग्रहण कर सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	ऋग् वैदिक देवता अग्नि, सवितृ, विष्णु, इन्द्र, रुद्र, बृह स्पति, अश्विनौ, वरुण , उषस्, सोम आदि का वर्णन	10	3	2	15	25%
अन्विति -2	संवाद सूक्त पुरुषा-उर्वशी,	10	3	2	15	25%

	सरमा-पणि, विश्वामित्र- नदी विशेष सूक्त नासदीय हिरण्यगर्भ पुरुष सूक्त आदि का वर्णन					
अन्विति -3	वैदिक साहित्य का इतिहास कालभेद ऋग्वेद का क्रम मन्त्रपाठ भेद वेदांग	10	3	2	15	25%
अन्विति -4	शब्द- व्युत्पत्ति आचार्य,वीर,ह द,गो,समुद्र,वृ त्र,आदित्य, उषस्,मेघ,वा क्,उदक,नदी, अश्व,अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर	10	3	2	15	25%

	इत्यादि ।					
योग		40	12	8	60	100%

टिप्पणी:

5. माइयूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य

लक्ष्य	1	2	3	4	5	6	7	8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	√	-	-	-	-

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)	मौखिकी (20%)

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वैदिक देवता उद्भव एवं विकास , गया चरण त्रिपाठी , राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान , नई दिल्ली 2 .वैदिक सूक्त मञ्जरी , रघुवीर वेदालङ्कार , चौखम्बा ओरियण्टलिया , दिल्ली , 2009 3. ऋग्सूक्त सन्दर्शिका , डॉ० बालगोविन्द झा , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , 2005 4. निरुक्त , यास्क , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि, सम्पादक, चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी , 2001
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन ,

		वाराणसी , 2008 2. .संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम भाग-वेद) , उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान , लखनऊ 3. निरुक्त के पांच अध्याय , शिवनारायण शास्त्री , सम्पादक , इंडोलॉजिकल बुक हाऊस , दिल्ली , 1972
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

10. पाठ्यचर्याका नाम: धर्मशास्त्रम् एवं अर्थशास्त्रम् (ऐच्छिक)

(Name of the Course)

11. पाठ्यचर्याकाकोड: MSANO 01

(Code of the Course)

12. क्रेडिट: 4 4. सेमेस्टर: प्रथम षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या धर्मशास्त्रम् एवं अर्थशास्त्रम् आधारित है। जिसका मनुस्मृति याज्ञवल्क्यस्मृति, कौटिल्य अर्थशास्त्र के विभिन्न विषयों की जानकारी प्राप्त करवाना उद्देश्य है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :- पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा

|

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	46
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	9+5=14
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

- मनुस्मृति द्वारा विद्यार्थियों की नैतिकता का विकास होगा
- याज्ञवल्क्यस्मृति द्वारा विद्यार्थियों की व्यावहारिक पक्षों का विकास होगा
- कौटिल्य अर्थशास्त्र द्वारा राजनैतिक विषयों पक्षों का विकास होगा
- प्राचीना अर्थव्यवस्था एवं न्याय प्रणाली से परिचित होकर सामाजिक विकास को प्राप्त करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	मनुस्मृति प्रथम, द्वितीय, सप्तम अध्याय	16	3	1	20	33.3%
अन्विति -2	याज्ञवल्क्य स्मृति (व्यवहाराध्याय)	10	3	2	15	33.3%
अन्विति -3	कौटिल्य अर्थशास्त्र प्रथम से दस अधिकार तक	20	3	2	25	33.3%

	अध्ययन					
योग		46	9	5	60	100%

टिप्पणी:

7. माइयूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
8. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8

पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

7. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)	मौखिकी (20%)

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. मनुस्मृति, शिवराज आचार्य, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2013 2. याज्ञवल्क्यस्मृति, महर्षि याज्ञवल्क्य, पं० नारायण शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत सीरिज, 2017 3. कौटिल्य अर्थशास्त्र, वाचस्पति गौरोला, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, 1962
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. धर्मशास्त्र का इतिहास, पी.वी.काणे, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ, 1982 2. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, सं.सं.वि.वि. वाराणसी, 1960

		3. पुराण विमर्श, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8+2=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	गद्य एवं पद्य रचना के प्रति रुचि उत्पन्न

	करना
कुल क्रेडिट घंटे	30

13. पाठ्यचर्या का नाम: आधुनिक संस्कृत साहित्य
(ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

14. पाठ्यचर्या का कोड: MSANO 02

(Code of the Course)

15. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: प्रथम षाण्मासिक
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत पाठ्यचर्या आधुनिक संस्कृत साहित्य के सामान्य परिचय पर केन्द्रित है। जिसका उद्देश्य गद्यसाहित्य एवं पद्य साहित्य की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :
पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- शिक्षार्थी संस्कृत साहित्य में गद्य की जानकारी प्राप्त करेगा
- अध्येता पद्य साहित्य के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

अन्विति -1	आधुनिक संस्कृत गद्य साहित्य एवं इतिहास	10	4	1	15	50%
अन्विति -2	आधुनिक संस्कृत पद्य साहित्य एवं इतिहास	10	4	1	15	50%
योग		20	8	2	30	100%

टिप्पणी:

9. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
10. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य

लक्ष्य	1	2	3	4	5	6	7	8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

9. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी 2. आधुनिक काव्यशास्त्रीयसमीक्षणम्, रमाकान्त पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर, 2009 3. संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास , रेवा प्रसाद द्विवेदी, कालिदास संस्थान , वाराणसी , 2007
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. आधुनिककाल का संस्कृत गद्य साहित्य, कलानाथ शास्त्री, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् , 1995 2. आधुनिक संस्कृत साहित्य, प्रो० राधावल्लभ त्रिपाठी एवं प्रो० रमाकान्त शुक्ल , प्रतिभा प्रकाशन , नई दिल्ली , 2001

		3. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, नागेन्द्र , नेशनल पब्लिशिंग हाऊस , दिल्ली, सं० , 1973 4. Rajiv Malhotra and S Dasa Babaji – ‘The Sanskrit Non-translatables’ (2020: Published by Infinity Foundation, can be purchased through Amazon India 5 Professor Kapil Kapoor – “Sanskrit Literary Theory : A Rajoinder to Eleven Objections” (Source : website of infinity foundation <infintyfoundation.com> 6. Rajiv Malhotra - ‘The Battle For Sanskrit’ : NOIDA, HarperCollins, 2016
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

16. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत भाषा परिचय - 1

(ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

17. पाठ्यचर्या का कोड: MSANO 03

(Code of the Course)

18. क्रेडिट: __ 4 __ 4. सेमेस्टर: प्रथम

षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत भाषा परिचय पर केन्द्रित है। जिसका उद्देश्य परिचय, वर्ण ज्ञान, वर्णमाला, धातुपाठ एवं ध्वनियों की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी संस्कृत भाषा का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- शिक्षार्थी संस्कृत साहित्य में वर्णमाला एवं धातुपाठ की जानकारी प्राप्त करेगा
- अध्येता संस्कृत भाषा की ध्वनियों संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+8=20
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	काव्य, महाकाव्य, नाटकों के प्रति रुचि उत्पन्न करना
कुल क्रेडिट घंटे	60

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent age share to
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

						the Course)
अन्विति -1	संस्कृत भाषा परिचय. महत्त्व एवं विशेषताएँ वाग्व्यवहार में प्रयुक्त शिष्टाचार एवं अभिनंदन के वाक्य	10	3	2	15	25%
अन्विति -2	संस्कृत वर्णमाला संस्कृत वर्णमाला से हिन्दी वर्णमाला का अंतर, उच्चारण -भेद	10	3	2	15	25%
अन्विति -3	संस्कृत ध्वनियों की प्रमुख विशेषताएँ शब्द, पद, शब्द एवं विभक्ति। शब्द रूप – पुंल्लिंग- अकारांत राम , इकारांत- मुनि, कवि , ईकारांत- सुधी , उकारांत-	10	3	2	15	25%

	गुरु, साधु ऋकारांत- कर्तृ, ओकारांत- गो स्त्रीलिंग- आकारांत- लता, बालिका उकारांत-धेनु					
अन्विति -4	क्रियापद एवं लकार। पुरुष एवं वचन। संस्कृत में लघु वाक्य रचना तथा अव्यय	10	3	2	15	25%
योग		40	12	8	60	100%

टिप्पणी:

11. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
12. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

11. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
12. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी , भीमसेन शास्त्री , भैमी व्याख्या , भैमी प्रकाशन, दिल्ली 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी , गोविन्द प्रसाद शर्मा , सम्पा. रघुनाथ शास्त्री , चौखम्बा संस्कृत सीरिज,वाराणसी 3. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका , चक्रधर हंस

		नौटियाल, मोतीलाल बनारसी दास , दिल्ली
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. भाषा विज्ञान , भोलानाथ तिवारी , किताब महल , इलहबाद , 1992 2. संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन , भोला शंकर व्यास , चौखम्बा विद्या भवन , 1957 3. प्रौढ रचना अनुवाद कौमुदी , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी 4. संस्कृत शिक्षण सरणी , आचार्य राम शास्त्री , परिमल पब्लिकेशन्स , दिल्ली 5. Rajiv Malhotra - 'The Battle For Sanskrit' : NOIDA, HarperCollins, 2016 6. Professor Kapil Kapoor – “Sanskrit Literary Theory : A Rajinder to Eleven Objections” (Source : website of infinity foundation <infinityfoundation.com>
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

19. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत साहित्य परिचय-1
(ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

20. पाठ्यचर्या का कोड: MSANO 04

(Code of the Course)

21. क्रेडिट: __ 2 __ **4. सेमेस्टर:** प्रथम
षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य के सामान्य परिचय पर केन्द्रित है। जिसका उद्देश्य काव्य, महाकाव्य, खंडकाव्य, नाटक एवं नाटककारों की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- शिक्षार्थी संस्कृत साहित्य में काव्य, महाकाव्य की जानकारी प्राप्त करेगा
- अध्येता नाटक एवं नाटककारों के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8+2=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	काव्य, महाकाव्य, नाटकों के प्रति रुचि उत्पन्न करना
कुल क्रेडिट घंटे	30

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/प्रशिक्षण/	

			(यदि अपेक्षित हैं)	प्रयोगशाला..(Int eraction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	अंश (Percent age share to the Course)
अन्विति -1	काव्य महाकाव्य , खंडकाव्य का सामान्य परिचय	10	4	1	15	50%
अन्विति -2	संस्कृत के प्रमुख नाटक एवं नाटककार	10	4	1	15	50%
योग		20	8	2	30	100%

टिप्पणी:

13. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

14. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

13. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
14. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, सं.सं.वि.वि. वाराणसी, 1960 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत नाटक , ए.बी.कीथ, उदय भानु सिंह

		, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली, 1965 2. संस्कृत नाटककार , कान्ति किशोर भरतिया , सूचना विभाग , उत्तर प्रदेश , 1959 3. संस्कृत साहित्य का इतिहास , बलदेव उपध्याय , शारदा निकेतन , वाराणसी ।
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

एम. ए. संस्कृत
प्रथम-वर्ष
मूल पत्र - 5

1. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत व्याकरण एवं भाषा विज्ञान - II
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्याकाकोड: MSAN 05
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04
(Credit)

4. सेमेस्टर: द्वितीय षाण्मासिक
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशा ला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण :
(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या संस्कृत कारकों एवं विभक्तियों के ज्ञान के साथ साथ संस्कृत वाक्य निर्माण पद्धति, समास, तथा तिङन्त विधि को अवगत कराने में सक्षम है। शब्दार्थ सम्बन्ध को स्पष्ट करते हुए भाषा विज्ञान के विभिन्न तत्वों को अवगमन कराने में सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- संस्कृत व्याकरण की दृष्टि से कारक एवं विभक्तियों को समझते हुए वाक्य संरचना करने में सक्षम होगा ।
- संस्कृत व्याकरण की समास विधि तथा तिङन्त विधि को समझते हुए सामासिक पद एवं क्रिया पदों के प्रयोग में सक्षम होगा ।
- शब्दार्थ सम्बन्ध को स्पष्ट रूप से जानते हुए व्याकरण शास्त्र की प्रवृत्ति को समझने में सक्षम होगा ।
- पाणिनीय व्याकरण एवं भाषा विज्ञान के अन्तः सम्बन्ध को जानने में सक्षम होगा ।
- विद्यार्थी पाणिनीय व्याकरण की प्रविधियों को जानकर उन्हें अपने चिंतनानुसार संवर्धन करने में सक्षम होगा।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	व्याकरण: 1.कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी से प्रमुख सूत्र एवं अन्य चयनित भाग) 2.समास प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी से प्रमुख सूत्र)	18	04	01	23	25%
मॉड्यूल-2	तिङन्त प्रकरण- 1.भ्वादि- (भू,एध्,पठ्,अत्,)	17	04	01	22	25%

	(गम्, दृश्, स्था, वद्, नी- विद्यार्थियों के अभ्यासार्थ) 2. अदादि-(अस्, हन्) 3. जुहोत्यादि- (भी, दा) 4. दिवादि- 5. (जनी, नृत्) 6. स्वादि-(चिञ्) 7. तुदादि- (लिख्, इष्,) 8. रुधादि – (भुज्) 9. तनादि – (कृञ्) 10. क्रयादि – (ज्ञा) 11. चुरादि – (गण्, कथ्)					
मॉड्यूल- 3	महाभाष्य- सिद्धे 1. शब्दार्थसम्बन्धे..... वर्णोपदेशप्रयोजनम् । (पस्पशाह्निक)	10			10	25%
मॉड्यूल- 4	भाषा-विज्ञान- 1. ध्वनि-नियम, ध्वनि-परिवर्तन के कारण, 2. अर्थ-परिवर्तन, 3. भारोपीय भाषा परिवार परिचय, 4. भाषा-वाक् में अंतर इत्यादि ।	05			05	25%

योग		50	08	02	60	100%

टिप्पणी:

15. माइयूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

16. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम
विधियाँ	चर्चा विधि , व्याख्यान विधि , विश्लेषणात्मक विधि , प्रश्नाभ्यास
तकनीक	संवाद , ICT, संस्कृत apps, प्रकृतिकरण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख , Ppt , epg पाठशाला वीडियो

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8

पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X√	√	√	X√	-X	-	-X	-

टिप्पणी:

15. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
16. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित	परियोजना/ प्रतिवेदन	

	प्रस्तुतीकरण	लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. शास्त्री, भीमसेन, लघुसिद्धान्तकौमुदी ,भैमी व्याख्या , भैमी प्रकाशन, दिल्ली 2. शर्मा, गोविन्द प्रसाद, लघुसिद्धान्तकौमुदी , सम्पा. रघुनाथ शास्त्री , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 3.गोविन्दाचार्य,वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी, 2010 4. पतञ्जलि ,महाभाष्य, प्रदीप उद्योत सहित , सम्पा. आचार्य वेदव्रत , हरियाणा साहित्य संस्थान , झज्जर गुरुकुल , रोहतक , 1962-63 5. द्विवेदी , कपिलदेव,भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी 6. तिवारी, भोलानाथ ,भाषा विज्ञान , किताब महल , इलाहबाद , 1992
2	संदर्भ-ग्रंथ	7. शास्त्री , शिव नारायण ,महाभाष्य प्रदीप प्रकाश , परिमल प्रकाशन , दिल्ली , 1991

		8. व्यास , भोला शंकर ,संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन , चौखम्बा विद्या भवन , 1957 9. Professor Kapil Kapoor – “Sanskrit Literary Theory : A Rajinder to Eleven Objections” (Source : website of infinity foundation <infintyfoundation.com>
3	ई-संसाधन	9. यूट्यूब विडियो, 10. epg पाठशाला 11. archive.org पर उपलब्ध पाठ्यपुस्तक एवं अन्य पाठ्यसामग्री
4	अन्य	शोध आलेख, कक्षागत नोट्स

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

एम. ए. संस्कृत
प्रथम-वर्ष
मूल पत्र - 5

1. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत व्याकरण एवं भाषा विज्ञान - II

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्याकाकोड: MSAN 05

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04

(Credit)

4. सेमेस्टर: द्वितीय षाण्मासिक

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशा ला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण :

(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या संस्कृत कारकों एवं विभक्तियों के ज्ञान के साथ साथ संस्कृत वाक्य निर्माण पद्धति, समास, तथा तिङन्त विधि को अवगत कराने में सक्षम है। शब्दार्थ सम्बन्ध को स्पष्ट करते हुए भाषा विज्ञान के विभिन्न तत्वों को अवगमन कराने में सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- संस्कृत व्याकरण की दृष्टि से कारक एवं विभक्तियों को समझते हुए वाक्य संरचना करने में सक्षम होगा।

- संस्कृत व्याकरण की समास विधि तथा तिङन्त विधि को समझते हुए सामासिक पद एवं क्रिया पदों के प्रयोग में सक्षम होगा ।
- शब्दार्थ सम्बन्ध को स्पष्ट रूप से जानते हुए व्याकरण शास्त्र की प्रवृत्ति को समझने में सक्षम होगा ।
- पाणिनीय व्याकरण एवं भाषा विज्ञान के अन्तः सम्बन्ध को जानने में सक्षम होगा ।
- विद्यार्थी पाणिनीय व्याकरण की प्रविधियों को जानकर उन्हें अपने चिंतनानुसार संवर्धन करने में सक्षम होगा।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	व्याकरण: 1.कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी से प्रमुख सूत्र एवं अन्य चयनित भाग) 2.समास प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी से प्रमुख सूत्र)	18	04	01	23	25%
मॉड्यूल-2	तिङन्त प्रकरण- 1.भ्वादि- (भू,एध्,पठ्,अत्,) (गम्,दृश्,स्था,वद्,नी-विद्यार्थियों के	17	04	01	22	25%

	अभ्यासार्थ) 2.अदादि-(अस्,हन्) 3.जुहोत्यादि- (भी,दा) 4.दिवादि- 5.(जनी,नृत्) 6.स्वादि-(चिञ्) 7.तुदादि- (लिष्,इष्,) 8.रुधादि – (भुञ्) 9.तनादि – (कृञ्) 10.क्रयादि – (ज्ञा) 11.चुरादि – (गण्,कथ्)					
मॉड्यूल- 3	महाभाष्य- सिद्धे 1.शब्दार्थसम्बन्धे..... वर्णोपदेशप्रयोजनम् । (पस्पशाह्निक)	10			10	25%
मॉड्यूल- 4	भाषा-विज्ञान- 1.ध्वनि-नियम, ध्वनि-परिवर्तन के कारण, 2.अर्थ-परिवर्तन, 3.भारोपीय भाषा परिवार परिचय, 4.भाषा-वाक् में अंतर इत्यादि ।	05			05	25%
योग		50	08	02	60	100%

टिप्पणी:

17. माइयूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
18. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम
विधियाँ	चर्चा विधि , व्याख्यान विधि , विश्लेषणात्मक विधि , प्रश्नाभ्यास
तकनीक	संवाद , ICT, संस्कृत apps, प्रकृतिकरण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख , Ppt , epg पाठशाला वीडियो

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X√	√	√	X√	-X	-	-X	-

टिप्पणी:

17. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
18. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. शास्त्री, भीमसेन, लघुसिद्धान्तकौमुदी ,भैमी व्याख्या , भैमी प्रकाशन, दिल्ली 2. शर्मा, गोविन्द प्रसाद, लघुसिद्धान्तकौमुदी , सम्पा. रघुनाथ शास्त्री , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 3.गोविन्दाचार्य,वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी, 2010 4. पतञ्जलि ,महाभाष्य, प्रदीप उद्योत सहित , सम्पा. आचार्य वेदव्रत , हरियाणा साहित्य संस्थान , झज्जर गुरुकुल , रोहतक , 1962-63 5. द्विवेदी , कपिलदेव,भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी 6. तिवारी, भोलानाथ ,भाषा विज्ञान , किताब महल , इलाहबाद , 1992
2	संदर्भ-ग्रंथ	7. शास्त्री , शिव नारायण ,महाभाष्य प्रदीप प्रकाश , परिमल प्रकाशन , दिल्ली , 1991 8. व्यास , भोला शंकर ,संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन , चौखम्बा विद्या भवन , 1957 9. Professor Kapil Kapoor – “Sanskrit

		Literary Theory : A Rajinder to Eleven Objections” (Source : website of infinity foundation <infintyfoundation.com>
3	ई-संसाधन	9. यूट्यूब विडियो, 10. epg पाठशाला 11. archive.org पर उपलब्ध पाठ्यपुस्तक एवं अन्य पाठ्यसामाग्री
4	अन्य	शोध आलेख, कक्षागत नोट्स

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

22. पाठ्यचर्याका नाम: भारतीय दर्शनशास्त्र – 2

(Name of the Course)

23. पाठ्यचर्याकाकोड: MSAN 06

(Code of the Course)

24. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर:** द्वितीय षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):

प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य भारतीय दर्शनशास्त्र का परिचय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को दर्शन विषय की प्रमुख अवधारणाओं एवं बिंदुओं को स्पष्ट करवाना एवं वेदांत और मीमांसा के प्रारम्भिक प्रकरण ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	15
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	9+6= 15
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	तर्कशक्ति का विकास
कुल क्रेडिटघंटे	60

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा

|

- भारतीय दर्शन का परिचय ग्रहण करने में समर्थ होगा
- भारतीय दर्शन की प्रमुख अवधारणाओं का बिंदु सहित ज्ञान ग्रहण कर सकेगा
- वेदांत दर्शन प्रतिपादित वेदांतसार ग्रन्थ के विषयों का ज्ञान ग्रहण कर सकेगा
- मीमांस दर्शन प्रतिपादित अर्थसंग्रह ग्रन्थ के विषयों का ज्ञान ग्रहण कर पाएगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	वेदान्तसारः अनुबन्ध चतुष्टय, अज्ञान, अध्यारोप- अपवाद, लिंगशरीरोत्पत्ति, पंचीकरण का विवेचन	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -2	योग-जैन- चार्वाक बौद्ध दर्शनों का परिचय, प्रमुख	15	3	2	20	33.3%

	बिंदु, तत्व एवं अवधारणाएं					
अन्विति -3	अर्थसंग्रह: विधि, निषेध, अर्थवाद का विवेचन	15	3	2	20	33.3%
योग		45	9	6	60	100%

टिप्पणी:

19. माइयूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

20. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

19. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

20. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- वेदान्तसार, सदानन्द , परिमल पब्लिकेशन्स , दिल्ली , 2004 - सर्वदर्शनसंग्रह, माधवाचार्य , प्रो० उमा शङ्कर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी , 1964 - अर्थसंग्रह , लौगाक्षिभास्कर , व्या. कामेश्वरनाथ मिश्र , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , 1983

2	संदर्भ-ग्रंथ	1. वेदान्तसार, सदानन्द , आचार्य राममूर्ति शर्मा, ईस्टर्न बुक लिंकर्स , दिल्ली, 2001 2. भारतीय दर्शन , भारतीय दर्शन की रूपरेखा , प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली , 1995 3. भारतीय दर्शन , राधा कृष्णन , राजपाल एण्ड सन्ज , कश्मीरी गेट, दिल्ली , 2015 4. अर्थसंग्रह , लौगाक्षिभास्कर , व्या. दयाशंकर शास्त्री , चौखम्बा विद्या वाराणसी 5. Rajiv Malhotra – ‘India’s Net : Defending Hinduism’s Philosophical Unity’, NOIDA, HarperCollins, 2015 6. Rajiv Malhotra – “Being Different : An Indian Challenge to Western Universalism” New Delhi, HarperCollins, 2011
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

Template for the Course

25. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत साहित्य एवं
काव्य शास्त्र – II

(Name of the Course)

26. पाठ्यचर्या का कोड: MSAN 07

(Code of the Course)

27. क्रेडिट: 4 4. सेमेस्टर:
षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	9+6=15
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य एवं काव्य शास्त्र विषय पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या रस, छंद, दशकुमार-चरितम्, ध्वन्यालोक आदि का सामानाय ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य की काव्य परम्परा का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- पाठक रस, छन्द, अलंकार आदि के महत्त्व से परिचित होगा
- विद्यार्थी दशकुमार-चरित एवं ध्वन्यालोक के सामान्य विषयों से अवगत हो पाएगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

माँड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	रस छंद, अलंकार	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -2	दशकुमार-चरितम् (अष्टमोच्छवास)	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -3	ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)	15	3	2	20	33.3%
योग		45	9	6	60	100%

टिप्पणी:

21. माँड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
22. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

21. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
22. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. अलंकार मञ्जुषा , डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. दशकुमार चरितम् (अष्टमोच्छवास) , दण्डी , सीताचरण भट्टाचार्य , केदार नाथ शर्मा, चौखम्बा सीरिज ऑफिस , वाराणसी , 1978 3. ध्वन्यालोक , व्या. आचार्य विश्वेश्वर , ज्ञानमण्डल लिमिटेड , वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी 2. छन्दोमञ्जरी , व्या. ब्रह्मनन्द त्रिपाठी , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी 3. ध्वन्यालोक , लोचन टीका सहित , जगन्नाथ पाठक , चौखम्बा प्रकाशन , वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

28. पाठ्यचर्याका नाम: वैदिक साहित्य - 2

(Name of the Course)

29. पाठ्यचर्याकाकोड: MSAN 08

(Code of the Course)

30. क्रेडिट: ____ 4 ____ **4. सेमेस्टर:** द्वितीय षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत

पाठ्यचर्या का उद्देश्य वैदिक साहित्य के विभाजन का परिचय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को आख्यान, उपनिषद, एवं निरुक्त के प्रमुख विषयों का ज्ञान प्रदान करना है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- वैदिक साहित्य के विभाजन के अवगत हो पाएगा
- वैदिक आख्यानो के प्रमुख विषय का ज्ञान प्रदान कर पाएगा
- उपनिषद के प्रमुख विषयोंको ग्रहण करने में समर्थ होगा

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+8=20
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	नैतिकता एवं आध्यात्मिक चेतना का विकास
कुल क्रेडिटघंटे	60

- निरुक्त के प्रमुख सिद्धांतों का ज्ञान ग्रहण करते हुए भाषा विषय को आत्मसात करने में समर्थ होगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	संहिताएं ऋग्वेद - अग्नि (1.1), इन्द्र (2.12) हिरण्यगर्भ (10.121) नासदीय (10.129) पुरुष (10.90) वाक् (10.125) अथर्ववेद -	10	3	2	15	25%

	पृथिवी (12.1)					
अन्विति -2	आरण्यक एवं ब्राह्मण लक्षण एवं विशेषता, दर्श पौर्णमास यज्ञ, पञ्चमहा यज्ञ, आख्यान- शुनःशेष आख्यान तथा वाङ्मनस , वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अंतर, वैदिक व्याख्या पद्धति प्राचीन	10	3	2	15	25%

	एवं अर्वाचीन पद्धति का विवेचन					
अन्विति -3	उपनिषद् ईश,केन,कठ (सम्पूर्ण अध्ययन,मंत्र और अध्याय) बृहदारण्यक,तै त्तिरीय,इत्या दि (विषयवस्तु एवं अवधारणा)	10	3	2	15	25%
अन्विति -4	निरुक्त नाम, आख्यात, उपसर्ग, निपात , निरुक्ताध्यय न उद्देश्य, निर्वचन- सिद्धान्त आदि का वर्णन	10	3	2	15	25%

योग		40	12	8	60	100%

टिप्पणी:

23. माइयूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

24. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाल सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8

पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	√	-	-	-	-

टिप्पणी:

23. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

24. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)	मौखिकी (20%)

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- वैदिक सूक्त मञ्जरी , रघुवीर वेदालङ्कार , चौखम्बा ओरियण्टालिया , दिल्ली, 2009 - ऋग्सूक्त सन्दर्शिका , डॉ० बालगोविन्द झा , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , 2005 - ईशादि नौपनिषद् , शङ्कराचार्य भाष्यार्थ सहित , गीताप्रेस गोरखपुर - निरुक्त , यास्क , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि, सम्पादक, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी , 2001
2	संदर्भ-ग्रंथ	निरुक्त के पांच अध्याय , शिवनारायण शास्त्री , सम्पादक , इंडोलॉजिकल बुक हाऊस , दिल्ली , 1972

		2. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी , 2008 3. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम भाग-वेद) , उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान , लखनऊ
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	9+6=15

31. पाठ्यचर्या का नाम: पुराणेतिहास एवं पुरालिपि

(Name of the Course)

32. पाठ्यचर्या का कोड: MSANO 05

(Code of the Course)

33. क्रेडिट: 4 4. सेमेस्टर: द्वितीय

षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	पुराणेतिहास एवं पुरालिपिविषयों के प्रति रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत पाठ्यचर्या पुराणेतिहास एवं पुरालिपि विषय पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या पुराणेतिहास तथा पुरालिपि के संदर्भ में सामान्य जानकारी प्रदान करने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी पुराणेतिहास एवं पुरालिपि का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- पाठक पुराण का अर्थ, परिचय, प्रकार एवं उपपुराणों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त करेगा
- इतिहास लक्षण एवं इतिहास ग्रंथों के परिचय के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा
- पुरालिपि एवं अभिलेख तथा विभिन्न लिपियों से अवगत हो पाएगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

						Course)
अन्विति -1	पुराण लक्षण एवं पुराण ग्रंथों का परिचय महापुराणों एवं उपपुराणों का विस्तृत परिचय	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -2	इतिहास लक्षण एवं इतिहास ग्रंथों का परिचय रामायण एवं महाभारत का विस्तृत परिचय	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -3	पुरालिपि अभिलेख मौर्यकालिक एवं गुप्तकालिक लिपि परिचय अशोक के प्रमुख अभिलेख एवं शिलालेख उत्तर मौर्यकालिक अभिलेख गुप्तकालिक एवं उत्तर गुप्तकालिक अभिलेख	15	3	2	20	33.3%

योग		45	9	6	60	100%

टिप्पणी:

25. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

26. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

25. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
26. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. पुराण विमर्श , बलदेव उपाध्याय , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी, 2007 2. भारतीय पुरालिपि विद्या , कृष्ण दत्त वाजपेयी , विद्यानिधि प्रकाशन , दिल्ली , 1996 3. भारतीय पुरालिपि एवं अभिलेख, एस.एन.राय , शारदा पुस्तक भवन , इलाहबाद , 1994
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी 2. भारतीय अभिलेख , एस.एस.राणा , भारतीय विद्या प्रकाशन , दिल्ली , 1978
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

34. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत वादविमर्श

(Name of the Course)

35. पाठ्यचर्या का कोड: MSANO 06

(Code of the Course)

36. क्रेडिट: ___ 2 ___ 4. सेमेस्टर: द्वितीय

षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत वादविमर्श विषय पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या व्याकरण, साहित्य एवं दर्शनशास्त्र में वाद सिद्धान्तों का पुनरावलोकन है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी संस्कृत वादविमर्श परम्परा का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- पाठक व्याकरण, साहित्य एवं दर्शनशास्त्र के वाद सिद्धान्तों का ज्ञान ज्ञान ग्रहण करेगा
- संस्कृत वाद विमर्शों द्वारा छात्रों की तर्कशक्ति का विकास होगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	21
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+3=9
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	संस्कृत वाद सिद्धान्तों द्वारा तर्क शक्ति का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	30

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent age share to the
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

						Course)
अन्विति -1	व्याकरणशास्त्र में वादविमर्श	7	1	2	10	33.3%
अन्विति -2	साहित्यशास्त्र में वादविमर्श	7	1	2	10	33.3%
अन्विति -3	दर्शनशास्त्र में वादविमर्श	7	1	2	10	33.3%
योग		21	3	6	30	100%

टिप्पणी:

27. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

28. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला का प्रयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स**(Course Learning Outcome Matrix)**

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

27. **X-पाठ्यचर्या** द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
28. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. पाणिनीये व्याकरणे प्रमाणमीमांसा , मण्डन मिश्र , स.सं. वि. वाराणसी । 2. भूषणसारतत्त्वप्रकाशिका , क.वे. रामकृष्ण आचार्य , राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठम् , तिरुपति 3. लघुमञ्जूषा और अर्थविज्ञान – परमानन्द झा, न्यु भारतीय बुक कार्पोरेशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2012 4. ध्वन्यालोक लोचन , जगन्नाथ पाठक , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी 5. सर्वदर्शनसंग्रह, माधवाचार्य , प्रो० उमा शङ्कर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी , 1964

2	संदर्भ-ग्रंथ	1. भारतीय दर्शन , भारतीय दर्शन की रूपरेखा , प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली , 1995 2. शब्दविमर्श प्रो. शारदा चतुर्वेदी, निदेशक, अनुसन्धान संस्थान, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रथम संस्करण, 2006
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

37. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत साहित्य

परिचय – 2

(Name of the Course)

38. पाठ्यचर्या का कोड: MSANO 07

(Code of the Course)

39. क्रेडिट: __ 4 __ 4. सेमेस्टर: द्वितीय

षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	9+6=15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	संस्कृत साहित्य अध्ययन के प्रति रुचि का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य परिचय विषय पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या रस, छन्द, अलंकार एवं हितोपदेश तथा अभिज्ञानशाकुन्तल श्लोकों के सामान्य विश्लेषण पर निर्मित है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी संस्कृत में रस, छन्द, अलंकार का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- शिक्षार्थी हितोपदेश के द्वारा नैतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षा ग्रहण करेगा
- अभिज्ञानशाकुन्तल नाटक के प्रथम अंक से परिचित होगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

						the Course)
अन्विति -1	रस, छंद, अलंकार	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -2	अभिज्ञान शाकुन्तल – प्रथम अंक	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -3	हितोपदेश मित्रलाभ	15	3	2	20	33.3%
योग		45	9	6	60	100%

टिप्पणी:

29. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

30. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला का प्रयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix) पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए।

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

29. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
30. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. अभिज्ञानशाकुंतलम् (प्रथम अंक) , सुधाकर मालवीय , सरला हिन्दी व्या. , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी । 2. अलंकारसर्वस्वम् , हिंदी टीका सहित , रेवाप्रसाद द्विवेदी , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी ।

		3. हितोपदेश , नारायण पण्डित , रामेश्वर भट्ट एवं नारायण राम आचार्य , चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान , दिल्ली
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

40. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत भाषा
परिचय - 2

(Name of the Course)

41. पाठ्यचर्या का कोड: MSANO 08

(Code of the Course)

42. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर:**
द्वितीय षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	संस्कृत भाषा अध्ययन के प्रति रुचि का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत भाषा परिचय विषय पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या संधि एवं लकार के सामान्य विश्लेषण पर निर्मित है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी संस्कृत में संधि का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- अध्येता संधि के त्रिविध प्रकारों से परिचित होगा
- शिक्षार्थी लकार ज्ञान ग्रहण करते हुए काल की जानकारी प्राप्त करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

						the Course)
अन्विति -1	संधि परिभाषा - संधि के भेद स्वर संधि यण्, अयादि, गुण, वृद्धि, पररूप, पूर्वरूप, दीर्घ संधि व्यञ्जन संधि श्रुचत्व, घृत्व, जश्त्व, चर्त्व, छत्व, परसवर्ण विसर्ग संधि रुत्व, विसर्ग, रलोप, विसर्गलोप	10	3	2	15	50%
अन्विति -2	लकार (काल) एवं क्रियापद लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् कारक एवं विभक्ति परिभाषा, प्रकार - सूचक चिह्न	10	3	2	15	50%
योग		20	6	4	30	100%

टिप्पणी:

31. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
32. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला का प्रयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix) पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए ।

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

- 31.** X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
- 32.** एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी , भीमसेन शास्त्री , भैमी व्याख्या , भैमी प्रकाशन, दिल्ली 2. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका , चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसी दास , दिल्ली 3. प्रौढ रचना अनुवाद कौमुदी , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी , गोविन्द प्रसाद शर्मा , सम्पा. रघुनाथ शास्त्री , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. संस्कृत शिक्षण सरणी , आचार्य राम शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स , दिल्ली
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

Handwritten signature
30/10/2020
(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: संहिता ग्रंथ

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSANV 01

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 4_ **4. सेमेस्टर:** तृतीय षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संहिता ग्रंथ केन्द्रित है। जिसमें संहिताओं के चयनित भाग के मन्त्रों का विश्लेषण किया गया है। यह पाठ्यचर्या ऋग्वेद संहिता के चयनित भाग मन्त्रों का ज्ञान करवाने में पूर्णतः सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी वैदिक संहिताओं का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- विद्यार्थी संहिता ग्रंथ के मन्त्रों की जानकारी प्राप्त करेगा
- संहिताओं के मन्त्रों के व्याख्या को आत्मसात् करेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/		

				Laboratory)		age share to the Course)
अन्विति -1	ऋग्वेद 1.90, 2.20, 30 3.61, 4.24, 5.1 (चयनित मंत्रभाग)	25	3	2	30	50%
अन्विति -2	ऋग्वेद 6.22, 7.71, 8.91, 9.83, 10.117 (चयनित मंत्रभाग)	25	3	2	30	50%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग

तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)	सत्रांत परीक्षा (75%)

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. ऋग्वेद संहिता , सायण भाष्य सहित, भीष्मदत्त शर्मा , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. ऋग्वेद संहिता, प्रकाश हिंदी व्या. , ईश्वर चन्द्र , चार भाग , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. ऋग्वेद का सुबोध भाष्य , सातवलेकर , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् , उव्वटभाष्य सहित , रामप्रसाद त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

4. पाठ्यचर्या का नाम: ब्राह्मण एवं उपनिषद् ग्रंथ

(Name of the Course)

5. पाठ्यचर्या का कोड: MSANV 02

(Code of the Course)

6. क्रेडिट: __ 4_ **4. सेमेस्टर:** तृतीय षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या ब्राह्मण एवं उपनिषद् ग्रंथ ग्रन्थों पर केन्द्रित है। इसमें ब्राह्मण एवं प्रमुख चयनित उपनिषदों का वर्णन है। यह पाठ्यचर्या दोनों विषयों का सामान्य ज्ञान करवाने में पूर्णतः सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी उपनिषदों का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- विद्यार्थी ब्राह्मण ग्रन्थों से परिचित होगा
- ब्राह्मण एवं उपनिषद् ग्रंथ ग्रन्थों का ज्ञान करेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल पाठ्यचर्या
		व्याख्या	ट्यूटोरिय	संवाद/प्रशिक्षण/	

		न	ल (यदि अपेक्षित हैं)	प्रयोगशाला..(Int eraction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	में प्रतिशत अंश (Percent age share to the Course)
अन्विति -1	ब्राह्मण ऐतरेय ब्राह्मण- प्रथम पंचिका	25	3	2	30	50%
अन्विति -2	उपनिषद् केन, ईश, श्वेता- श्वतरोपनिषद्	25	3	2	30	50%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख ,

	फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	

निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. ईशादि नौपनिषद् , गीताप्रेस गोरखपुर , उत्तर प्रदेश 2. ऐतरेयब्राह्मणम् , सायण भाष्य सहित , सुधाकर मालवीय , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 3. ऐतरेयब्राह्मणम् , शशिप्रभा हिंदी व्याख्या , डॉ० जमुना पाठक , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. वैदिक साहित्य का इतिहास , रमाकान्त शास्त्री , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी , 2008 3. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम भाग-वेद) , उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान , लखनऊ 4. Rajiv Malhotra – “Being Different : An Indian Challenge to Western Universalism” New Delhi, HarperCollins, 2011
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि

4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

7. पाठ्यचर्या का नाम: वेदांग एवं वैदिक व्याकरण

(Name of the Course)

8. पाठ्यचर्या का कोड: MSANV 03

(Code of the Course)

9. क्रेडिट: __ 4__ **4. सेमेस्टर:** तृतीय षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या वेदांग एवं वैदिक व्याकरण ग्रन्थों पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या वेदांग एवं वैदिक व्याकरण के विषयों का सामान्य ज्ञान करवाने में पूर्णतः सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी वैदिक व्याकरण का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- विद्यार्थी शिक्षा ग्रन्थों से परिचित होगा
- वैदिक व्याकरण के सिद्धान्तों का से अवगत होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल

संख्या		व्याख्या न	ट्यूटोरिय ल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Int eraction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent age share to the Course)
अन्विति -1	वेदांग शिक्षा, ज्योतिष, प्रातिशाख्य आदि	25	3	2	30	50%
अन्विति -2	वैदिक व्याकरण पदपाठ, सुबंत, क्त्वार्थक, तुमर्थ क प्रत्यय	25	3	2	30	50%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

- माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग

तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)	सत्रांत परीक्षा (75%)

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वेदभाष्यभूमिकासंग्रह , सायणाचार्य , बलदेव उपाध्याय , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. प्रातिशाख्यों में पारिभाषिक शब्दों का आलोचनात्मक अध्ययन , डॉ० इन्द्रा , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी , 2008 2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम भाग-वेद) , उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान , लखनऊ
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

Template for the Course

10. पाठ्यचर्या का नाम:

ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका

(Name of the Course)

11. पाठ्यचर्या का कोड: MSANV 04

(Code of the Course)

12. क्रेडिट: 4 4. सेमेस्टर: तृतीय

षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका पर केन्द्रित है। इसमें सायण आचार्य एवं महर्षि दयानन्द के भाष्य अनुसार चयनित विषयों का पठन पाठन किया जाएगा। यह पाठ्यचर्या दोनों आचार्यों के मतों का समान्य ज्ञान करवाने में पूर्णतः सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- विद्यार्थी आचार्य सायण के मतानुसार ग्रन्थ का ज्ञान ग्रहण करेगा
- छात्र आचार्य दयानन्द के अनुसार ग्रन्थ को आत्मसात करेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

माँड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या न	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	ऋग्वेदादि भाष्यभूमिका (सायणाचार्य के अनुसार, चयनित विषय)	25	3	2	30	50%
अन्विति -2	ऋग्वेदादि भाष्यभूमिका (दयानन्दाचार्य के अनुसार, चयनित विषय)	25	3	2	30	50%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

7. माँड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
8. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

7. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. ऋग्वेदभाष्यभूमिका , सायणाचार्य कृत , शारदीय हिंदी व्याख्या, शारदा चतुर्वेदी , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् , उव्वटभाष्य सहित , हिंदी टीका सहित , वीरेन्द्र कुमार शर्मा , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. वैदिक सूक्त मञ्जरी , रघुवीर वेदालङ्कार , चौखम्बा ओरियण्टालिया , दिल्ली, 2009 2. ऋग्सूक्त सन्दर्शिका , डॉ० बालगोविन्द झा , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , 2005 3. Rajiv Malhotra – “Being Different : An Indian Challenge to Western Universalism” New Delhi, HarperCollins, 2011
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो

		एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

ऐच्छिक पत्र - 1

1. पाठ्यचर्या का नाम: वै.सिद्धान्तकौमुदी (अव्ययीभाव एवं तत्पुरुष समास) एवं संस्कृत अनुवाद

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVO 01

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04

(Credit)

4. सेमेस्टर: तृतीय षण्मासिक

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण : (Description of Course)

यह पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरण की सामासिक प्रक्रिया का उच्च ज्ञान एवं संस्कृत व्याकरण शास्त्र के इतिहास को अवगत कराने में सक्षम है ।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- संस्कृत व्याकरण की सामासिक प्रक्रिया का उत्कृष्ट ज्ञान सम्पादित करने में सक्षम होगा ।
- सिद्धान्तकौमुदी की इस प्रक्रिया भाग को जानकर सामासिक पदों की व्युत्पत्ति करने में सक्षम होगा ।
- पाणिनीय व्याकरण के पद सम्बन्धी व्यवस्थाओं को जानने में सक्षम होगा ।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

- विद्यार्थी पाणिनीय व्याकरण की सामासिक पद विषयक प्रविधियों को जानकर उन्हें अपने चिंतनानुसार संवर्धन करने में सक्षम होगा।
- संस्कृत भाषा में अनुवाद करने में सक्षम होगा।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	अव्ययीभाव प्रकरण	15	01	01	18	33.3%
मॉड्यूल-2	तत्पुरुष प्रकरण	20	02	01	15	33.3%
मॉड्यूल-3	संस्कृत अनुवाद सरल वाक्यनुवाद, पठित गद्यांश अनुवाद अपठित गद्यांश अनुवाद	15	02	01	14	33.3%

योग		50	06	04	60	100%

टिप्पणी:

9. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
10. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम ,
विधियाँ	चर्चा विधि , व्याख्यान विधि , विश्लेषणात्मक विधि , प्रश्नाभ्यास
तकनीक	संवाद , ICT, संस्कृत apps, प्रकृतिकरण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख , Ppt , epg पाठशाला वीडियो

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की	√	√	√	-	-	-	-	-

प्राप्ति								

टिप्पणी:

9. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
10. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन	मौखिकी

(80%)			(20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पुनर्मुद्रण 1996 2. व्याकरण सिद्धान्त कौमुदी , भट्टोजिदीक्षित , चौखम्बा भारतीय प्रकाशन , वाराणसी , 1990

		3.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी म. म. पं. गिरधरशर्मा चतुर्वेदी तथा म. म. पं. परमेश्वरानन्दशर्माभास्कर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली - 110007,पुनर्मुद्रण 1989
2	संदर्भ-ग्रंथ	4.जिज्ञासु, पं. ब्रह्मदत्त - अष्टाध्यायी (भाष्य) प्रथमावृत्ति, रामलालकपूरट्रस्ट, बहालगढ़, सोनीपत,हरियाणा 5. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका , चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसी दास , दिल्ली 6. प्रौढ रचना अनुवाद कौमुदी , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी 7. संस्कृत शिक्षण सरणी , आचार्य राम शास्त्री , परिमल पब्लिकेशन्स , दिल्ली
3	ई-संसाधन	8. यूट्यूब विडियो, 9. epg पाठशाला 10. archive.org पर उपलब्ध पाठ्यपुस्तक एवं अन्य पाठ्यसामाग्री
4	अन्य	शोध आलेख, कक्षागत नोट्स

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

13. पाठ्यचर्या का नाम: दर्शनशास्त्रेतिहास (विशेषज्ञता-
वैदिकवाङ्मयम् -ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

14. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVO 02

(Code of the Course)

15. क्रेडिट: ____ 2__ 4. सेमेस्टर:
तृतीय षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या दर्शनशास्त्रेतिहास के परिचय पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या दर्शनशास्त्रेतिहास की सामान्य जानकारी प्रदान करने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी दर्शन साहित्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	24
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4+2=6
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दार्शनिक विषयों के प्रति रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	30

- विद्यार्थी दर्शन की विभिन्न बिन्दुओं की जानकारी प्राप्त करेगा
- विद्यार्थी दर्शन के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करने में समर्थ होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	भारतीय दर्शन का इतिहास (आस्तिक परम्परा)	12	2	1	15	50%
अन्विति -2	भारतीय दर्शन का इतिहास (नास्तिक परम्परा)	12	2	1	15	50%
योग		24	4	2	30	100%

टिप्पणी:

11. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
12. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

11. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
12. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. सर्वदर्शनसंग्रह, माधवाचार्य , प्रो० उमा शङ्कर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी , 1964
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. भारतीय दर्शन , जगदीश चन्द्र मिश्र , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , संस्करण , 2012 2. भारतीय दर्शन की रूपरेखा , प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली , 1995
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

16. पाठ्यचर्या का नाम: साहित्यशास्त्रेतिहासः

(विशेषज्ञता- वैदिकवाङ्मयम् -ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

17. पाठ्यचर्या का कोडः MSANVO 03

(Code of the Course)

18. क्रेडिटः ____ **2** ____ **4. सेमेस्टरः**

तृतीय षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य के परिचय पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या रामायण , महाभारत , नाटक एवं कथा आदि की सामान्य जानकारी प्रदान करने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	24
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4+2=6
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दार्शनिक विषयों के प्रति रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	30

- संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी प्राप्त करेगा
- अलंकार शास्त्र के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करने में समर्थ होगा ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	रामायण महाभारत, पुराण, गद्य, पद्य, चम्पू, नाटक, कथा, आख्यायिका	12	2	1	15	50%
अन्विति -2	अलंकारशास्त्र का इतिहास	12	2	1	15	50%

योग		24	4	2	30	100%

टिप्पणी:

13. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

14. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

13. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
14. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , बलदेव उपाध्याय , शारदा निकेतन , वाराणसी 2. पुराण विमर्श , बलदेव उपाध्याय , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी, 2007 3. Rajiv Malhotra - 'The Battle For Sanskrit' : NOIDA, HarperCollins, 2016
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो

		एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	9+6=15
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना

19. पाठ्यचर्या का नाम: भारतीय दर्शन

परिचय (विशेषज्ञता- वैदिकवाङ्मयम् -ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

20. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVO 04

(Code of the Course)

21. क्रेडिट: __ 4_ 4. सेमेस्टर: तृतीय षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन के सामान्य परिचय पर केन्द्रित है। जिसमें भारतीय दर्शन की आस्तिक एवं नास्तिक परम्परा का परिचय देते हुए प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- भारतीय दर्शन विभिन्न मतों की जानकारी प्राप्त करेगा
- भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent age share to the
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

						Course)
अन्विति -1	सांख्य , योग, न्याय , वैशेषिक (सामान्य परिचय एवं प्रमुख सिद्धांत)	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -2	पूर्व मीमांसा एवं वेदान्त (सामान्य परिचय एवं प्रमुख सिद्धांत)	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -3	नास्तिक दर्शन – चार्वाक, बौद्ध , जैनादि (सामान्य परिचय एवं प्रमुख सिद्धांत)	15	3	2	20	33.3%
योग		45	9	6	60	100%

टिप्पणी:

15. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
16. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला

	श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

15. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
16. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)	सत्रांत परीक्षा (75%)

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. सर्वदर्शनसंग्रह, माधवाचार्य , प्रो० उमा शङ्कर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी , 1964
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. भारतीय दर्शन , जगदीश चन्द्र मिश्र , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , संस्करण , 2012 2. भारतीय दर्शन की रूपरेखा , प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली , 1995
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

22. पाठ्यचर्या का नाम: पुराण एवं इतिहास

परिचय (विशेषज्ञता- वैदिकवाङ्मयम्-ऐच्छिकम्)

23. (Name of the Course)

24. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVO 05

(Code of the Course)

25. क्रेडिट: ____ 2__ 4. सेमेस्टर:

तृतीय षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या पुराण एवं इतिहास परिचय विषय पर केन्द्रित है। यह पुराणेतिहास की सामान्य जानकारी प्रदान करने में पूर्ण सक्षम है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	पुराण एवं इतिहास विषयों के प्रति रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	30

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी पुराण एवं इतिहास का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- रामायण, महाभारत की जानकारी प्राप्त करेगा
- गीता के सामान्य परिचय के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent
		व्याख्या न	ट्यूटोरियल (यदि	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/		

			अपेक्षित हैं)	Laboratory)		age share to the Course)
अन्विति -1	पुराण इतिहास अर्थ, प्रकार तथा सामान्य परिचय	10	3	2	15	50%
अन्विति -2	रामायण महाभारत तथा गीता का सामान्य परिचय	10	3	2	15	50%
योग		20	6	4	30	100%

टिप्पणी:

17. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

18. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

17. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
18. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो०

		उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी 2. पुराण विमर्श , बलदेव उपाध्याय , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी, 2007
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , बलदेव उपाध्याय , शारदा निकेतन , वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

26. पाठ्यचर्या का नाम: वैदिक वाङ्मय परिचय एवं इतिहास (विशेषज्ञता- वैदिकवाङ्मयम्-ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

27. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVO 06

(Code of the Course)

28. क्रेडिट: ____ 2__ 4. सेमेस्टर:

तृतीय षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या वैदिक साहित्य के सामान्य परिचय पर केन्द्रित है। जिसमें संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनीषद् जानकारी प्रदान की गई है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- संहिता, ब्राह्मण विषय की जानकारी प्राप्त करेगा
- आरण्यक एवं उपनीषद् के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	वैदिक विषयों के प्रति रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	30

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

						share to the Course)
अन्विति -1	वेद-वेदांग परिचय तथा इतिहास	10	3	2	15	50%
अन्विति -2	ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् का परिचय तथा इतिहास का विवेचन	10	3	2	15	50%
योग		20	6	4	30	100%

टिप्पणी:

19. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
20. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख, फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

19. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
20. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित	05	05	07	08	

अंक					
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी , 2008
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. वैदिक देवता उद्भव एवं विकास , गया चरण त्रिपाठी , राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान , नई दिल्ली 2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम भाग-वेद) , उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान , लखनऊ
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

29. पाठ्यचर्या का नाम: शुक्लयजुर्वेद

(Name of the Course)

30. पाठ्यचर्या का कोड: MSANV 05

(Code of the Course)

31. क्रेडिट: __ 4_ 4. सेमेस्टर: चतुर्थ

षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या शुक्लयजुर्वेद केन्द्रित है। जिसमें शुक्लयजुर्वेद के चयनित भाग के मन्त्रों का विश्लेषण किया गया है। यह पाठ्यचर्या शुक्लयजुर्वेद के चयनित भाग मन्त्रों का ज्ञान करवाने में पूर्णतः सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी शुक्लयजुर्वेद का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- विद्यार्थी शुक्लयजुर्वेद के मन्त्रों की जानकारी प्राप्त करेगा
- विद्यार्थी शुक्लयजुर्वेद के व्याख्या को आत्मसात् करेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/		

			अपेक्षित हैं)	Training/ Laboratory)	घंटे	(Percent share to the Course)
अन्विति -1	शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा (चयनित भाग-1)	25	3	2	30	50%
अन्विति -2	शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा (चयनित भाग-2)	25	3	2	30	50%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

21. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
22. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण

उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

21. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
22. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)	सत्रांत परीक्षा (75%)

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र.	पाठ्य-सामग्री	विवरण

सं.		(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. शुक्लयजुर्वेदसंहिता , उव्वट महिधर भाष्य , रामकृष्ण शास्त्री , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. शुक्लयजुर्वेद प्रातिशाख्यम् , वीरेन्द्र कुमार शर्मा , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. शुक्लयजुर्वेद रुद्राष्टाध्यायी , व्याख्याकार , शिवप्रसाद शर्मा , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी । 2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम भाग-वेद) , उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान , लखनऊ
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

32. पाठ्यचर्या का नाम: अथर्ववेद एवं

शतपथ ब्राह्मण

(Name of the Course)

33. पाठ्यचर्या का कोड: MSANV 06

(Code of the Course)

34. क्रेडिट: 4 4. सेमेस्टर: चतुर्थ

षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या अथर्ववेद एवं शतपथ ब्राह्मण ग्रन्थों पर केन्द्रित है। इसमें अथर्ववेद एवं शतपथ ब्राह्मण के विषयों का वर्णन है। यह पाठ्यचर्या दोनों विषयों का सामान्य ज्ञान करवाने में पूर्णतः सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी अथर्ववेद एवं शतपथ ब्राह्मण ग्रन्थों का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- विद्यार्थी अथर्ववेद के विषयों से परिचित होगा
- छात्र शतपथ ब्राह्मण के विषयों को आत्मसात् करेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत
		व्याख्या	ट्यूटोरिय	संवाद/प्रशिक्षण/	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

		न	ल (यदि अपेक्षित हैं)	प्रयोगशाला..(Int eration/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	अंश (Percent age share to the Course)
अन्विति -1	अथर्ववेद (3) - 4, 12, 17, 4 - 16, 6 - 1.4 (1 - 10) 7 - (1.10)	25	3	2	30	50%
अन्विति -2	शतपथ ब्राह्मण प्रथमकांड	25	3	2	30	50%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

23. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

24. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण

उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

23. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
24. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)	सत्रांत परीक्षा (75%)

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र.	पाठ्य-सामग्री	विवरण

सं.		(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. अथर्ववेद संहिता , सायणाचार्य कृत , सम्पा. श्रीशंकर पाण्डुरंग पंडित , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. अथर्ववेद संहिता , सायण भाष्य , हिंदी व्या.राम स्वरूप गौड , आठ भाग , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 3. शतपथब्राह्मणम् , स्वामी सतप्रकाश सरस्वती , हिंदी व्या, सहित , तीन भाग , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी ।
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. अथर्ववेद संहिता , सातवलेकर , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. अथर्ववेद का सांस्कृतिक अध्ययन , कपिल देव द्विवेदी , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 3. शतपथ ब्राह्मण , आनन्द आश्रम , पूना ।
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

35. पाठ्यचर्या का नाम: निरुक्त एवं वेद
व्याख्या

(Name of the Course)

36. पाठ्यचर्या का कोड: MSANV 07

(Code of the Course)

37. क्रेडिट: 4 4. सेमेस्टर: चतुर्थ
षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या निरुक्त एवं वेद व्याख्या ग्रन्थों पर केन्द्रित है। इसमें निरुक्त एवं वेद व्याख्या पद्धति के विभिन्न मतों का वर्णन है। यह पाठ्यचर्या दोनों विषयों का सामान्य ज्ञान करवाने में पूर्णतः सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी निरुक्त एवं वेद व्याख्या ग्रन्थों का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- विद्यार्थी निरुक्त के विषयों से परिचित होगा
- छात्र वेद व्याख्या के विषयों को आत्मसात् करेगा
- विद्यार्थी वेद व्याख्या के विभिन्न मतों का ज्ञान ग्रहण करेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत
		व्याख्या	ट्यूटोरिय	संवाद/प्रशिक्षण/	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

		न	ल (यदि अपेक्षित हैं)	प्रयोगशाला..(Int eration/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	अंश (Percent age share to the Course)
अन्विति -1	निरुक्त (प्रथम, द्वितीय एवं सप्त अध्याय)	25	3	2	30	50%
अन्विति -2	निरुक्त एवं वेद व्याख्या (सायण, दया नंद, मैक्समूलर, अरविन्द)	25	3	2	30	50%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

25. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
26. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण

उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

25. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
26. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)	सत्रांत परीक्षा (75%)

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र.	पाठ्य-सामग्री	विवरण

सं.		(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. निरुक्त यास्कप्रणीत , शशिप्रभा हिंदी व्या. सहित , जमुना पाठक , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. निरुक्त , निघण्टु भाष्य सहित , दुर्गाचार्यकृत निरुक्ति सहित , मुकुन्द झा बखशी , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. निरुक्तभाष्य टीका , प्रो० ज्ञानप्रकाश शास्त्री एवं नरेश कुमार , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. निघण्टु निर्वचन मीमांसा , विश्वबन्धु , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

**1.पाठ्यचर्या का नाम: परियोजना कार्य एवं मौखिकी
(Name of the Course)**

**2.पाठ्यचर्या का कोड: MSANVP
(Code of the Course)**

**3.क्रेडिट: 04
(Credit)**

**4. सेमेस्टर: चतुर्थ षाण्मासिक
(Semester)**

**5. पाठ्यचर्या विवरण :
(Description of Course)**

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

माँड्यूल-1	अकादमिक सत्यनिष्ठा अकादमिक सत्यनिष्ठा के आधारभूत सिद्धांत साहित्यिक चोरी की परिभाषा साहित्यिक चोरी के प्रकार प्रतिलिप्याधिकार के नियम साहित्यिक चोरी रोकने के उपाय शोध एवं प्रकाशन के दायित्वपूर्ण आचरण सम्बन्धी मूल तत्त्व शोध कर्ता के कर्तव्य					
माँड्यूल-2	परियोजना कार्य					
योग						

टिप्पणी:

27. माँड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

28. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम ,

विधियाँ	चर्चा विधि , व्याख्यान विधि , विश्लेषणात्मक विधि , प्रश्नाभ्यास
तकनीक	संवाद , ICT, संस्कृत apps, प्रकृतिकरण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख , Ppt , epg पाठशाला वीडियो

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	-	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

27. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

28. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-	

		ति		पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	मिश्र अधिराज राजेन्द्र एवं राजेश कुमारी मिश्र,

		शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान, अक्षय वट प्रकाशन, इलाहाबाद । आचार्य सत्यनारायण संस्कृतशोधप्रविधि:, सिद्धमहावीर, पाटना प्रकाशन, पुरी । बोरा राजमल, अनुसन्धान प्रविधि और क्षेत्र, राधाकृष्ण प्रकाशन नयी दिल्ली । सिंह उदयभानु- अनुसन्धान का विवेचन । सिंह उदयभानु- अनुसन्धान के मूलतत्त्व । शर्मा विनय मोहन, शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
2	संदर्भ-ग्रंथ	वी. राघवन – न्यू केटेलोगस केटलोगरम की भूमिका । ‘दिनेश’ शर्मा रामगोपाल –पाण्डुलिपि विज्ञान । सत्येन्द्र – पाण्डुलिपि विज्ञान । सिंहल बैद्यनाथ, शोधस्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि वाणी प्रकाशन नई दिल्ली । नगेन्द्र ,अनुसन्धानस्य प्रविधि-प्रक्रिया , राष्ट्रीयसंस्कृतसंस्थानम् , नई दिल्ली सिन्हा , सावित्री एवं स्नातक विजयेन्द्र , शोधप्रक्रिया एवं विवरणिका ।
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला

		एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

ऐच्छिक पत्र- 8

1.पाठ्यचर्या का नाम: वै.सिद्धान्तकौमुदी (बहुव्रीहि एवं द्वन्द्व समास) एवं अनुवाद
(Name of the Course)

2.पाठ्यचर्या का कोड: MSANVO 07
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 02
(Credit)

4. सेमेस्टर: चतुर्थ षाण्मासिक
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	25
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण :
(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरण की सामासिक प्रक्रिया का उच्च ज्ञान एवं धात्वर्थनिर्णय एवं शाब्दबोध की प्रक्रिया को अवगत कराने में सक्षम है ।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- संस्कृत व्याकरण की सामासिक प्रक्रिया का उत्कृष्ट ज्ञान सम्पादित करने में सक्षम होगा ।
- सिद्धान्तकौमुदी की इस प्रक्रिया भाग को जानकर सामासिक पदों की व्युत्पत्ति करने में सक्षम होगा ।
- पाणिनीय व्याकरण के पद सम्बन्धी व्यवस्थाओं को जानने में सक्षम होगा ।
- विद्यार्थी पाणिनीय व्याकरण की सामासिक पद विषयक प्रविधियों को जानकर उन्हें अपने चिंतनानुसार संवर्धन करने में सक्षम होगा।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	वै.सिद्धान्त कौमुदी- बहुव्रीहि प्रकरण	15	02	01	18	50%
मॉड्यूल-2	वै.सिद्धान्त कौमुदी- द्वन्द्व प्रकरण ।	10	01	01	12	50%
योग		25	03	02	30	100%

टिप्पणी:

29. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

30. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम ,
विधियाँ	चर्चा विधि , व्याख्यान विधि , विश्लेषणात्मक विधि , प्रश्नाभ्यास
तकनीक	संवाद , ICT, संस्कृत apps, प्रकृतिकरण

उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख , Ppt , epg पाठशाला वीडियो

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X√	√	-	X-	X-	-	X-	-

टिप्पणी:

29. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

30. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-	

		ति		पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामविलास

		चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पुनर्मुद्रण 1996 2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी , भट्टोजिदीक्षित , चौखम्बा भारतीय प्रकाशन , वाराणसी , 1990 3.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी म. म. पं. गिरधरशर्मा चतुर्वेदी तथा म. म. पं. परमेश्वरानन्दशर्माभास्कर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली - 110007,पुनर्मुद्रण 1989 4.वैयाकरणभूषणसार (भैमीभाष्योपेता), भीमसेन शास्त्री, वैद्यो भीमसेन शास्त्री, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1969 5.वैयाकरणभूषणसार, श्री. पं. गोपालशास्त्री नेने, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221001, पञ्चम संस्करण, 1981
2	संदर्भ-ग्रंथ	6.वैयाकरणभूषणसार, डॉ. प्रभाकर मिश्र, प्र. अरविन्द मिश्र तथा मकरन्द मिश्र, वाराणसी, प्रथम संस्करण, 1982 7.वैयाकरणभूषणसार, पं. बालकृष्ण पञ्चोली तथा पं. हरिवल्लभशास्त्री, प्र. तर्केश्वर चतुर्वेदी शास्त्री, 1917
3	ई-संसाधन	8. यूट्यूब विडियो,

		9. epg पाठशाला 10. archive.org पर उपलब्ध पाठ्यपुस्तक एवं अन्य पाठ्यसामग्री
4	अन्य	शोध आलेख, कक्षागत नोट्स

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

38. पाठ्यचर्या का नाम: काव्यमीमांसा
(विशेषज्ञता- वैदिकवाङ्मयम् - ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

39. पाठ्यचर्या का कोड: MSAVO 08

(Code of the Course)

40. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: चतुर्थ
षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या काव्यमीमांसा ग्रन्थ पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या काव्यगत तत्त्वों का विश्लेषणात्मक ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी काव्यमीमांसा का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- पाठक काव्य के तत्त्वों का ज्ञान ग्रहण करेगा
- छात्र काव्यगत सिद्धान्तों से परिचित हो पाएगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	26
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	2+2=4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/		

			हैं)	Laboratory)		age share to the Course)
अन्विति -1	काव्यमीमांसा प्रथम एवं द्वितीय अध्याय	13	1	1	15	50%
अन्विति -2	काव्यमीमांसा प्रथम एवं द्वितीय अध्याय	13	1	1	15	50%
योग		26	2	2	30	100%

टिप्पणी:

31. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
32. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

31. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
32. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. काव्यमीमांसा , रमाशंकर त्रिपाठी , मोतीलाल बनारसी दास , दिल्ली , 2004
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी ।

		6. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास , जगदीश चन्द्र मिश्र , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

41. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत काव्य

(विशेषज्ञता -वैदिकवाङ्मयम् - ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

42. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVO 09

(Code of the Course)

43. क्रेडिट: ____ 4 ____ 4. सेमेस्टर: चतुर्थ

षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत काव्य विषय पर केन्द्रित है। यह

पाठ्यचर्या मेघदूतम् ,वाल्मीकि रामायणम् ,नीतिशतकम् संस्कृत काव्य के संदर्भ में सामान्य जानकारी प्रदान करने में पूर्ण सक्षम है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी संस्कृत काव्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- पाठक मेघदूतम् अध्ययन के द्वारा मेघमार्ग का ज्ञान ग्रहण करेगा
- वाल्मीकि रामायणम् से परिचित हो पाएगा
- नीतिशतकम् स्वाध्याय से नैतिक मूल्यों का विकास से करेगा ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	9+6=15
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल

संख्या		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
अन्विति -1	मेघदूतम् मेघमार्ग वर्णन	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -2	वाल्मीकि रामायण किष्किंधा कांड	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -3	नीतिशतकम् (25 श्लोक)	15	3	2	20	33.3%
योग		45	9	6	60	100%

टिप्पणी:

33. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

34. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान

विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

33. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
34. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वाल्मिकी रामायण , किष्किन्धा काण्ड , गीताप्रेस गोरखपुर , उत्तर प्रदेश 2. मेघदूतम् , रमाशंकर त्रिपाठी , जनार्दन शास्त्री पाण्डेय , मोतीलाल बनारसी दास 3. नीतिशतकम् , डॉ० कृष्णमणि त्रिपाठी , चौखम्भा सुरभारती ग्रन्थमाला, वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. मेघदूतम् , शिवराज शास्त्री , साहित्य भण्डार , मेरठ
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

44. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत गद्य साहित्य
(विशेषज्ञता- वैदिकवाङ्मयम्-ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

45. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVO 10

(Code of the Course)

46. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर:** चतुर्थ
षाण्मासिक

(Credit)	(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत गद्य साहित्य विषय पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या पंचतन्त्र एवं संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य पुनरावलोकन करने में पूर्ण सक्षम है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- पाठक पंचतंत्र अध्ययन द्वारा नैतिक मूल्यों का विकास करेगा
- संस्कृत गद्य के सामान्य परिचय से अवगत हो पाएगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/		

			हैं)	Laboratory)		age share to the Course)
अन्विति -1	पंचतंत्र अपरीक्षितकार कम्	10	3	2	15	50%
अन्विति -2	संस्कृत गद्य काव्य उद्भव एवं विकास	10	3	2	15	50%
योग		20	6	4	30	100%

टिप्पणी:

35. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

36. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

35. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
36. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	

निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

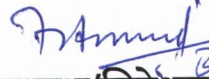
ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	

		1. पंचतंत्र, विष्णु शर्मा , सुधाकर मालवीय , हिंदी टीका सहित , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी ।
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग


 (विभागाध्यक्ष/निदेशक) 30/10/2020
 (संकायाध्यक्ष)

एम. ए. संस्कृत
द्वितीय वर्ष

विषय विशेषज्ञता – व्याकरणम्

मूल पत्र -1

1. पाठ्यचर्या का नाम: वाक्यपदीयम् एवं पाणिनीय प्रविधि
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVY01
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04
(Credit)

4. सेमेस्टर: तृतीय षाण्मासिक
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशा ला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण :
(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरण के दर्शन पक्ष को प्रतिपादित करते हुए शब्द ब्रह्म विषय को स्पष्ट करेगा। अष्टाध्यायी की संरचना तथा पाणिनीय प्रविधियों को अवगमन कराएगा।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- संस्कृत व्याकरण की दार्शनिक पक्ष को समझने में सक्षम होगा।

- शब्द ब्रह्म स्वरूप को जानते हुए वाक् चतुष्टय की संकल्पना को जानकर व्याकरण दर्शन एवं अन्य दर्शनों के अन्तः सम्बन्ध को जानने में सक्षम होगा।
- पाणिनीय व्याकरण एवं भाषा विज्ञान के अन्तः सम्बन्ध को जानने में सक्षम होगा।
- विद्यार्थी पाणिनीय व्याकरण की प्रविधियों को जानकर उन्हें अपने चिंतनानुसार संवर्धन करने में सक्षम होगा।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या न	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	वाक्यपदीयम् ब्रह्मकाण्ड कारिका 1- 43	15	02	01	18	25%
अन्विति -2	वाक्यपदीयम् ब्रह्मकाण्ड कारिका 44 -106	13	01	01	15	25%
अन्विति -3	वाक्यपदीयम् ब्रह्मकाण्ड कारिका 107 -156	12	01	01	14	25%
अन्विति -4	पाणिनीय प्रविधि 1.अष्टाध्यायी संरचना 2.सूत्र प्रकार 3.सूत्रार्थ प्रकार, 4.अनुवृत्ति विचार	10	02	01	13	25%

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम ,
विधियाँ	चर्चा विधि , व्याख्यान विधि , विश्लेषणात्मक विधि , प्रश्नाभ्यास
तकनीक	संवाद , ICT, संस्कृत apps, प्रकृतिकरण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख , Ppt , epg पाठशाला वीडियो

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

[illegible]

लक्ष्य	1	2	3	4	5	6	7	8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X√	√	√	X-	X-	-	X-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)	मौखिकी (20%)

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वाक्यपदीयम् आचार्यभर्तृहरिप्रणीतं (प्रथमो भागः, ब्रह्मकाण्डम्-पद्मश्रीपण्डितरघुनाथशर्मा-व्याख्याकारः, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य वाराणसी- तृतीयं संस्करणम्, 1988 2. Vakyapadiya of Bhartrhari, Edited by K.V.Abyankaran & V.P.Limaye, Poona, 1965 3. Vakyapadiya of Bhartrhari, with Vritti & Paddhati, Edited by K.A.Subrahmanya Iyer, Poona, 1966
2	संदर्भ-ग्रंथ	4. व्याकरण की दार्शनिक भूमिका डा सत्यकाम वर्मा मुंशीराम मनोहरलाल, नई दिल्ली ६ प्रथम संस्करण, 1971 5. व्याकरण दर्शन को कैयट का योगदान डा. रामप्रकाश वर्णी, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, प्रथम

		संस्करण, 2005 6. पाणिनीय अष्टाध्यायी के रचना सिद्धान्त, डॉ. विशन लाला गौड व्योमशेखर, लोकालोक प्रकाशन, साहिबाबाद, 198 7. Rajiv Malhotra and S Dasa Babaji – ‘The Sanskrit Non-translatable’ (2020: Published by Infinity Foundation, can be purchased through Amazon India 8. Professor Kapil Kapoor – “Sanskrit Literary Theory : A Rajinder to Eleven Objections” (Source : website of infinity foundation <infintyfoundation.com>
3	ई-संसाधन	यूट्यूब विडियो, epg पाठशाला archive.org पर उपलब्ध पाठ्यपुस्तक एवं अन्य पाठ्यसामग्री
4	अन्य	शोध आलेख, कक्षागत नोट्स

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

एम. ए. संस्कृत
द्वितीय वर्ष

एम. ए. संस्कृत
द्वितीय वर्ष

विषय विशेषज्ञता - व्याकरणम्

मूल पत्र - 2

1. पाठ्यचर्या का नाम: परमलघुमञ्जूषा एवं वै.सिद्धान्तकौमुदी-
पूर्वकृदन्त प्रकरण

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVY02

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04

(Credit)

4. सेमेस्टर: तृतीय षाण्मासिक

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशा ला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण :

(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या परमलघुमञ्जूषा एवं सिद्धान्तकौमुदी ग्रन्थ पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरण के कृदन्त प्रक्रिया तथा व्याकरण के आर्थिक परक दृष्टि को अवगत कराने में समर्थ है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- संस्कृत व्याकरण की कृदन्त प्रक्रिया का उत्कृष्ट ज्ञान सम्पादित करने में सक्षम होगा ।
- संस्कृत व्याकरण की आर्थिक दृष्टि तथा शब्द शक्ति विषय को जानने में सक्षम होगा ।
- सिद्धांतकौमुदी की इस प्रक्रिया भाग को जानकर कृदन्त पदों की व्युत्पत्ति करने में सक्षम होगा ।
- पाणिनीय व्याकरण के धातु सम्बन्धी एवं कृतप्रत्यय सम्बन्धी व्यवस्थाओं को जानने में सक्षम होगा ।
- विद्यार्थी पाणिनीय व्याकरण की कृदन्तपद विषयक प्रविधियों को जानकर उन्हें अपने चिंतनानुसार संवर्धन करने में सक्षम होगा।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	परमलघुमञ्जूषा आदितः तात्पर्यान्त भाग	25	03	02	30	50%
अन्विति -2	वै.सिद्धान्तकौमुदी- कृत्य प्रकरण, पूर्व कृदन्त प्रकरण ।	25	03	02	30	50%
योग		50	06	04	60	100%

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम ,
विधियाँ	चर्चा विधि , व्याख्यान विधि , विश्लेषणात्मक विधि , प्रश्नाभ्यास
तकनीक	संवाद , ICT, संस्कृत apps, प्रकृतिकरण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख , Ppt , epg पाठशाला वीडियो

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X√	√	√	X√	X-	-	-X	-

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार [*]	सत्रीय- पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.परमलघुमञ्जूषा, डॉ. जयशङ्करलाल त्रिपाठी, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, प्रथम संस्करण, 1985 2.परमलघुमञ्जूषा, पं. श्रीसदाशिवशास्त्री, जयकृष्णदास हरिदास गुप्त, चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस, बनारस सिटी, द्वितीय संस्करण, 1946 3.परमलघुमञ्जूषा, पं. कालिकाप्रसाद शुक्ल, बडौदा संस्कृत महाविद्यालय, महाराजसयाजिरावविश्वविद्यालय, बडौदा, प्रथम संस्करण, 1961 4.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पुनर्मुद्रण 1996 5.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (चतुर्थ भाग), म. म. पं. गिरधरशर्मा चतुर्वेदी तथा म. म. पं. परमेश्वरानन्दशर्माभास्कर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पुनर्मुद्रण 1989
2	संदर्भ-ग्रंथ	6. गोविन्दाचार्य, वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी,

		चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010 7. जिज्ञासु, पं. ब्रह्मदत्त - अष्टाध्यायी (भाष्य) प्रथमावृत्ति, रामलालकपूरट्रस्ट, बहालगढ़, सोनीपत, हरियाणा 8. Belvalkar, S.K. Systems of Sanskrit Grammar, Delhi. 9. Cardona, George. Panini: A Survey of Research, Delhi, 1980 10. Ray, Bidyut Lata. Panini to Patanjali: A Grammatical March, Delhi, 2004
3	ई-संसाधन	11. यूट्यूब विडियो, 12. epg पाठशाला 13. archive.org पर उपलब्ध पाठ्यपुस्तक एवं अन्य पाठ्यसामग्री
4	अन्य	शोध आलेख, कक्षागत नोट्स

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

एम. ए. संस्कृत
द्वितीय वर्ष

विषय विशेषज्ञता – व्याकरणम्

मूल पत्र – 4

1. पाठ्यचर्या का नाम: वै.सिद्धान्तकौमुदी (अव्ययीभाव एवं तत्पुरुष समास) एवं संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVY04
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04
(Credit)

4. सेमेस्टर: तृतीय षाण्मासिक

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण :

(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरण की सामासिक प्रक्रिया का उच्च ज्ञान एवं संस्कृत व्याकरण शास्त्र के इतिहास को अवगत कराने में सक्षम है ।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- संस्कृत व्याकरण की सामासिक प्रक्रिया का उत्कृष्ट ज्ञान सम्पादित करने में सक्षम होगा ।
- सिद्धांतकौमुदी की इस प्रक्रिया भाग को जानकर सामासिक पदों की व्युत्पत्ति करने में सक्षम होगा ।
- पाणिनीय व्याकरण के पद सम्बन्धी व्यवस्थाओं को जानने में सक्षम होगा ।
- विद्यार्थी पाणिनीय व्याकरण की सामासिक पद विषयक प्रविधियों को जानकर उन्हें अपने चिंतनानुसार संवर्धन करने में सक्षम होगा।
- संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास एवं व्याकरण की विभिन्न पद्धतियों को जानेगा ।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	अव्ययीभाव प्रकरण	10	01	01	18	25%

अन्विति -2	तत्पुरुष प्रकरण	20	03	01	15	25%
अन्विति -3	संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास – पाणिनि पूर्व के वैयाकरण आचार्यों का योगदान, मुनित्रय (पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि) का काल एवं योगदान, पाणिन्युत्तरव्याकरण- सम्प्रदायों का सवेक्षण: चान्द्र, कातन्त्र, जैनेन्द्र, हैम, भोज, सुपद्म, हरिनामामृत आदि।	10	01	01	14	25%
मॉड्यूल- 4	संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास – अष्टाध्यायी की वृत्ति- परम्परा, पाणिनीय- व्याकरण में प्रक्रिया ग्रन्थों का योगदान, पाणिनीय परंपरा के दार्शनिक आचार्य : भर्तृहरि, भट्टोजिदीक्षित, कौण्डभट्ट, नागेश आदि।	10	01	01	13	25%
योग		50	06	04	60	100%

टिप्पणी:

5. माइयूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम ,
विधियाँ	चर्चा विधि , व्याख्यान विधि , विश्लेषणात्मक विधि , प्रश्नाभ्यास
तकनीक	संवाद , ICT, संस्कृत apps, प्रकृतिकरण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख , Ppt , epg पाठशाला वीडियो

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X√	√	√	-X	-X	-	X-	-

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पुनर्मुद्रण 1996 2. व्याकरण सिद्धान्त कौमुदी , भट्टोजिदीक्षित , चौखम्बा भारतीय प्रकाशन , वाराणसी , 1990 3.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी म. म. पं. गिरधरशर्मा चतुर्वेदी तथा म. म. पं. परमेश्वरानन्दशर्माभास्कर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली - 110007,पुनर्मुद्रण 1989 3.मीमांसक, युधिष्ठिर – संस्कृतव्याकरणशास्त्र का इतिहास, 3 भाग, सोनीपत, 1974 4. वर्मा, सत्यकाम –संस्कृतव्याकरण का उद्भव और विकास, दिल्ली 5. Vasu, S.C. Siddhantakaumudi (2 Vols.), Text and English Translation, Delhi
2	संदर्भ-ग्रंथ	6.जिज्ञासु, पं. ब्रह्मदत्त - अष्टाध्यायी (भाष्य)

		प्रथमावृत्ति, रामलालकपूरट्रस्ट, बहालगढ़, सोनीपत, हरियाणा 7. अग्निहोत्री, प्रभुदयाल-पतञ्जलिकालीन भारतवर्ष, पटना, 1963 8. अग्रवाल, वासुदेवशरण –पाणिनिकालीन भारतवर्ष, पटना, 1969 9. Belvalkar, S.K. Systems of Sanskrit Grammar, Delhi. 10. Cardona, George. Panini: A Survey of Research, Delhi, 1980 11. Ray, Bidyut Lata. Panini to Patanjali: A Grammatical March, Delhi, 2004 Schafe, H. Grammatical Literature (A History of Indian Literature
3	ई-संसाधन	12. यूट्यूब विडियो, 13. epg पाठशाला 14. archive.org पर उपलब्ध पाठ्यपुस्तक एवं अन्य पाठ्यसामग्री
4	अन्य	शोध आलेख, कक्षागत नोट्स

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	9+6=15
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----

1. पाठ्यचर्या का नाम: काव्यप्रकाश (विशेषज्ञता-
व्याकरणम्-ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVYO 01

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 4__ 4. सेमेस्टर: तृतीय षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत के प्रसिद्ध ग्रन्थ काव्यप्रकाश पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या काव्यगत विषयों की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हुए काव्यप्रकाश के तत्त्वों का समझाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी काव्यप्रकाश का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- छात्र काव्य के विभिन्न मतों की जानकारी प्राप्त करेगा
- छात्र काव्यगत सिद्धान्तों के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल **15** घंटे निर्धारित हैं।

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

[illegible]

लक्ष्य	1	2	3	4	5	6	7	8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. काव्यप्रकाश , मम्मट व्या. आचार्य विश्ववर , ज्ञानमण्डल लिमिटेड , वाराणसी 2. काव्यप्रकाश , मम्मट , व्या. बाल बोधिनी टीका (झलकीकर) , पूना संस्करण
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी

		2. काव्यप्रकाश , आचार्य शिवजी उपाध्याय , सं.सं.विश्वविद्यालय , वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

4. पाठ्यचर्या का नाम: दर्शनशास्त्रेतिहासः (विशेषज्ञता – व्याकरणम्-ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

5. पाठ्यचर्या का कोडः MSANVYO 02

(Code of the Course)

6. क्रेडिटः ____ 2__ 4. सेमेस्टरः तृतीय षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण **(Description of Course) :**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन के परिचय एवं आस्तिक तथा नास्तिक परम्परा सहित शैवदर्शन सहित प्रत्यभिज्ञा दर्शन पर केन्द्रित है। यह भारतीय दर्शन की सामान्य जानकारी प्रदान करने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम **CLOs (Course Learning Outcomes) :**

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- भारतीय दर्शन के विभिन्न मतों की जानकारी प्राप्त करेगा
- शैवदर्शन एवं प्रत्यभिज्ञा के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करने में समर्थ होगा।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	21
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+3=9
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दार्शनिक विषयों के प्रति रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	30

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु **(Contents of the Course)**

माँड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent age share to the Course)
		व्याख्या न	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	भारतीय दर्शन इतिहास सांख्य एवं योग दर्शन का वर्णन	7	2	1	10	33.3%
अन्विति -2	न्याय, वैशेषिक, मीमांसा एवं वेदांत दर्शन का वर्णन	7	2	1	10	33.3%
अन्विति -3	जैन, बौद्ध, चार्वाक, शैवदर्शन एवं प्रत्यभिज्ञा का विवेचन	7	2	1	10	33.3%
योग		21	6	3	30	100%

टिप्पणी:

3. माँड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान

विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-	

	मूल्यांकन	ति		पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	सर्वदर्शनसंग्रह , माधवाचार्य , उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन वारणसी ,1964

2	संदर्भ-ग्रंथ	भारतीय दर्शन : आलोचना और अनुशीलन , चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

7. पाठ्यचर्या का नाम: वैदिकवाङ्मयेतिहास (विशेषज्ञता – व्याकरणम्-ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

8. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVYO 03

(Code of the Course)

9. क्रेडिट: ____ 2__ 4. सेमेस्टर: तृतीय षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण **(Description of Course) :**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या वैदिक साहित्य के सामान्य परिचय पर केन्द्रित है। जिसमें वेद के काल, विषय वस्तु एवं भाष्य एवं भाष्यकारों की जानकारी प्रदान की गई है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम **CLOs (Course Learning Outcomes) :**

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी वैदिक विषयों का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- वैदिक विषयों के विभिन्न मतों की जानकारी प्राप्त करेगा
- वैदिक साहित्य के भाष्य एवं भाष्यकारों के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु **(Contents of the Course)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	वैदिक विषयों के प्रति रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	30

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent age share to the
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

						Course)
अन्विति -1	वैदिकवाङ्मये तिहासः परिचय, काल, विषय-वस्तु, पद्धतियाँ (भारतीय एवं पाश्चात्य समालोचना)	10	3	2	15	50%
अन्विति -2	वेद भाष्य एवं भाष्यकार	10	3	2	15	50%
योग		20	6	4	30	100%

टिप्पणी:

5. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी , 2008 2. वैदिक देवता उद्भव एवं विकास , गया चरण त्रिपाठी , राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान , नई दिल्ली
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम भाग-वेद) , उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान , लखनऊ
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो

		एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

10. पाठ्यचर्या का नाम: भारतीय दर्शन परिचय

(विशेषज्ञता- व्याकरणम्-ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

11. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVYO 04

(Code of the Course)

12. क्रेडिट: __ 4__ 4. सेमेस्टर: तृतीय

षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	9+6=15
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन के सामान्य परिचय पर केन्द्रित है। जिसमें भारतीय दर्शन की आस्तिक एवं नास्तिक परम्परा का परिचय देते हुए प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- भारतीय दर्शन विभिन्न मतों की जानकारी प्राप्त करेगा
- भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent age share to the
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

						Course)
अन्विति -1	सांख्य , योग, न्याय , वैशेषिक (सामान्य परिचय एवं प्रमुख सिद्धांत)	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -2	पूर्व मीमांसा एवं वेदान्त (सामान्य परिचय एवं प्रमुख सिद्धांत)	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -3	नास्तिक दर्शन – चार्वाक, बौद्ध , जैनादि (सामान्य परिचय एवं प्रमुख सिद्धांत)	15	3	2	20	33.3%
योग		45	9	6	60	100%

टिप्पणी:

7. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
8. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण

उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

7. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. सर्वदर्शनसंग्रह, माधवाचार्य , प्रो० उमा शङ्कर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी , 1964
2	संदर्भ-ग्रंथ	1.भारतीय दर्शन , जगदीश चन्द्र मिश्र , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी ,

		संस्करण , 2012 2. भारतीय दर्शन की रूपरेखा , प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली , 1995
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

13. पाठ्यचर्या का नाम: पुराण एवं इतिहास परिचय
(विशेषज्ञता - व्याकरणम्-ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

14. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVYO 05

(Code of the Course)

15. क्रेडिट: ____ 2__ **4. सेमेस्टर:**
तृतीय षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या पुराण एवं इतिहास परिचय विषय पर केन्द्रित है। यह पुराणेतिहास की सामान्य जानकारी प्रदान करने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी पुराण एवं इतिहास का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- रामायण, महाभारत की जानकारी प्राप्त करेगा
- गीता के सामान्य परिचय के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	पुराण एवं इतिहास विषयों के प्रति रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	30

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

						the Course)
अन्विति -1	पुराण इतिहास अर्थ, प्रकार तथा सामान्य परिचय	10	3	2	15	50%
अन्विति -2	रामायण महाभारत तथा गीता का सामान्य परिचय	10	3	2	15	50%
योग		20	6	4	30	100%

टिप्पणी:

9. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
10. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

9. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
10. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी 2. पुराण विमर्श , बलदेव उपाध्याय , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी, 2007
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , बलदेव उपाध्याय , शारदा निकेतन , वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी

		पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

16. पाठ्यचर्या का नाम: वैदिक वाङ्मय परिचय एवं इतिहास (विशेषज्ञता- व्याकरणम्-ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

17. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVYO 06

(Code of the Course)

18. क्रेडिट: ____ 2__ 4. सेमेस्टर: तृतीय
षाण्मासिक

(Credit)**(Semester)****5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या वैदिक साहित्य के सामान्य परिचय पर केन्द्रित है। जिसमें संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनीषद् जानकारी प्रदान की गई है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- संहिता, ब्राह्मण विषय की जानकारी प्राप्त करेगा

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	वैदिक विषयों के प्रति रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	30

- आरण्यक एवं उपनिषद् के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

माँड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent age share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	वेद-वेदांग परिचय तथा इतिहास	10	3	2	15	50%
अन्विति -2	ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् का परिचय तथा इतिहास का विवेचन	10	3	2	15	50%
योग		20	6	4	30	100%

टिप्पणी:

- माँड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान

विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

11. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
12. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)	सत्रांत परीक्षा (75%)

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी , 2008
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. वैदिक देवता उद्भव एवं विकास , गया चरण त्रिपाठी , राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान , नई दिल्ली 2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम भाग-वेद) , उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान , लखनऊ
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

एम. ए. संस्कृत
द्वितीय वर्ष

विषय विशेषज्ञता – व्याकरणम्

मूल पत्र – 5

1. पाठ्यचर्या का नाम: वै.भूषणसार एवं वै.सिद्धान्तकौमुदी
(Name of the Course) (बहुव्रीहि एवं द्वन्द्व समास)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVY05
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04
(Credit)

4. सेमेस्टर: चतुर्थ षाण्मासिक
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशा ला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण :

(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरण की सामासिक प्रक्रिया का उच्च ज्ञान एवं धात्वर्थनिर्णय एवं शाब्दबोध की प्रक्रिया को अवगत कराने में सक्षम है ।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- संस्कृत व्याकरण की सामासिक प्रक्रिया का उत्कृष्ट ज्ञान सम्पादित करने में सक्षम होगा ।
- सिद्धांतकौमुदी की इस प्रक्रिया भाग को जानकर सामासिक पदों की व्युत्पत्ति करने में सक्षम होगा ।
- पाणिनीय व्याकरण के पद सम्बन्धी व्यवस्थाओं को जानने में सक्षम होगा ।
- विद्यार्थी पाणिनीय व्याकरण की सामासिक पद विषयक प्रविधियों को जानकर उन्हें अपने चिंतनानुसार संवर्धन करने में सक्षम होगा।
- संस्कृत व्याकरण की शाब्दबोध एवं धात्वर्थ निर्णय की पद्धतियों को जानेगा ।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति-1	वैयाकरणभूषणसार- धात्वर्थ निर्णय	30	02	01	18	33.3%

अन्विति -2	वै.सिद्धान्त कौमुदी- बहुव्रीहि प्रकरण	10	02	01	15	33.3%
अन्विति -3	वै.सिद्धान्त कौमुदी- द्वन्द्व प्रकरण ।	10	01	01	14	33.3%
योग		50	06	04	60	100%

टिप्पणी:

13. माइयूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
14. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम ,
विधियाँ	चर्चा विधि , व्याख्यान विधि , विश्लेषणात्मक विधि , प्रश्नाभ्यास
तकनीक	संवाद , ICT, संस्कृत apps, प्रकृतिकरण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख , Ppt , epg पाठशाला वीडियो

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X√	√	√	X-	X-	-	X-	-

टिप्पणी:

13. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
14. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पुनर्मुद्रण 1996 2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी , भट्टोजिदीक्षित , चौखम्बा भारतीय प्रकाशन , वाराणसी , 1990 3.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी म. म. पं. गिरधरशर्मा चतुर्वेदी तथा म. म. पं. परमेश्वरानन्दशर्माभास्कर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली - 110007,पुनर्मुद्रण 1989 4.वैयाकरणभूषणसार (भैमीभाष्योपेता),

		भीमसेन शास्त्री, वैद्यो भीमसेन शास्त्री, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1969 5.वैयाकरणभूषणसार, श्री. पं. गोपालशास्त्री नेने, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221001, पञ्चम संस्करण, 1981
2	संदर्भ-ग्रंथ	6.वैयाकरणभूषणसार, डॉ. प्रभाकर मिश्र, प्र. अरविन्द मिश्र तथा मकरन्द मिश्र, वाराणसी, प्रथम संस्करण, 1982 7.वैयाकरणभूषणसार, पं. बालकृष्ण पञ्चोली तथा पं. हरिवल्लभशास्त्री, प्र. तर्केश्वर चतुर्वेदी शास्त्री, 1917
3	ई-संसाधन	8. यूट्यूब विडियो, 9. epg पाठशाला 10. archive.org पर उपलब्ध पाठ्यपुस्तक एवं अन्य पाठ्यसामग्री
4	अन्य	शोध आलेख, कक्षागत नोट्स

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

एम. ए. संस्कृत
द्वितीय वर्ष

विषय विशेषज्ञता – व्याकरणम्

मूल पत्र – 6

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन	50

1.पाठ्यचर्या का नाम: महाभाष्यम् (द्वितीयाह्निक) एवं पाणिनीय प्रविधि

(Name of the Course)

2.पाठ्यचर्या का कोड: MSANVY06

(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 04

(Credit)

4. सेमेस्टर: चतुर्थ षण्मासिक

(Semester)

व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण :

(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या प्रत्याहराह्निक में विद्यमान सूक्ष्म वर्णविज्ञान एवं महाभाष्यकार की व्याख्यान शैली को स्पष्ट करने तथा पाणिनीय प्रविधियों को अवगमन करने में समर्थ है ।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- संस्कृत व्याकरण की वर्ण विज्ञान को समझने में सक्षम होगा ।
- माहेश्वर/प्रत्याहार सूत्रों की प्रक्रिया परक व्याख्या करने में सक्षम होगा ।
- पाणिनीय व्याकरण एवं भाषा विज्ञान के अन्तः सम्बन्ध को जानने में सक्षम होगा ।
- विद्यार्थी पाणिनीय व्याकरण की प्रविधियों को जानकर उन्हें अपने चिंतनानुसार संवर्धन करने में सक्षम होगा।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -2	महाभाष्यम् (द्वितीयाह्निक) माहेश्वर/प्रत्याहार सूत्र	35	04	02	18	50%
अन्विति -2	पाणिनीय प्रविधि सिद्धासिद्धत्वविचार, अनुबन्धविज्ञान, व्युत्पत्तिविचार, शब्दसाधनविचार	15	02	02	15	50%
योग		50	06	04	60	100%

टिप्पणी:

15. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
 16. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम ,
विधियाँ	चर्चा विधि , व्याख्यान विधि , विश्लेषणात्मक विधि , प्रश्नाभ्यास
तकनीक	संवाद , ICT, संस्कृत apps, प्रकृतिकरण

उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख , Ppt , epg पाठशाला वीडियो

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X√	√	√	-X	-X	-	X-	-

टिप्पणी:

15. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
16. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय-	

				पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. महाभाष्यम् प्रथमो भागः (प्रथमः खण्डः), युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ-131021, द्वितीय संस्करण, 1992

		2.व्याकरण महाभाष्य (प्रथम नवाह्निक), चारुदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, प्रथम संस्करण, संवत् 2025 3.व्याकरण महाभाष्यम् (नवाह्निकान्तम्), डॉ. उदयनाथ झा अशोक, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली - 110007, प्रथम संस्करण, 2009 4.व्याकरण महाभाष्यम् (पस्पशाह्निकम्), डॉ. जयशङ्करलाल त्रिपाठी, ठाकूर प्रसाद पुस्तक भण्डार, वाराणसी, प्रथम संस्करण, 1979
2	संदर्भ-ग्रंथ	5. महाभाष्य समीक्षणम् , डॉ. गिरीशचन्द्र त्रिपाठी, श्रीबटुकप्रकाशनम्, हरिद्वार, प्र, 1987 6.व्याकरण की दार्शनिक भूमिका डा सत्यकाम वर्मा मुंशीराम मनोहरलाल, नई दिल्ली ६ प्रथम संस्करण, 1971 7.व्याकरण दर्शन को कैयट का योगदान डा. रामप्रकाश वर्णी, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2005 8.पाणिनीय अष्टाध्यायी के रचना सिद्धान्त, डॉ. विशन लाला गौड व्योमशेखर, लोकालोक प्रकाशन, साहिबाबाद, 1988
3	ई-संसाधन	9. यूट्यूब विडियो, 10. epg पाठशाला 11. archive.org पर उपलब्ध पाठ्यपुस्तक एवं अन्य पाठ्यसामग्री

4	अन्य	शोध आलेख, कक्षागत नोट्स

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

एम. ए. संस्कृत
द्वितीय वर्ष

विषय विशेषज्ञता – व्याकरणम्

मूल पत्र – 7

1. पाठ्यचर्या का नाम: वै.सिद्धान्तकौमुदी- उत्तरकृदन्त एवं तद्धित
प्रकरण

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVY07

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04

(Credit)

4. सेमेस्टर: चतुर्थ षण्मासिक

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशा ला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण :

(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या सिद्धान्तकौमुदी ग्रन्थ पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरण के कृदन्त प्रक्रिया तथा तद्धित प्रक्रिया को अवगत कराने में समर्थ है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- संस्कृत व्याकरण की कृदन्त प्रक्रिया तथा तद्धित प्रक्रिया का उत्कृष्ट ज्ञान सम्पादित करने में सक्षम होगा ।
- सिद्धान्तकौमुदी की इस प्रक्रिया भाग को जानकर कृदन्त एवं तद्धित पदों की व्युत्पत्ति करने में सक्षम होगा ।
- पाणिनीय व्याकरण के कृत्प्रत्यय एवं तद्धित प्रत्यय सम्बन्धी व्यवस्थाओं को जानने में सक्षम होगा ।
- विद्यार्थी पाणिनीय व्याकरण की कृदन्तपद एवं तद्धितपद विषयक प्रविधियों को जानकर उन्हें अपने चिंतनानुसार संवर्धन करने में सक्षम होगा।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	वै.सिद्धान्तकौमुदी- उत्तर कृदन्त प्रकरण(उणादिप्रकरण छोड़कर)	25	03	02	30	50%
अन्विति -2	वै.सिद्धान्तकौमुदी- तद्धित प्रकरण (मत्वर्थीय, अपत्यार्थ)	25	03	02	30	50%
योग		50	06	04	60	100%

टिप्पणी:

17. माइयूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
 18. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम ,
विधियाँ	चर्चा विधि , व्याख्यान विधि , विश्लेषणात्मक विधि , प्रश्नाभ्यास
तकनीक	संवाद , ICT, संस्कृत apps, प्रकृतिकरण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख , Ppt , epg पाठशाला वीडियो

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X√	√	√	-X	-X	-	X-	-

टिप्पणी:

17. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
18. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. व्याकरण सिद्धान्त कौमुदी , भट्टोजिदीक्षित , चौखम्बा भारतीय प्रकाशन , वाराणसी , 1990 2.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पुनर्मुद्रण 1996 3.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (चतुर्थ भाग), म. म. पं. गिरधरशर्मा चतुर्वेदी तथा म. म. पं. परमेश्वरानन्दशर्माभास्कर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली ,पुनर्मुद्रण 1989
2	संदर्भ-ग्रंथ	4. गोविन्दाचार्य ,वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010 5. जिज्ञासु, पं. ब्रह्मदत्त - अष्टाध्यायी (भाष्य) प्रथमावृत्ति, रामलालकपूरट्रस्ट, बहालगढ़, सोनीपत,हरियाणा 6.Belvalkar, S.K. Systems of Sanskrit Grammar, Delhi.

		7. Cardona, George. Panini: A Survey of Research, Delhi, 1980 8. Ray, Bidyut Lata. Panini to Patanjali: A Grammatical March, Delhi, 2004
3	ई-संसाधन	9. यूट्यूब विडियो, 10. epg पाठशाला 11. archive.org पर उपलब्ध पाठ्यपुस्तक एवं अन्य पाठ्यसामग्री
4	अन्य	शोध आलेख, कक्षागत नोट्स

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

1. पाठ्यचर्या का नाम: परियोजना कार्य एवं मौखिकी
(Name of the Course)

**2.पाठ्यचर्या का कोड: MSANVP
(Code of the Course)**

**3.क्रेडिट: 04
(Credit)**

**4. सेमेस्टर: चतुर्थ षण्मासिक
(Semester)**

**5. पाठ्यचर्या विवरण :
(Description of Course)**

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)**

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	-----
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	अकादमिक सत्यनिष्ठा अकादमिक सत्यनिष्ठा के आधारभूत सिद्धांत साहित्यिक चोरी की परिभाषा					

	साहित्यिक चोरी के प्रकार प्रतिलिप्याधिकार के नियम साहित्यिक चोरी रोकने के उपाय शोध एवं प्रकशन के दायित्वपूर्ण आचरण सम्बन्धी मूल तत्त्व शोध कर्ता के कर्तव्य					
माँड्यूल-2	परियोजना कार्य					
योग						

टिप्पणी:

19. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
20. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम ,
विधियाँ	चर्चा विधि , व्याख्यान विधि , विश्लेषणात्मक विधि , प्रश्नाभ्यास
तकनीक	संवाद , ICT, संस्कृत apps, प्रकृतिकरण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख , Ppt , epg पाठशाला वीडियो

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	-	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

19. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
20. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):**क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन**

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	मिश्र अधिराज राजेन्द्र एवं राजेश कुमारी मिश्र, शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान, अक्षय वट प्रकाशन, इलाहाबाद । आचार्य सत्यनारायण संस्कृतशोधप्रविधि:, सिद्धमहावीर, पाटना प्रकाशन, पुरी । बोरा राजमल, अनुसन्धान प्रविधि और क्षेत्र, राधाकृष्ण प्रकाशन नयी दिल्ली । सिंह उदयभानु- अनुसन्धान का विवेचन । सिंह उदयभानु- अनुसन्धान के मूलतत्त्व । शर्मा विनय मोहन, शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।

2	संदर्भ-ग्रंथ	वी. राघवन – न्यू केटेलोगस केटलोगरम की भूमिका । ‘दिनेश’ शर्मा रामगोपाल –पाण्डुलिपि विज्ञान । सत्येन्द्र – पाण्डुलिपि विज्ञान । सिंहल बैद्यनाथ, शोधस्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि वाणी प्रकाशन नई दिल्ली । नगेन्द्र ,अनुसन्धानस्य प्रविधि-प्रक्रिया , राष्ट्रीयसंस्कृतसंस्थानम् , नई दिल्ली सिन्हा , सावित्री एवं स्नातक विजयेन्द्र , शोधप्रक्रिया एवं विवरणिका ।
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: योग दर्शन एवं पञ्चदशी

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVYO 07

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 4__ **4. सेमेस्टर:** चतुर्थ षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन के योग दर्शन एवं पञ्चदशी पर केन्द्रित है। जिसमें दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- विद्यार्थी योग दर्शन के विभिन्न मतों की जानकारी प्राप्त करेगा
- विद्यार्थी पञ्चदशी के विषयों का ज्ञान ग्रहण करेगा
- दोनों ग्रन्थों के परस्पर अन्तर्सम्बन्ध का साक्षात्कार कर पाएगा।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4+10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	योग दर्शन IV अध्याय (व्यासभाष्य सहित)	25	3	2	30	50%
अन्विति -2	पञ्चदशी (चयनित भाग)	25	3	2	30	50%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

- माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण

उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

21. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
22. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित	05	05	07	08	

अंक					
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.पातज्जलयोगदर्शनम्, पतञ्जलि (व्याख्याकार), स्वामी हरिश्चन्द्र आरण्यक, मोतीलाल बनारसी, दिल्ली, 1974

		2. पञ्चदशी , मूल ग्रन्थ , हिन्दी व्याख्या सहित (जो भी उपलब्ध हो)
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. भारतीय दर्शन, जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी , 2012 2. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1995 3 योगसूत्र, पतञ्जलि, महाप्रभुलाल गोस्वामी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1983 4. योगसूत्र, पतञ्जलि , रमाशंकर त्रिपाठी , कृष्णदास अकादमी , वाराणसी , 1985
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

19. पाठ्यचर्या का नाम: काव्यमीमांसा

(विशेषज्ञता-व्याकरणम् - ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

20. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVYO 08

(Code of the Course)

21. क्रेडिट: ____ 2__ 4. सेमेस्टर: चतुर्थ

षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोग शाला	-----
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या काव्यमीमांसा ग्रन्थ पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या काव्यगत तत्त्वों का विश्लेषणात्मक ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी काव्यमीमांसा का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- पाठक काव्य के तत्त्वों का ज्ञान ग्रहण करेगा
- छात्र काव्यगत सिद्धान्तों से परिचित हो पाएगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

माँड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent age share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	काव्यमीमांसा प्रथम एवं द्वितीय अध्याय	13	1	1	15	50%
अन्विति -2	काव्यमीमांसा प्रथम एवं द्वितीय अध्याय	13	1	1	15	50%
योग		26	2	2	30	100%

टिप्पणी:

23. माँड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

24. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

23. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
24. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. काव्यमीमांसा , रमाशंकर त्रिपाठी , मोतीलाल बनारसी दास , दिल्ली , 2004
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी । 6. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास , जगदीश चन्द्र मिश्र , चौखम्बा संस्कृत सीरिज ,

		वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

22. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत काव्य

(विशेषज्ञता – व्याकरणम् - ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

23. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVYO 09

(Code of the Course)

24. क्रेडिट: ___ 4 ___ 4. सेमेस्टर: चतुर्थ

षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	9+6=15
व्यावहारिक/प्रयोग शाला	-----
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत काव्य विषय पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या मेघदूतम् ,वाल्मीकि रामायणम् ,नीतिशतकम् संस्कृत काव्य के संदर्भ में सामान्य जानकारी प्रदान करने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी संस्कृत काव्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- पाठक मेघदूतम् अध्ययन के द्वारा मेघमार्ग का ज्ञान ग्रहण करेगा
- वाल्मीकि रामायणम् से परिचित हो पाएगा
- नीतिशतकम् स्वाध्याय से नैतिक मूल्यों का विकास से करेगा ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	मेघदूतम् मेघमार्ग वर्णन	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -2	वाल्मीकि रामायण किष्किंधा कांड	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -3	नीतिशतकम् (25 श्लोक)	15	3	2	20	33.3%
योग		45	9	6	60	100%

टिप्पणी:

25. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
26. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान

विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

25. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
26. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)	सत्रांत परीक्षा (75%)

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)

1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वाल्मिकी रामायण , किष्किन्धा काण्ड , गीताप्रेस गोरखपुर , उत्तर प्रदेश 2. मेघदूतम् , रमाशंकर त्रिपाठी , जनार्दन शास्त्री पाण्डेय , मोतीलाल बनारसी दास 3. नीतिशतकम् , डॉ० कृष्णमणि त्रिपाठी , चौखम्भा सुरभारती ग्रन्थमाला, वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. मेघदूतम् , शिवराज शास्त्री , साहित्य भण्डार , मेरठ
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

25. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत गद्य साहित्य
(विशेषज्ञता – व्याकरणम्- ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

26. पाठ्यचर्या का कोड: MSANVYO 10

(Code of the Course)

27. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: चतुर्थ
षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला	-----
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत गद्य साहित्य विषय पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या पंचतन्त्र एवं संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य पुनरावलोकन करने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- पाठक पंचतन्त्र अध्ययन द्वारा नैतिक मूल्यों का विकास करेगा
- संस्कृत गद्य के सामान्य परिचय से अवगत हो पाएगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)	कुल

संख्या		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
अन्विति -1	पंचतंत्र अपरीक्षितकार कम्	10	3	2	15	50%
अन्विति -2	संस्कृत गद्य काव्य उद्भव एवं विकास	10	3	2	15	50%
योग		20	6	4	30	100%

टिप्पणी:

27. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
 28. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला

	श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

27. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
28. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. पंचतंत्र, विष्णु शर्मा , सुधाकर मालवीय , हिंदी टीका सहित , चौखम्बा संस्कृत सीरिज ,

		वाराणसी ।
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

		वाराणसी ।
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

Mamun
 (विभागाध्यक्ष/निदेशक) 30/10/2020

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: न्यायसूत्र एवं न्यायसिद्धांत
मुक्तावली

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MSAND 01

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: __ 4_ **4. सेमेस्टर:** तृतीय षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन के न्यायसूत्र एवं न्यायसिद्धांत मुक्तावली पर केन्द्रित है। जिसमें दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- विद्यार्थी न्यायसूत्र विभिन्न मतों की जानकारी प्राप्त करेगा
- न्यायसिद्धांत मुक्तावली के प्रमुख सिद्धान्तों के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/		

			अपेक्षित हैं)	Laboratory)		age share to the Course)
अन्विति -1	न्याय सूत्र (वात्सायनभा ष्य) (चयनित भाग)	25	3	2	30	50%
अन्विति -2	न्याससिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड)	25	3	2	30	50%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली, विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य , व्या. कृष्णवल्लभाचार्य , चौखम्बा संस्कृत संस्थान , वाराणसी , 1990 2. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली, विश्वनाथ पञ्चानन

		भट्टाचार्य , व्या. मुसलगाँवकर, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , 1991 3. न्याय सूत्र (वात्सायनभाष्य) , श्रीगौतम महामुनि प्रणीत , चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली, विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य , व्या. धमेन्द्रनाथ शास्त्री , मोतीलाल बनारसीदास , दिल्ली , 2000 2. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली , ज्वाला प्रसाद गौड , चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी 3. Rajiv Malhotra – ‘Indra’s Net’ : Defending Hinduism’s Philosophical Unity’, NOIDA, HarperCollins, 2015
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

4. पाठ्यचर्या का नाम: साङ्ख्यतत्त्वकौमुदी एवं योग दर्शन
(Name of the Course)

5. पाठ्यचर्या का कोड: MSAND 02
(Code of the Course)

6. क्रेडिट: __ 4_ **4. सेमेस्टर:** तृतीय षण्मासिक
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन के साङ्ख्यतत्त्वकौमुदी एवं योग दर्शन पर केन्द्रित है। जिसमें दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- विद्यार्थी साङ्ख्यतत्त्वकौमुदी विभिन्न मतों की जानकारी प्राप्त करेगा
- विद्यार्थी योग दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

माँड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल

संख्या		व्याख्या न	ट्यूटोरिय ल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Int eraction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent age share to the Course)
अन्विति -1	साङ्ख्य एवं योगदर्शन साङ्ख्य तत्त्वकौमुदी (प्रत्ययसर्ग रहित)	25	3	2	30	50%
अन्विति -2	योग सूत्र प्रथम एवं द्वितीय अध्याय (व्यासभाष्य सहित)	25	3	2	30	50%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान

विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन	सत्रांत परीक्षा

(25%)					(75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. साख्यतत्त्वकौमुदी , वाचस्पति मिश्र , वाचस्पति मिश्र , वंशीधर मिश्र , सम्पा. रामशास्त्री भण्डारी , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. सर्वदर्शनसंग्रह , माधवाचार्य , उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी,1964 3. पातञ्जलयोगदर्शनम् , पतञ्जलि (व्याख्याकार) , स्वामी हरिश्चन्द्र आरण्यक , मोतीलाल बनारसी, दिल्ली , 1974 3. योगसूत्र , पतञ्जलि , महाप्रभुलाल गोस्वामी , चौखम्बा संस्कृत संस्थान , वाराणसी, 1983
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. भारतीय दर्शन : आलोचना और अनुशीलन , चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004 2. योगसूत्र , पतञ्जलि , रमाशंकर त्रिपाठी , कृष्णदास अकादमी , वाराणसी , 1985
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

7. पाठ्यचर्या का नाम: वेदान्तपरिभाषा एवं
मीमांसापरिभाषा

(Name of the Course)

8. पाठ्यचर्या का कोड: MSAND 03

(Code of the Course)

9. क्रेडिट: __ 4__ 4. सेमेस्टर: तृतीय षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण **(Description of Course) :**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन के वेदान्तपरिभाषा एवं मीमांसापरिभाषा केन्द्रित है। जिसमें दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम **CLOs (Course**

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

- विद्यार्थी वेदान्तपरिभाषा विभिन्न मतों की जानकारी प्राप्त करेगा
- विद्यार्थी मीमांसापरिभाषा के प्रमुख सिद्धान्तों के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	वेदान्तवेदान्त परिभाषा (प्रत्यक्ष एवं विषय)	25	3	2	30	50%
अन्विति -2	मीमांसा परिभाषा (चयनित भाग)	25	3	2	30	50%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

5. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान

विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन	सत्रांत परीक्षा

(25%)					(75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वेदान्तपरिभाषा , अर्थदीपिका , स्वामी प्रज्ञान भिक्षु , चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी 2. वेदान्त तत्त्वविकेक , स्वामी स्वयंप्रकाश गिरि , चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी 3. हिन्दी वेदान्त परिभाषा , गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर , चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. मीमांसा दर्शन का विवेचनात्मक इतिहास , गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर , चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी 2. मीमांसा परिभाषा , आशुबोधिनी व्या. गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर , चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

10. पाठ्यचर्या का नाम: न्याय बिन्दु एवं तत्त्वार्थसूत्र

(Name of the Course)

11. पाठ्यचर्या का कोड: MSAND 04

(Code of the Course)

12. क्रेडिट: 4 4. सेमेस्टर: तृतीय
षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन के न्याय बिन्दु एवं तत्त्वार्थसूत्र पर केन्द्रित है। जिसमें दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- विद्यार्थी न्याय बिन्दु विभिन्न मतों की जानकारी प्राप्त करेगा
- विद्यार्थी तत्त्वार्थसूत्र के प्रमुख सिद्धान्तों के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

माँड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	न्याय बिन्दु (चयनित भाग)	25	3	2	30	50%
अन्विति -2	तत्त्वार्थसूत्र (चयनित प्रारंभिक भाग)	25	3	2	30	50%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

7. माँड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
8. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

7. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

**11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)**

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.न्यायबिन्दु, धर्मकीर्ति प्रणीत , संस्कृत हिंदी टीका सहित , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. न्यायबिन्दुप्रकरणम् , न्यायबिन्दुविस्तर टीकासहित, स्वामी द्वारिकादास शास्त्री , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	3. न्यायदर्शनम् , वात्सायनभाष्य सहित , पण्डित ढुण्डिराज शास्त्री , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 4. Rajiv Malhotra – ‘Indra’s Net’: Defending Hinduism’s Philosophical Unity’, NOIDA, HarperCollins, 2015 5. Rajiv Malhotra – “Being Different : An Indian Challenge to Western Universalism” New Delhi, HarperCollins, 2011
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

एम. ए. संस्कृत
द्वितीय वर्ष

ऐच्छिक पत्र - 1

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशा	

**1.पाठ्यचर्या का नाम: वै.सिद्धान्तकौमुदी (अव्ययीभाव एवं तत्पुरुष समास) एवं संस्कृत अनुवाद
(Name of the Course)**

**2.पाठ्यचर्या का कोड: MSANDO 01
(Code of the Course)**

**3.क्रेडिट: 04
(Credit)**

**4. सेमेस्टर: तृतीय षाण्मासिक
(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण : (Description of Course)

यह पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरण की सामासिक प्रक्रिया का उच्च ज्ञान एवं संस्कृत व्याकरण शास्त्र के इतिहास को अवगत कराने में सक्षम है ।

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)**

- संस्कृत व्याकरण की सामासिक प्रक्रिया का उत्कृष्ट ज्ञान सम्पादित करने में सक्षम होगा ।
- सिद्धान्तकौमुदी की इस प्रक्रिया भाग को जानकर सामासिक पदों की व्युत्पत्ति करने में सक्षम होगा ।
- पाणिनीय व्याकरण के पद सम्बन्धी व्यवस्थाओं को जानने में सक्षम होगा ।
- विद्यार्थी पाणिनीय व्याकरण की सामासिक पद विषयक प्रविधियों को जानकर उन्हें अपने चिंतनानुसार संवर्धन करने में सक्षम होगा।
- संस्कृत भाषा में अनुवाद करने में सक्षम होगा ।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत
		व्या	ट्यूटो	संवाद/प्रशिक्षण	

		ख्यान	रियल (यदि अपेक्षित हैं)	/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	अंश (Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1	अव्ययीभाव प्रकरण	15	01	01	18	33.3%
मॉड्यूल-2	तत्पुरुष प्रकरण	20	02	01	15	33.3%
मॉड्यूल-3	संस्कृत अनुवाद सरल वाक्यनुवाद, पठित गद्यांश अनुवाद अपठित गद्यांश अनुवाद	15	02	01	14	33.3%
योग		50	06	04	60	100%

टिप्पणी:

9. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
10. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम ,
विधियाँ	चर्चा विधि , व्याख्यान विधि , विश्लेषणात्मक विधि , प्रश्नाभ्यास
तकनीक	संवाद , ICT, संस्कृत apps, प्रकृतिकरण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख , Ppt , epg पाठशाला वीडियो

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

9. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पुनर्मुद्रण 1996 2. व्याकरण सिद्धान्त कौमुदी , भट्टोजिदीक्षित , चौखम्बा भारतीय प्रकाशन , वाराणसी , 1990 3.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी म. म. पं. गिरधरशर्मा चतुर्वेदी तथा म. म. पं. परमेश्वरानन्दशर्माभास्कर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली - 110007,पुनर्मुद्रण 1989
2	संदर्भ-ग्रंथ	4.जिज्ञासु, पं. ब्रह्मदत्त - अष्टाध्यायी (भाष्य) प्रथमावृत्ति, रामलालकपूरट्रस्ट, बहालगढ़,

		सोनीपत, हरियाणा 5. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका , चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसी दास , दिल्ली 6. प्रौढ रचना अनुवाद कौमुदी , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी 7. संस्कृत शिक्षण सरणी , आचार्य राम शास्त्री , परिमल पब्लिकेशन्स , दिल्ली
3	ई-संसाधन	8. यूट्यूब विडियो, 9. epg पाठशाला 10. archive.org पर उपलब्ध पाठ्यपुस्तक एवं अन्य पाठ्यसामग्री
4	अन्य	शोध आलेख, कक्षागत नोट्स

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

13. पाठ्यचर्या का नाम: साहित्यशास्त्रेतिहास

(विशेषज्ञता-दर्शनम् -ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

14. पाठ्यचर्या का कोड: MSANDO 02

(Code of the Course)

15. क्रेडिट: ____ 2__ **4. सेमेस्टर:**

तृतीय षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य के परिचय पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या रामायण , महाभारत , नाटक एवं कथा आदि की सामान्य जानकारी प्रदान करने में पूर्ण सक्षम है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी प्राप्त करेगा
- अलंकार शास्त्र के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करने में समर्थ होगा ।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	24
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4+2=6
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दार्शनिक विषयों के प्रति रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	30

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

माँड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या न	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	रामायण महाभारत, पुराण, गद्य, पद्य, चम्पू, नाटक, कथा, आख्यायिका	12	2	1	15	50%
अन्विति -2	अलंकारशास्त्र का इतिहास	12	2	1	15	50%
योग		24	4	2	30	100%

टिप्पणी:

11. माँड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
12. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान

विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति		√	√	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

11. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
12. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , बलदेव उपध्याय , शारदा निकेतन , वाराणसी 2. पुराण विमर्श , बलदेव उपाध्याय , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी, 2007 3. Rajiv Malhotra - 'The Battle For Sanskrit' : NOIDA, HarperCollins, 2016
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

16. पाठ्यचर्या का नाम: वैदिकवाङ्मयेतिहासः

(विशेषज्ञता- दर्शनम् -ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

17. पाठ्यचर्या का कोड: MSANDO 03

(Code of the Course)

18. क्रेडिट: ____ 2__ 4. सेमेस्टर:

तृतीय षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या वैदिक साहित्य के सामान्य परिचय पर केन्द्रित है। जिसमें वेद के काल, विषय वस्तु एवं भाष्य एवं भाष्यकारों की जानकारी प्रदान की गई है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	वैदिक विषयों के प्रति रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	30

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी वैदिक विषयों का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- वैदिक विषयों के विभिन्न मतों की जानकारी प्राप्त करेगा
- वैदिक साहित्य के भाष्य एवं भाष्यकारों के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/		

				Laboratory)		age share to the Course)
अन्विति -1	वैदिकवाङ्मये तिहासः परिचय, काल, विषय-वस्तु, पद्धतियाँ (भारतीय एवं पाश्चात्य समालोचना)	10	3	2	15	50%
अन्विति -2	वेद भाष्य एवं भाष्यकार	10	3	2	15	50%
योग		20	6	4	30	100%

टिप्पणी:

13. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

14. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख ,

	फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	-	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

13. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
14. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय-	

	मूल्यांकन			पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र.	पाठ्य-सामग्री	विवरण

सं.		(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी , 2008 2. वैदिक देवता उद्भव एवं विकास , गया चरण त्रिपाठी , राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान , नई दिल्ली
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम भाग-वेद) , उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान , लखनऊ
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

19. पाठ्यचर्या का नाम: भारतीय दर्शन परिचय

(विशेषज्ञता-दर्शनम्-ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

20. पाठ्यचर्या का कोड: MSANDO 04

(Code of the Course)

21. क्रेडिट: __ 4__ 4. सेमेस्टर: तृतीय

षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन के सामान्य परिचय पर केन्द्रित है। जिसमें भारतीय दर्शन की आस्तिक एवं नास्तिक परम्परा का परिचय देते हुए प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- भारतीय दर्शन विभिन्न मतों की जानकारी प्राप्त करेगा
- भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	9+6=15
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

						share to the Course)
अन्विति -1	सांख्य , योग, न्याय , वैशेषिक (सामान्य परिचय एवं प्रमुख सिद्धांत)	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -2	पूर्व मीमांसा एवं वेदान्त (सामान्य परिचय एवं प्रमुख सिद्धांत)	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -3	नास्तिक दर्शन – चार्वाक, बौद्ध , जैनादि (सामान्य परिचय एवं प्रमुख सिद्धांत)	15	3	2	20	33.3%
योग		45	9	6	60	100%

टिप्पणी:

15. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

16. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान

विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

15. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
16. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. सर्वदर्शनसंग्रह, माधवाचार्य , प्रो० उमा शङ्कर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी , 1964
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. भारतीय दर्शन , जगदीश चन्द्र मिश्र , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी , संस्करण , 2012 2. भारतीय दर्शन की रूपरेखा , प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली , 1995
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

22. पाठ्यचर्या का नाम: पुराण एवं इतिहास परिचय
(विशेषज्ञता- दर्शनम्-ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

23. पाठ्यचर्या का कोड: MSANDO 05

(Code of the Course)

24. क्रेडिट: ____ 2__ 4. सेमेस्टर:

तृतीय षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या पुराण एवं इतिहास परिचय विषय पर केन्द्रित है। यह पुराणेतिहास की सामान्य जानकारी प्रदान करने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी पुराण एवं इतिहास का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- रामायण, महाभारत की जानकारी प्राप्त करेगा
- गीता के सामान्य परिचय के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	पुराण एवं इतिहास विषयों के प्रति रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	30

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/		

			अपेक्षित हैं)	Training/ Laboratory)	घंटे	(Percent share to the Course)
अन्विति -1	पुराण इतिहास अर्थ, प्रकार तथा सामान्य परिचय	10	3	2	15	50%
अन्विति -2	रामायण महाभारत तथा गीता का सामान्य परिचय	10	3	2	15	50%
योग		20	6	4	30	100%

टिप्पणी:

17. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
18. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण

उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

17. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
18. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)	सत्रांत परीक्षा (75%)

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी 2. पुराण विमर्श , बलदेव उपाध्याय , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी, 2007
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , बलदेव उपाध्याय , शारदा निकेतन , वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Type equation here.

Template for the Course

25. पाठ्यचर्या का नाम: वैदिक वाङ्मय परिचय एवं

इतिहास (विशेषज्ञता- दर्शनम् -ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

26. पाठ्यचर्या का कोड: MSANDO 06

(Code of the Course)

27. क्रेडिट: ____ 2__ 4. सेमेस्टर:

तृतीय षण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या वैदिक साहित्य के सामान्य परिचय पर केन्द्रित है। जिसमें संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनीषद् जानकारी प्रदान की गई है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- संहिता, ब्राह्मण विषय की जानकारी प्राप्त करेगा
- आरण्यक एवं उपनिषद् के संदर्भ में ज्ञान ग्रहण करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	वैदिक विषयों के प्रति रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	30

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्या न	ट्यूटोरियल (यदि	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/		

			अपेक्षित हैं)	Training/ Laboratory)	घंटे	(Percent age share to the Course)
अन्विति -1	वेद-वेदांग परिचय तथा इतिहास	10	3	2	15	50%
अन्विति -2	ब्राह्मण, आरण्यक , उपनिषद् का परिचय तथा इतिहास का विवेचन	10	3	2	15	50%
योग		20	6	4	30	100%

टिप्पणी:

19. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
20. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण

उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

19. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
20. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)	सत्रांत परीक्षा (75%)

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

**11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)**

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी , 2008
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. वैदिक देवता उद्भव एवं विकास , गया चरण त्रिपाठी , राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान , नई दिल्ली 2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम भाग-वेद) , उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान , लखनऊ
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

28. पाठ्यचर्या का नाम: सर्वदर्शनसंग्रह

(Name of the Course)

29. पाठ्यचर्या का कोड: MSAND 05

(Code of the Course)

30. क्रेडिट: __ 4_ 4. सेमेस्टर: चतुर्थ

षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन के सर्वदर्शनसंग्रह पर केन्द्रित है। जिसमें दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- विद्यार्थी सर्वदर्शनसंग्रह विभिन्न मतों की जानकारी प्राप्त करेगा
- विद्यार्थी दर्शन के अन्तःसम्बन्धात्मक ज्ञान को ग्रहण करेगा
- प्रत्यभिज्ञादर्शन का साक्षात्कार कर पाएगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल

संख्या		व्याख्या न	ट्यूटोरिय ल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Int eraction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent age share to the Course)
अन्विति -1	सर्वदर्शनसंग्रह चार्वाक, शैव, शाक्त,	25	3	2	30	50%
अन्विति -2	प्रत्यभिज्ञा दर्शन एवं अवशिष्ट दर्शन आदि	25	3	2	30	50%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

21. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
22. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग

तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

21. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
22. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)	सत्रांत परीक्षा (75%)

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. सर्वदर्शनसंग्रह , माध्वाचार्य , उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन वारणसी,1964
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. भारतीय दर्शन : आलोचना और अनुशीलन , चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004 2. भारतीय दर्शन , राधा कृष्णन , राजपाल एण्ड सन्ज , कश्मीरी गेट, दिल्ली , 2015 3. Rajiv Malhotra – ‘Indra’s Net’: Defending Hinduism’s Philosophical Unity’, NOIDA, HarperCollins, 2015
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि

4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

31. पाठ्यचर्या का नाम: शारीरकभाष्यम् एवं श्रीभाष्यम्

(Name of the Course)

32. पाठ्यचर्या का कोड: MSAND 06

(Code of the Course)

33. क्रेडिट: 4 4. सेमेस्टर: चतुर्थ
षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन के शारीरकभाष्यम् एवं श्रीभाष्यम् पर केन्द्रित है। जिसमें दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4=10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- विद्यार्थी शारीरकभाष्यम् विभिन्न मतों की जानकारी प्राप्त करेगा
- विद्यार्थी श्रीभाष्यम् के ज्ञान को ग्रहण करेगा
- दोनों ग्रन्थों के परस्पर अन्तर्सम्बन्ध का साक्षात्कार कर पाएगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल

संख्या		व्याख्या न	ट्यूटोरिय ल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Int eraction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent age share to the Course)
अन्विति -1	शारीरक भाष्यम् चतुःसूत्री पर्यन्त	25	3	2	30	50%
अन्विति -2	श्रीभाष्यम् चतुःसूत्री पर्यन्त	25	3	2	30	50%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

23. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

24. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण

उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

23. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
24. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)	सत्रांत परीक्षा (75%)

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. श्रीभाष्यम् , रामानुज आचार्य कृत , श्रीललितकृष्ण गोस्वामी, दो भाग , चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी 2. शारिरिकमीमांसा भाष्यम् , विविध विवरण व्या. , स्वामी महेशानन्द गिरि , दो भाग , चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. श्रीभाष्यवार्तिकम् , यतीन्द्रदीपिका सहित , निवास आचार्य कृत , दो भाग , चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी 2. सिद्धित्रयी , राजानक उत्पलदेव , डॉ० सूर्यप्रकाश , व्यास , चौखम्मा संस्कृत सीरिज, वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

34. पाठ्यचर्या का नाम: योग दर्शन एवं पञ्चदशी

(Name of the Course)

35. पाठ्यचर्या का कोड: MSAND 07

(Code of the Course)

36. क्रेडिट: 4 4. सेमेस्टर: चतुर्थ

षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन के योग दर्शन एवं पञ्चदशी पर केन्द्रित है। जिसमें दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6+4+10
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	दर्शनगत विषयों में रुचि उत्पन्न होना
कुल क्रेडिट घंटे	60

Learning Outcomes) : पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

- विद्यार्थी भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- विद्यार्थी योग दर्शन के विभिन्न मतों की जानकारी प्राप्त करेगा
- विद्यार्थी पञ्चदशी के विषयों का ज्ञान ग्रहण करेगा
- दोनों ग्रन्थों के परस्पर अन्तर्सम्बन्ध का साक्षात्कार कर पाएगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	योग दर्शन IV अध्याय (व्यासभाष्य सहित)	25	3	2	30	50%
अन्विति -2	पञ्चदशी (चयनित भाग)	25	3	2	30	50%
योग		50	6	4	60	100%

टिप्पणी:

25. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
26. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

25. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

26. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन	

		लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.पातञ्जलयोगदर्शनम्, पतञ्जलि (व्याख्याकार), स्वामी हरिश्चन्द्र आरण्यक, मोतीलाल बनारसी, दिल्ली, 1974 2. पञ्चदशी , मूल ग्रन्थ , हिन्दी व्याख्या सहित (जो भी उपलब्ध हो)
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. भारतीय दर्शन, जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी , 2012 2. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1995 3 योगसूत्र, पतञ्जलि, महाप्रभुलाल गोस्वामी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी,1983 4. योगसूत्र, पतञ्जलि , रमाशंकर त्रिपाठी ,

		कृष्णदास अकादमी , वाराणसी , 1985
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

**1.पाठ्यचर्या का नाम: परियोजना कार्य एवं मौखिकी
(Name of the Course)**

**2.पाठ्यचर्या का कोड: MSANDP
(Code of the Course)**

**3.क्रेडिट: 04
(Credit)**

**4. सेमेस्टर: चतुर्थ षाण्मासिक
(Semester)**

**5. पाठ्यचर्या विवरण :
(Description of Course)**

**6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल

संख्या		व्याख्या न	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1	अकादमिक सत्यनिष्ठा अकादमिक सत्यनिष्ठा के आधारभूत सिद्धांत साहित्यिक चोरी की परिभाषा साहित्यिक चोरी के प्रकार प्रतिलिप्याधिकार के नियम साहित्यिक चोरी रोकने के उपाय शोध एवं प्रकाशन के दायित्वपूर्ण आचरण सम्बन्धी मूल तत्त्व शोध कर्ता के कर्तव्य					
मॉड्यूल-2	परियोजना कार्य					
योग						

टिप्पणी:

27. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

28. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम ,
विधियाँ	चर्चा विधि , व्याख्यान विधि , विश्लेषणात्मक विधि , प्रश्नाभ्यास
तकनीक	संवाद , ICT, संस्कृत apps, प्रकृतिकरण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख , Ppt , epg पाठशाला वीडियो

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	-	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

27. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

28. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	मिश्र अधिराज राजेन्द्र एवं राजेश कुमारी मिश्र, शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान, अक्षय वट प्रकाशन, इलाहाबाद । आचार्य सत्यनारायण संस्कृतशोधप्रविधि:, सिद्धमहावीर, पाटना प्रकाशन, पुरी । बोरा राजमल, अनुसन्धान प्रविधि और क्षेत्र, राधाकृष्ण प्रकाशन नयी दिल्ली । सिंह उदयभानु- अनुसन्धान का विवेचन । सिंह उदयभानु- अनुसन्धान के मूलतत्त्व । शर्मा विनय मोहन, शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
2	संदर्भ-ग्रंथ	वी. राघवन – न्यू केटेलोगस केटलोगरम की भूमिका । ‘दिनेश’ शर्मा रामगोपाल –पाण्डुलिपि विज्ञान । सत्येन्द्र – पाण्डुलिपि विज्ञान । सिंहल बैद्यनाथ, शोधस्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि वाणी प्रकाशन नई दिल्ली । नगेन्द्र ,अनुसन्धानस्य प्रविधि-प्रक्रिया , राष्ट्रीयसंस्कृतसंस्थानम् , नई दिल्ली

		सिन्हा , सावित्री एवं स्नातक विजयेन्द्र , शोधप्रक्रिया एवं विवरणिका ।
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

ऐच्छिक पत्र- 8

1.पाठ्यचर्या का नाम: वै.सिद्धान्तकौमुदी (बहुव्रीहि एवं द्वन्द्व समास) एवं अनुवाद
(Name of the Course)

2.पाठ्यचर्या का कोड: MSANDO 08
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 02
(Credit)

4. सेमेस्टर: चतुर्थ षाण्मासिक
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	25
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण :
(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरण की सामासिक प्रक्रिया का उच्च ज्ञान एवं धात्वर्थनिर्णय एवं शाब्दबोध की प्रक्रिया को अवगत कराने में सक्षम है ।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- संस्कृत व्याकरण की सामासिक प्रक्रिया का उत्कृष्ट ज्ञान सम्पादित करने में सक्षम होगा ।
- सिद्धान्तकौमुदी की इस प्रक्रिया भाग को जानकर सामासिक पदों की व्युत्पत्ति करने में सक्षम होगा ।
- पाणिनीय व्याकरण के पद सम्बन्धी व्यवस्थाओं को जानने में सक्षम होगा ।
- विद्यार्थी पाणिनीय व्याकरण की सामासिक पद विषयक प्रविधियों को जानकर उन्हें अपने चिंतनानुसार संवर्धन करने में सक्षम होगा।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	वै.सिद्धान्त कौमुदी- बहुव्रीहि प्रकरण	15	02	01	18	50%
मॉड्यूल-2	वै.सिद्धान्त कौमुदी- द्वन्द्व प्रकरण ।	10	01	01	12	50%
योग		25	03	02	30	100%

टिप्पणी:

29. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

30. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम ,
विधियाँ	चर्चा विधि , व्याख्यान विधि , विश्लेषणात्मक विधि , प्रश्नाभ्यास
तकनीक	संवाद , ICT, संस्कृत apps, प्रकृतिकरण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख , Ppt , epg पाठशाला वीडियो

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X√	√	-	X-	X-	-	X-	-

टिप्पणी:

29. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

30. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार [*]	सत्रीय- पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पुनर्मुद्रण 1996 2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी , भट्टोजिदीक्षित , चौखम्बा भारतीय प्रकाशन , वाराणसी , 1990 3.वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी म. म. पं. गिरधरशर्मा चतुर्वेदी तथा म. म. पं. परमेश्वरानन्दशर्माभास्कर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली - 110007,पुनर्मुद्रण 1989 4.वैयाकरणभूषणसार (भैमीभाष्योपेता), भीमसेन शास्त्री, वैद्यो भीमसेन शास्त्री, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1969 5.वैयाकरणभूषणसार, श्री. पं. गोपालशास्त्री नेने, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221001, पञ्चम संस्करण, 1981
2	संदर्भ-ग्रंथ	6.वैयाकरणभूषणसार, डॉ. प्रभाकर मिश्र, प्र. अरविन्द मिश्र तथा मकरन्द मिश्र, वाराणसी, प्रथम संस्करण, 1982

		7.वैयाकरणभूषणसार, पं. बालकृष्ण पञ्चोली तथा पं. हरिवल्लभशास्त्री, प्र. तर्केश्वर चतुर्वेदी शास्त्री, 1917
3	ई-संसाधन	8. यूट्यूब विडियो, 9. epg पाठशाला 10. archive.org पर उपलब्ध पाठ्यपुस्तक एवं अन्य पाठ्यसामग्री
4	अन्य	शोध आलेख, कक्षागत नोट्स

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

37. पाठ्यचर्या का नाम: काव्यमीमांसा

(विशेषज्ञता-दर्शनम् - ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

38. पाठ्यचर्या का कोड: MSANDO 08

(Code of the Course)

39. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: चतुर्थ

षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या काव्यमीमांसा ग्रन्थ पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या काव्यगत तत्त्वों का विश्लेषणात्मक ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

- विद्यार्थी काव्यमीमांसा का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- पाठक काव्य के तत्त्वों का ज्ञान ग्रहण करेगा
- छात्र काव्यगत सिद्धान्तों से परिचित हो पाएगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	काव्यमीमांसा प्रथम एवं द्वितीय अध्याय	13	1	1	15	
अन्विति -2	काव्यमीमांसा प्रथम एवं द्वितीय अध्याय	13	1	1	15	
योग		26	2	2	30	

टिप्पणी:

31. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
32. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान

विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाला श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

31. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
32. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थि ति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. काव्यमीमांसा , रमाशंकर त्रिपाठी , मोतीलाल बनारसी दास , दिल्ली , 2004
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी । 6. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास , जगदीश चन्द्र मिश्र , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

40. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत काव्य

(विशेषज्ञता – दर्शनम् - ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

41. पाठ्यचर्या का कोड: MSANDO 09

(Code of the Course)

42. क्रेडिट: __ 4 __ 4. सेमेस्टर: चतुर्थ

षाण्मासिक

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत काव्य विषय पर केन्द्रित है। यह

पाठ्यचर्या मेघदूतम् ,वाल्मीकि रामायणम् ,नीतिशतकम् संस्कृत काव्य के संदर्भ में सामान्य जानकारी प्रदान करने में पूर्ण सक्षम है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा ।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	9+6=15
व्यावहारिक/प्रयोग शाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-----
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

- विद्यार्थी संस्कृत काव्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- पाठक मेघदूतम् अध्ययन के द्वारा मेघमार्ग का ज्ञान ग्रहण करेगा
- वाल्मीकि रामायणम् से परिचित हो पाएगा
- नीतिशतकम् स्वाध्याय से नैतिक मूल्यों का विकास से करेगा ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

माँड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	मेघदूतम् मेघमार्ग वर्णन	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -2	वाल्मीकि रामायण किष्किंधा कांड	15	3	2	20	33.3%
अन्विति -3	नीतिशतकम् (25 श्लोक)	15	3	2	20	33.3%
योग		45	9	6	60	100%

टिप्पणी:

33. माँड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

34. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

33. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

34. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन	

		लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वाल्मिकी रामायण , किष्किन्धा काण्ड , गीताप्रेस गोरखपुर , उत्तर प्रदेश 2. मेघदूतम् , रमाशंकर त्रिपाठी , जनार्दन शास्त्री पाण्डेय , मोतीलाल बनारसी दास 3. नीतिशतकम् , डॉ० कृष्णमणि त्रिपाठी , चौखम्भा सुरभारती ग्रन्थमाला, वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. मेघदूतम् , शिवराज शास्त्री , साहित्य भण्डार , मेरठ
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

Template for the Course

43. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत गद्य साहित्य (विशेषज्ञता
- दर्शनम्- ऐच्छिकम्)

(Name of the Course)

44. पाठ्यचर्या का कोड: MSANDO 10

(Code of the Course)

45. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर:** चतुर्थ
षाण्मासिक

(Credit) **(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :

प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत गद्य साहित्य विषय पर केन्द्रित है। यह पाठ्यचर्या पंचतन्त्र एवं संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य पुनरावलोकन करने में पूर्ण सक्षम है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- पाठक पंचतंत्र अध्ययन द्वारा नैतिक मूल्यों का विकास करेगा
- संस्कृत गद्य के सामान्य परिचय से अवगत हो पाएगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/Training/Laboratory)		
1	परिचय	1	1	1	3	10
2	परिचय	1	1	1	3	10
3	परिचय	1	1	1	3	10
4	परिचय	1	1	1	3	10
5	परिचय	1	1	1	3	10
6	परिचय	1	1	1	3	10
7	परिचय	1	1	1	3	10
8	परिचय	1	1	1	3	10
9	परिचय	1	1	1	3	10
10	परिचय	1	1	1	3	10
11	परिचय	1	1	1	3	10
12	परिचय	1	1	1	3	10
13	परिचय	1	1	1	3	10
14	परिचय	1	1	1	3	10
15	परिचय	1	1	1	3	10
16	परिचय	1	1	1	3	10
17	परिचय	1	1	1	3	10
18	परिचय	1	1	1	3	10
19	परिचय	1	1	1	3	10
20	परिचय	1	1	1	3	10
21	परिचय	1	1	1	3	10
22	परिचय	1	1	1	3	10
23	परिचय	1	1	1	3	10
24	परिचय	1	1	1	3	10
25	परिचय	1	1	1	3	10
26	परिचय	1	1	1	3	10
27	परिचय	1	1	1	3	10
28	परिचय	1	1	1	3	10
29	परिचय	1	1	1	3	10
30	परिचय	1	1	1	3	10
31	परिचय	1	1	1	3	10
32	परिचय	1	1	1	3	10
33	परिचय	1	1	1	3	10
34	परिचय	1	1	1	3	10
35	परिचय	1	1	1	3	10
36	परिचय	1	1	1	3	10
37	परिचय	1	1	1	3	10
38	परिचय	1	1	1	3	10
39	परिचय	1	1	1	3	10
40	परिचय	1	1	1	3	10
41	परिचय	1	1	1	3	10
42	परिचय	1	1	1	3	10
43	परिचय	1	1	1	3	10
44	परिचय	1	1	1	3	10
45	परिचय	1	1	1	3	10
46	परिचय	1	1	1	3	10
47	परिचय	1	1	1	3	10
48	परिचय	1	1	1	3	10
49	परिचय	1	1	1	3	10
50	परिचय	1	1	1	3	10
51	परिचय	1	1	1	3	10
52	परिचय	1	1	1	3	10
53	परिचय	1	1	1	3	10
54	परिचय	1	1	1	3	10
55	परिचय	1	1	1	3	10
56	परिचय	1	1	1	3	10
57	परिचय	1	1	1	3	10
58	परिचय	1	1	1	3	10
59	परिचय	1	1	1	3	10
60	परिचय	1	1	1	3	10
61	परिचय	1	1	1	3	10
62	परिचय	1	1	1	3	10
63	परिचय	1	1	1	3	10
64	परिचय	1	1	1	3	10
65	परिचय	1	1	1	3	10

						share to the Course)
अन्विति -1	पंचतंत्र अपरीक्षितकार कम्	10	3	2	15	50%
अन्विति -2	संस्कृत गद्य काव्य उद्भव एवं विकास	10	3	2	15	50%
योग		20	6	4	30	100%

टिप्पणी:

35. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
 36. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम तथा कक्षागत व्याख्यान
विधियाँ	विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	ई.पी.जी पाठशाल श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

35. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
36. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित	05	05	07	08	

अंक					
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. पंचतंत्र, विष्णु शर्मा , सुधाकर मालवीय , हिंदी टीका सहित , चौखम्बा संस्कृत सीरिज ,

		वाराणसी ।
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी
3	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग


 (विभागाध्यक्ष/निदेशक)
 (संकायाध्यक्ष)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

संस्कृत विभाग, साहित्य विद्यापीठ



सीबीसीएस (CBCS) प्रारूप

पीएच. डी. (संस्कृत) पाठ्यक्रम

2020-21

पीएच. डी. (संस्कृत)

कुल-120 क्रेडिट

कोर्सवर्क

अवधि - 06 माह

प्रथम सेमेस्टर

क्रेडिट - 10

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	प्रश्न पत्र का नाम (हिंदी)	प्रश्न पत्र का नाम (अंग्रेजी)	क्रेडिट
मूल	PSAN 01	आधारभूत शोध प्रविधि	Fundamental Research Methodology	02
	PSAN 02	संस्कृत शास्त्रों की शोध प्रविधि एवं सर्वेक्षण	Research Methodology & Survey of Sanskrit Shastras	04
	PSAN 03	संस्कृत वाङ्मय अध्ययन की दृष्टियां एवं अवधारणाएँ	Views & Concepts of Sanskrit Vangmaya	04
	PSAN 04	शोध एवं प्रकाशन के आचार सिद्धांत	Research & Publication Ethics	02
कंप्यूटर		कंप्यूटर अनुप्रयोग	Computer Application	04
ऐच्छिक (अन्य विभागों के लिए)	PSANO 01	संस्कृत वाङ्मय परिचय	Introduction of Sanskrit Vangmaya	04
			कुल	16

द्वितीय सेमेस्टर

क्रेडिट - 04

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	प्रश्न पत्र का नाम (हिंदी)	प्रश्न पत्र का नाम (अंग्रेजी)	क्रेडिट
मूल		दो लघु परियोजना कार्य : 1. पुस्तक समीक्षा 2. संस्कृत वाङ्मय पुनरावलोकन	Two Small Project Work : i. Book Review ii Review of Literature	02
		शोध प्रस्ताव	Research Proposal	02
			कुल	04

क्र.सं.	पाठ्यचर्या	क्रेडिट
1.	शिक्षण सहयोग	10 क्रेडिट
2.	प्रकाशन कार्य	10 क्रेडिट
3.	शोध प्रबंध	60 क्रेडिट
4.	मौखिकी	20 क्रेडिट
	कुल	100 क्रेडिट

*एम.ए. उत्तीर्ण कर पी.एच.डी. में प्रवेश लिए छात्र हेतु 120 क्रेडिट ।

*एम.फिल. उत्तीर्ण कर पी.एच.डी. में प्रवेश लिए छात्र हेतु 100 क्रेडिट ।

- PSAN 01 - PH.D Sanskrit 01
- PSAN 02 - PH.D Sanskrit 02
- PSAN 03 - PH.D Sanskrit 03
- PSAN 04 - PH.D Sanskrit 04
- PSANO - PH.D Sanskrit Optional 01

पीएच. डी. (संस्कृत)

प्रथम सेमेस्टर

पाठ्यचर्या

प्रथम पत्र

क्रेडिट 02

विषय:- आधारभूत शोध – प्रविधि (Fundamental Research Methodology)

अन्विति – I शोध – परिचय

1. शोध की परिभाषा
2. शोध की प्रकृति
3. शोध की विशेषताएं
4. शोध के उद्देश्य
5. शोध के सोपान
6. शोध की पद्धति
7. शोध कर्ता के गुण
8. मातृका प्रस्तुति
9. ताडपत्रमातृक- सम्पादन

अन्विति – II शोध प्रकार

1. मौलिक शोध
2. व्यावहारिक शोध
3. क्रियात्मक शोध
4. ऐतिहासिक शोध
5. व्याख्यानात्मक शोध
6. तुलनात्मक शोध
7. समालोचनात्मक शोध

8. संपादनात्मक शोध
9. तथ्यानुसंधानात्मक शोध
10. विश्लेषणात्मक शोध

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. मिश्र अधिराज राजेन्द्र एवं राजेश कुमारी मिश्र, शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान, अक्षय वट प्रकाशन, इलाहाबाद ।
2. आचार्य सत्यनारायण संस्कृतशोधप्रविधिः, सिद्धमहावीर, पाटना प्रकाशन, पुरी ।
3. बोरा राजमल, अनुसन्धान प्रविधि और क्षेत्र, राधाकृष्ण प्रकाशन नयी दिल्ली ।
4. सिंह उदयभानु- अनुसन्धान का विवेचन ।
5. सिंह उदयभानु- अनुसन्धान के मूलतत्व ।
6. शर्मा विनय मोहन, शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
7. वी. राघवन – न्यू केटेलोगस केटलोगरम की भूमिका ।
8. 'दिनेश' शर्मा रामगोपाल –पाण्डुलिपि विज्ञान ।
9. सत्येन्द्र – पाण्डुलिपि विज्ञान ।
10. सिंहल बैद्यनाथ, शोधस्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि वाणी प्रकाशन नई दिल्ली ।
11. नगेन्द्र ,अनुसन्धानस्य प्रविधि-प्रक्रिया , राष्ट्रीयसंस्कृतसंस्थानम् , नई दिल्ली
12. सिन्हा , सावित्री एवं स्नातक विजयेन्द्र , शोधप्रक्रिया एवं विवरणिका ।
13. Nunan D. Research Methods in Language learning, Cambridge University Press.
14. Kumar S. and Phrommathed P., Research Methodology Springer, US.
15. W.C. Booth, G.G. Colomb and J.M. Williams, The craft of Research, The University of Chicago Press, Chicago, London

द्वितीय पत्र

04 क्रेडिट

विषय:- संस्कृत शास्त्रों की शोध-प्रविधि एवं शोध सर्वेक्षण
(Research Methodology & Survey of Sanskrit Shastras)

अन्विति 1. संस्कृत व्याकरण का सामान्य परिचय तथा तत्संबंधी शोध सर्वेक्षण

1. संस्कृत व्याकरण शास्त्र परिचय ।
2. त्रिमुनि परिचय, पाणिनीय परंपरा, अन्य व्याकरण परम्पराएं ।
3. व्याकरणान्तर्गत प्रमुख ग्रन्थों का शोध सर्वेक्षण ।

अन्विति 2. संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय तथा तत्संबंधी शोध सर्वेक्षण

1. संस्कृत साहित्य शास्त्र –परिचय ।
2. साहित्य शास्त्रान्तर्गत विभिन्न संप्रदाय परिचय ।
3. साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थों का शोध सर्वेक्षण ।

अन्विति 3. भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय तथा तत्संबंधी शोध सर्वेक्षण

1. भारतीय दार्शनिक परम्परा का परिचय ।
2. दार्शनिक ऐतिहासिक ग्रन्थों का शोध सर्वेक्षण ।

अन्विति 4. वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय तथा तत्संबंधी शोध सर्वेक्षण

1. संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदाङ्ग तथा वैदिक भाष्यकारों का सामान्य परिचय
2. वैदिक साहित्यान्तर्गत प्रधान ग्रन्थों का शोध सर्वेक्षण

अन्विति 5. धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास शास्त्र का सामान्य परिचय एवं तत्संबंधी शोध सर्वेक्षण

1. धर्मशास्त्र का सामान्य परिचय
2. धर्मशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थों का शोध सर्वेक्षण
3. इतिहास तथा पुराणों का सामान्य परिचय
4. इतिहास तथा पुराणों के प्रमुख ग्रन्थों का शोध सर्वेक्षण

अन्विति 6. ज्यौतिष शास्त्र तथा अभिलेख शास्त्र तत्संबंधी शोध सर्वेक्षण

1. ज्यौतिष शास्त्र का सामान्य परिचय ।
2. ज्यौतिष शास्त्र तथा अभिलेख शास्त्र के प्रमुख ग्रन्थों का शोध सर्वेक्षण

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. उपाध्याय बलदेव, वैदिक साहित्य और संस्कृति, शारदा संस्थान, वाराणसी ।
2. द्विवेदी कपिल देव, वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
3. उपाध्याय बलदेव, भारतीय दर्शन, शारदा मंदिर, वाराणसी ।
4. ऋषि “उमाशंकर शर्मा” संस्कृत साहित्य का इतिहास, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी ।
5. उपाध्याय बलदेव, संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
6. भगवद्दत्त, वैदिक वाङ्मय का इतिहास, विजय कुमार गोविन्दराम हसानन्द, दिल्ली ।
7. मीमांसक युधिष्ठिर – संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास, रामलाल कपूर ट्रस्ट प्रकाशन, सोनीपत ।
8. अग्रवाल वासुदेव शरण, पाणिनिकालीन भारतवर्ष, पटना ।
9. अग्निहोत्री प्रभुदयाल, पतञ्जलिकालीन भारतवर्ष, पटना ।
10. शास्त्री नेमिचन्द्र – भारतीय ज्योतिष शास्त्र का इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली ।
11. वर्मा, सत्यकाम, संस्कृत व्याकरण का उद्भव एवं विकास, दिल्ली ।
12. Radhakrishnan S. –Indian Philosophy, Vol. I-II, London

13. काणे पांडुरंग वामन, धर्मशास्त्र का इतिहास, अनु अर्जुन चौबे कश्यप, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ ।
14. Kane P.V. History of Dharmshastra, Vol-I, Bhandarkar Oriental Research Institute Pune.
15. Dasgupta S.N., history of Indian Philosophy, Vol – I-V MLBP, Delhi.

तृतीय पत्र

04 क्रेडिट

**विषय :- संस्कृत वाङ्मय के अध्ययन की दृष्टियाँ एवं प्रमुख अवधारणाएँ
(Views & Concepts of Sanskrit Vangmaya)**

अन्विति- I व्याकरण शास्त्र की दृष्टि एवं अवधारणाएं ।

- प्राच्य वैयाकरण मत
- नव्य वैयाकरण मत
- नवविध व्याकरण परम्परा
- भट्टोजिदीक्षित कृत ग्रन्थों का विश्लेषण
- नागेश कृत ग्रन्थों का विश्लेषण
- अन्य आधुनिक वैयाकरण एवं व्याकरण परम्पराओं का विश्लेषण

अन्विति - II साहित्य शास्त्र की दृष्टि एवं अवधारणाएं

- साहित्यान्तर्गत संप्रदाय विश्लेषण
- समाजशास्त्रीय साहित्यिक विश्लेषण
- संस्कृत साहित्य में वैश्विकरण
- संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद
- तुलनात्मक साहित्य विश्लेषण

अन्विति - III दर्शन शास्त्र एवं धर्मशास्त्र की दृष्टि एवं अवधारणाएं ।

- प्राचीन भारतीय दर्शन का विश्लेषण (बौद्ध, जैन, चार्वाक, वैष्णव, शाक्त, न्याय, वैशेषिक, योग, साङ्ख्य, पूर्व मीमांसा, उत्तर मीमांसा, प्रत्यभिज्ञ एवं पाश्चात्य दर्शन)
- आत्मा, परमात्मा, ईश्वर, ब्रह्म, कार्य –कारण सिद्धान्त,
- विवर्तवाद, परिणामवाद, प्रमाण- मीमांसा, मोक्ष विचार
- मोक्ष साधन सोपान, कर्मसिद्धान्त एवं पुनर्जन्म मीमांसा

अन्विति - IV वैदिक साहित्य एवं पुराणेतिहास की दृष्टि एवं अवधारणाएं

- वैदिक संस्कृति
- बहुदेव वाद
- औपनिषदिक विश्लेषण
- रामायण एवं महाभारत में सामाजिक व्यवस्था
- महाभारतन्तर्गत विभिन्न आख्यायिकाओं का विश्लेषण
- एकेश्वरवाद पञ्चमय कोश विचार
- वेदाङ्ग विश्लेषण
- रामायण के अंतर्गत विभिन्न आख्यायिकाओं का विश्लेषण

संदर्भ ग्रन्थ सूची:-

1. भंडारकर आर.जी.- वैष्णवशैव, और अन्य धार्मिक मत (अनुवादक) डॉ. महेश्वरी प्रसाद, दिल्ली ।
2. Barth- Religions of india.
3. द्विवेदी कपिल देव, वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
4. उपाध्याय बलदेव, भारतीय दर्शन, शारदा मंदिर, वाराणसी ।
5. ऋषि “उमाशंकर शर्मा” संस्कृत साहित्य का इतिहास, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी ।
6. उपाध्याय बलदेव, संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ ।
7. James Hastings –Encyclopedia of Religion and Ethics

8. Sinha J.N. – Indian Philosophy.
9. शर्मा नंदकिशोर – भारतीय दार्शनिक समस्याएँ
10. Jhya, Ujjavala- Navyanyaya language and methodology.

चतुर्थ पत्र

02 क्रेडिट

विषय:- शोध एवं प्रकाशन के आचार सिद्धांत (Research & Publication Ethics)

अन्विति – I शोध एवं प्रकाशन के दायित्वपूर्ण आचरण

1. अकादमिक सत्यनिष्ठा
2. अकादमिक सत्यनिष्ठा के आधारभूत सिद्धांत
3. साहित्यिक चोरी की परिभाषा
4. साहित्यिक चोरी के प्रकार

अन्विति – II साहित्यिक आचार सिद्धांत

1. प्रतिलिप्याधिकार के नियम
2. साहित्यिक चोरी रोकने के उपाय
3. शोध एवं प्रकाशन के दायित्वपूर्ण आचरण सम्बन्धी मूल तत्त्व
4. शोध कर्ता के कर्तव्य

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. मिश्र अधिराज राजेन्द्र एवं राजेश कुमारी मिश्र, शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान, अक्षय वट प्रकाशन, इलाहाबाद ।
2. आचार्य सत्यनारायण संस्कृतशोधप्रविधि:, सिद्धमहावीर, पाटना प्रकाशन, पुरी ।
3. बोरा राजमल, अनुसन्धान प्रविधि और क्षेत्र, राधाकृष्ण प्रकाशन नयी दिल्ली ।

4. सिंह उदयभानु- अनुसन्धान का विवेचन ।
5. सिंह उदयभानु- अनुसन्धान के मूलतत्त्व ।
6. शर्मा विनय मोहन, शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
7. सिंहल बैद्यनाथ, शोधस्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि वाणी प्रकाशन नई दिल्ली ।
8. नगेन्द्र ,अनुसन्धानस्य प्रविधि-प्रक्रिया , राष्ट्रीयसंस्कृतसंस्थानम् , नई दिल्ली
9. सिन्हा , सावित्री एवं स्नातक विजयेन्द्र , शोधप्रक्रिया एवं विवरणिका ।

पञ्चम पत्र

04 क्रेडिट

विषय:- कंप्यूटर अनुप्रयोग (Computer Application)

अंतरानुशासनिक पत्र

04 क्रेडिट

विषय :- संस्कृत वाङ्मय परिचय (Introduction of Sanskrit Vangmaya)

अंतरानुशासनिक (अन्य विभागों के लिए)

अन्विति- I संस्कृत भाषा परिचय

1. ध्वनि, वर्ण, अक्षर, माहेश्वर सूत्र, प्रत्याहार
2. सन्धि का सामान्य परिचय, (पञ्चसन्धि)
3. सरल वाक्य निर्माण, दैनंदिन वाक्य प्रयोग
4. संस्कृत व्याकरण सामान्य परिचय, कारक परिचय

अन्विति - II संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय

रामायण, महाभारत, लक्षण ग्रंथ परिचय, नाटक परिचय, कथा साहित्य परिचय

अन्विति- III भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय

दर्शन सामान्य परिचय (चार्वाक, जैन, बौद्ध, न्याय, वैशेषिक, साङ्ख्य, योग, पूर्व मीमांसा, वेदान्त)

अन्विति- IV वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय

वेद, उपनिषद्, ब्राह्मण, अरण्यक, वेदाङ्ग आदि का सामान्य परिचय

संदर्भ ग्रन्थ सूची :-

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी , श्रीधरानन्दशास्त्री , व्या. श्रीवरदराज , मोतीलाल बनारसी दास , दिल्ली ।
2. संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद , डॉ० रामजी उपाध्याय ।
3. हितोपदेश , नारायणट्टः (नारायणपण्डितः) ।
4. नीतिशतकम् , भर्तृहरि, प्रीति प्रभा गोयल , आर.जी ग्रुप्स द्वारा प्रकाशित ।
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास , बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन , वाराणसी
6. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका , चक्रधर हंस नौटियाल , मोतीलाल बनारसी दास ।
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी
8. भारतीय दर्शन की रूपरेखा , प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली , 1995
10. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी ।

द्वितीय सेमेस्टर

षष्ठ पत्र

02 क्रेडिट

विषय:- दो लघु परियोजना कार्य (Two Small Project Work) :

1. पुस्तक समीक्षा (Book Review)

2. संस्कृत वाङ्मय पुनरावलोकन (Review of Literature)

- व्याकरण शास्त्र सम्बन्धी पुस्तक समीक्षा एवं पुनरावलोकन
- साहित्य शास्त्र सम्बन्धी पुस्तक समीक्षा एवं पुनरावलोकन
- वैदिक साहित्य एवं पुराणेतिहास सम्बन्धी पुस्तक समीक्षा एवं पुनरावलोकन
- भारतीय दर्शन शास्त्र एवं धर्मशास्त्र सम्बन्धी पुस्तक समीक्षा एवं पुनरावलोकन

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. अग्निहोत्री प्रभुदयाल, पतञ्जलिकालीन भारतवर्ष, पटना ।
2. शास्त्री नेमिचन्द्र –भारतीय ज्योतिष शास्त्र का इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली ।
3. Radhakrishnan S. –Indian Philosophy, Vol. I-II, London
4. काणे पांडुरंग वामन, धर्मशास्त्र का इतिहास, अनु अर्जुन चौबे कश्यप, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ ।
5. Kane P.V. History of Dharmshastra, Vol-I, Bhandarkar Oriental Research Institute Pune.
6. Dasgupta S.N., history of Indian Philosophy, Vol – I-V MLBP, Delhi.

सप्तम पत्र :

02 क्रेडिट

विषय :- शोध प्रस्ताव (Research Proposal)

Mamun
30/10/2020